ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

गृहमंत्री परमेश्वर के शिक्षण संस्थानों पर ईडी की छापेमारी @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 22 मई, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-140

मुर्शिदाबाद दंगे पर कलकत्ता हाईकोर्ट की जांच रिपोर्ट से सनसनीखेज खुलासा

वक्फ कानून का विरोध हिंदुओं के सफाये का बहाना था

कोलकाता, 21 मई (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ कानून के खिलाफ हुए प्रदर्शन के दौरान हुए सुनियोजित दंगे की जांच के लिए कलकत्ता हाईकोर्ट द्वारा गठित तीन सदस्यीय समिति ने सनसनीखेज खुलासा किया है। समिति ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि वक्फ कानून के विरोध के नाम पर हिंदुओं के सफाये की योजना थी। पूर्व नियोजित योजना के तहत 11 अप्रैल को धुलियान में हुए मुख्य हमले के समय स्थानीय पुलिस पूरी तरह से निष्क्रिय और अनुपस्थित थी।

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में पिछले महीने हुई हिंसा की जांच के लिए हाईकोर्ट ने कमेटी बनाई थी, जिसने अपनी रिपोर्ट दे दी है। कलकत्ता हाईकोर्ट द्वारा बनाई गई जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि इस हिंसा में ममता बनर्जी की सत्ताधारी पार्टी टीएमसी के स्थानीय नेताओं की अहम भूमिका रही। यह हिंसा वक्फ संशोधन बिल के पास होने के दौरान शुरू हुई थी, जिसमें हिंदुओं को निशाना बनाया गया। जब पीड़ित लोगों ने मदद के लिए पुलिस को फोन किया, तो पुलिस ने कोई जवाब नहीं दिया और पूरी तरह निष्क्रिय रही। रिपोर्ट में बताया गया कि

हिंसा एवं लूटपाट का नेतृत्व सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने किया

हिंसा में बड़े पैमाने पर आ-गजनी और लूटपाट हुई। दुकानों और मॉल्स को बेरहमी से नष्ट किया गया। जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा, हमले स्थानीय पार्षद मेहबूब आलम के इशारे पर हुए। स्थानीय पुलिस गायब रही और उसने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। रिपोर्ट के अनुसार, मुख्य हमला शुक्रवार 11 अप्रैल 2025 को दोपहर 2:30 बजे के बाद हुआ। जिसमें बताया गया है कि यहां स्थानीय पार्षद मेहबूब आलम हमलावरों के साथ आया। उसके साथ समसेरगंज, हिजलतला, शिउलीतला और डिगरी के नकाबपोश मुस्लिम थे। उन्होंने हमला कर सब कुछ जला दिया। इसके बाद विधायक अमीरुल इस्लाम आया और उसने देखा कि कौन से घर अभी तक नहीं जले। इसके बाद हमलावरों ने उन घरों में आग लगा दी।

पहलगाम पर बोलने वाले बंगाल हिंसा पर साधे हैं चतुर चुप्पी

हिंसा पीड़ित बेटबोना गांव के लोगों ने पुलिस को फोन किया, लेकिन पश्चिम बंगाल पुलिस ने कोई जवाब नहीं दिया। रिपोर्ट में बताया गया है कि स्थानीय विधायक अमीरुल इस्लाम वहीं मौजूद था, लेकिन उसने हिंसा रोकने की कोशिश तक नहीं की, बल्कि वो चुपचाप वहां से खिसक गया। हिंसा पीड़ित ग्रामीणों के जख्मों पर नमक डालते हुए हमलावरों ने पानी की पाइपलाइन भी काट दी, ताकि वो अपने घरों में लगी आग को बुझा तक न सकें।

इसी बेटबोना गांव में 113 घर सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। इन घरों को इतना नुकसान हुआ कि अब वे रहने लायक नहीं हैं। इन्हें पूरी तरह दोबारा बनाना होगा। गांव की महिलाएं डर के मारे अपने रिश्तेदारों के पास रहने को मजबूर हैं। ▶10पर

देश को अस्थिर करने का एजेंडा चल रहा है : भाजपा

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में हुए दंगों को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट ने प्रदेश की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस सरकार को कटघरे में खड़ा किया है। हाईकोर्ट द्वारा गठित जांच समिति की रिपोर्ट पर भाजपा के राज्यसभा सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा है कि टीएमसी सरकार की हिंदू विरोधी क्रूरता अपने पूरे वीभत्स रूप में सामने आ गई है। जांच रिपोर्ट ने टीएमसी, इंडी गठबंधन और तथाकथित धर्मनिरपेक्षता के स्वयंभू नायकों का मुखौटा पूरी तरह उतर गया है।

भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, इस समय देश में जिस तरह से एक खास तरह की राजनीति चल रही है, उससे ऐसा लगता है कि कुछ लोग देश की आंतरिक सुरक्षा और ढांचे को नष्ट करने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। ऐसी स्थिति कई बार पश्चिम बंगाल में देखी जा चुकी है। हाईकोर्ट द्वारा गठित एसआईटी की रिपोर्ट आने के बाद पश्चिम बंगाल में टीएमसी सरकार की यही मानसिकता फिर सामने आई है, जिसमें उसकी हिंदू विरोधी क्रूरता अपने पूरे वीभत्स रूप के साथ उजागर हुई है।

ईडी ने नेशनल हेराल्ड केस के तथ्यों से कोर्ट को अवगत कराया

सोनिया और राहुल ने मनी-लॉन्ड्रिंग से बनाए 142 करोड़ रुपए

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग केस के सारे तथ्य अदालत में पेश कर दिए हैं। इन तथ्यों के आधार पर दो जुलाई से दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में लगातार सुनवाई चलेगी। ईडी ने कोर्ट को बताया है कि कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने मनी लॉन्ड्रिंग के जरिए 142 करोड़ से अधिक रुपए बनाए। मनी लॉन्ड्रिंग के जरिए की गई कमाई में सोनिया राहुल के अतिरिक्त सैम पित्रोदा और सुमन दुबे भी शामिल थे। यह राशि यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड के जरिए नेशनल हेराल्ड अखबार चलाने वाली कंपनी एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) से प्राप्त किराए की आय से जुड़ी है। प्रवर्तन निदेशालय ने अदालत को बताया है कि नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी तथा अन्य के खिलाफ पहली नजर में धन शोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) का मामला बनता है।

दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले की सुनवाई बुधवार (21 मई 2025) को हुई। इस हाई-प्रोफाइल मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सैम पित्रोदा और सुमन दुबे पर गंभीर आरोप लगाए हैं। ईडी ने कोर्ट को बताया कि आरोपियों ने अपराध की आय से 142 करोड़ रुपए का फायदा उठाया। यह राशि यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड के जरिए नेशनल हेराल्ड अखबार चलाने वाली कंपनी एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) से प्राप्त किराये की आय से जुड़ी है। ईडी के विशेष वकील जोहेब हुसैन ने कोर्ट में दावा

मनी-लॉन्ड्रिंग मामले की 2 जुलाई से होगी रोजाना सुनवाई

किया कि यंग इंडियन के 76 प्रतिशत मालिक सोनिया और राहुल गांधी ने केवल 50 लाख रुपए का भुगतान करके 90.25 करोड़ रुपए की सम्पत्ति हासिल की।

ईडी ने कोर्ट में यह भी कहा कि गांधी परिवार ने न सिर्फ मनी लॉन्ड्रिंग की, बल्कि अपराध की आय को अपने पास रखकर इस अपराध को और बढ़ाया। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कोर्ट को बताया कि यंग इंडियन ने एजेएल के शेयरों का दुरुपयोग किया, जिसके जरिए भारी मुनाफा कमाया गया। नवंबर 2023 में ईडी ने नेशनल हेराल्ड से जुड़ी 751.9 करोड़ रुपए की सम्पत्तियों को जब्त किया था, जिसके बाद यह मामला और सुर्खियों में आ गया। राजू ने कोर्ट में यह भी स्पष्ट किया कि आरोपियों ने तब तक इस आय का लाभ उठाया, जब तक ईडी ने कार्रवाई नहीं की।

यह मामला मूल रूप से 2012 में सुब्रमण्यम स्वामी की शिकायत से शुरू हुआ था। स्वामी ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया था कि गांधी परिवार ने यंग इंडियन के जरिए एजेएल को धोखाधड़ी, आपराधिक दुरुपयोग और विश्वासघात के जरिए हासिल किया। 2010 में एजेएल में 1,057 शेयरधारक थे, लेकिन स्वामी का दावा है कि यंग इंडियन ने गलत तरीके से कंपनी पर नियंत्रण हासिल कर लिया। ईडी ने इस मामले की जांच 2014 में मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत शुरू की थी, जब एक ट्रायल कोर्ट ने स्वामी की निजी आपराधिक शिकायत के आधार पर आयकर जांच में अनियमितताओं का संज्ञान लिया।

कोर्ट में सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष के वरिष्ठ वकीलों अभिषेक मनु सिंघवी और आरएस चीमा ने दस्तावेजों की जांच के लिए और समय मांगा। ▶10पर

वक्फ कानून पर भारत सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया

वक्फ इस्लाम का हिस्सा नहीं और न मौलिक अधिकार है

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)।

भारत सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि वक्फ इस्लामी अवधारणा है, लेकिन यह इस्लाम का आवश्यक हिस्सा नहीं है, इसलिए इसे मौलिक अधिकार नहीं माना जा सकता और न संविधान के तहत मौलिक अधिकार के रूप में इस पर दावा किया जा सकता है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि वक्फ सम्पत्ति का अधिकार विधायी नीति के तहत दिया गया है, जिसे वापस लिया जा सकता है।

भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, वक्फ एक इस्लामी अवधारणा है, जिसे नकारा नहीं जा सकता, लेकिन जब तक इसे इस्लाम का आवश्यक हिस्सा नहीं मान लिया जाता, तब तक अन्य दलीलों का कोई मतलब नहीं है। 2025 के वक्फ (संशोधन) अधिनियम को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में यह जवाब दिया है। मेहता ने अधिनियम का बचाव करते हुए कहा कि किसी भी व्यक्ति को सरकारी जमीन पर दावा करने का अधिकार नहीं है, भले ही वह जमीन वक्फ के रूप में घोषित की गई हो।

मेहता ने कहा, कोई भी व्यक्ति सरकारी जमीन पर दावा नहीं कर सकता। सुप्रीम कोर्ट का एक फैसला है, जो कहता है कि अगर सम्पत्ति सरकारी है और वक्फ के रूप में घोषित की गई है, तो सरकार उसे बचा सकती है। सॉलिसिटर जनरल ने कहा, वक्फ सम्पत्ति मौलिक अधिकार नहीं है। इसे कानून द्वारा मान्यता दी गई थी। अगर कोई

सरकारी जमीन पर दावा करने का किसी को अधिकार नहीं

अधिकार विधायी नीति के तहत दिया गया है, तो उसे हमेशा वापस लिया जा सकता है। चीफ जस्टिस (सीजेआई) बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच इन याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 को अप्रैल में संसद से पारित किया गया था और पांच अप्रैल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इसे मंजूरी दे दी थी। जिसे बाद यह कानून बन गया। लोकसभा में इसके पक्ष में 288 और विपक्ष में 232 मत पड़े थे, जबकि राज्यसभा ने समर्थन में 128 और विरोध में 95 मत पड़े थे।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट का इस तथ्य की ओर खास तौर पर रेखांकित करते हुए ध्यान दिलाया कि वक्फ एक इस्लामी विचार है, लेकिन यह इस्लाम का मूल या अनिवार्य हिस्सा नहीं है। यह केवल इस्लाम में दान देने की व्यवस्था है। जैसे ईसाई धर्म में चैरिटी, हिंदू धर्म में दान और सिख धर्म में सेवा की परंपरा होती है, वैसे ही वक्फ है। तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि वक्फ-बाइ-यूजर (यानी लंबे समय तक धार्मिक उपयोग के आधार पर किसी जमीन को वक्फ घोषित करना) का प्रावधान अब नए कानून में हटा दिया गया है। उन्होंने कहा कि किसी को भी सरकारी जमीन पर स्थायी अधिकार नहीं मिल सकता। सरकार ऐसी जमीन को पुनः प्राप्त कर सकती है, चाहे वह वक्फ ही क्यों न घोषित कर दी गई हो। अगर कोई सम्पत्ति सरकारी हो और उसे वक्फ-बाइ-यूजर के तहत घोषित किया गया हो, तो सरकार उसे वापस लेने का कानूनी अधिकार रखती है। यह कोई मौलिक अधिकार नहीं है। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि 1923 से चली आ रही वक्फ से जुड़ी समस्याएं अब नए कानून से हल की गई हैं। लिहाजा अब हर पक्ष की बात सुनी गई है। सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि हमें 96 लाख सुझाव मिले। ▶10पर

आंध्र के डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने कहा

घुसपैठिए छीन रहे स्थानीय लोगों की नौकरियां

विजयवाड़ा, 21 मई (एजेंसियां)।

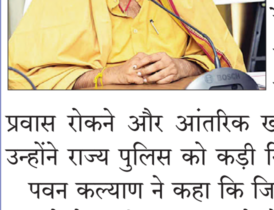

आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम के पवन कल्याण ने कहा कि आंध्र प्रदेश में रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों के अवैध प्रवास से बेर-ोजगारी बढ़ रही है। डीप्टी सीएम एवं जन सेना पार्टी के प्रमुख पवन कल्याण ने कहा कि घुसपैठियों का प्रवास रोकने और आंतरिक खतरों के प्रति सतर्क रहने के लिए उन्होंने राज्य पुलिस को कड़ी निगरानी रखने के लिए कहा है।

पवन कल्याण ने कहा कि जिस तरह सैनिक सीमाओं पर सुरक्षित रूप से देश की रक्षा कर रहे हैं, उसी तरह यह भी जरूरी है कि पुलिस विभाग देश के भीतर आंतरिक सुरक्षा के मामले में भी लगातार सतर्क रहे। रोहिंग्या प्रवास बेरोजगारी का कारण बन रहा है और आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर रहा है। सिस्टम में कुछ लोग उन्हें यहां स्थायी रूप से बसाने में मदद करने में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस को सीमा पर तैनात सैनिकों से ज़्यादा सतर्क रहना चाहिए। हम जानते हैं कि दक्षिणी राज्य आतंकवादियों के लिए संवेदनशील लक्ष्य हैं। तट पर आने वाले अजनबियों की गतिविधियों पर नजर रखी जानी चाहिए। ▶10पर

100 से ज्यादा अमृत स्टेशनों का उद्घाटन आज

अमृत स्टेशनों से रेल का सफर और आसान हो जाएगा: मोदी

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि वह गुरूवार को 100 से ज्यादा अमृत स्टेशनों का उद्घाटन करेंगे जिससे यात्रियों का रेल का सफर और अधिक आसान हो जायेगा।

प्रधानमंत्री ने राजस्थान में कई सड़क परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास किये जाने का भी उल्लेख करते हुए कहा कि इससे सीमावर्ती क्षेत्रों में रक्षा ढांचागत सुविधाओं को मजबूती मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि श्री मोदी गुरूवार को एक दिन के राजस्थान दौरे पर जा रहे हैं जहां वह 26 हजार करोड़ रूपये की विभिन्न परियोजन-ाओं का शिलान्यास या उद्घाटन करेंगे। इससे पहले उन्होंने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर पोस्ट में कहा , भारतीय रेल के लिए कल का दिन ऐतिहासिक और अविस्मरणीय होने जा रहा है। राजस्थान के बीकानेर में सुबह साढे ग्यारह बजे अब तक रिडेवलप किए गए 100 से ज्यादा अमृत स्टेशनों के उद्घाटन का सौभाग्य मिलेगा। इनसे देशवासियों के लिए रेल का सफर और आसान होने वाला है। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा, राजस्थान के अपने दौरे में कई और परियोजनाओं के लोकार्पण ▶10पर

बार-बार उजागर हो रहा सुप्रीम कोर्ट का पक्षपात

कैश वाले जज वर्मा पर एफआईआर नहीं होगी

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट का पक्षपात बार-बार बड़े ही विद्रूप तरीके से उजागर हो रहा है। दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के घर से मिले नोटों के जखीरे की लीपापोती में सुप्रीम कोर्ट की भूमिका पूरे देश के सामने उजागर हो चुकी है। सुप्रीम कोर्ट उस कैश वाले जज के खिलाफ एफआईआर नहीं होने दे रही। जबकि देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ तक इस पर आपत्ति उठा चुके हैं। बुधवार को फिर सुप्रीम कोर्ट ने कैश भंडार वाले दिल्ली हाईकोर्ट के जज रहे यशवंत वर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी।

यह याचिका देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में उनके आवास से अवैध नकदी बरामद होने के आरोपों की इन हाउस इंक्वायरी के आधार पर दाखिल की गई थी। सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की सुनवाई जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने की। बेंच ने कहा कि भारत के मुख्य न्यायाधीश ने पहले ही इन हाउस इंक्वायरी कमेटी की रिपोर्ट और जस्टिस वर्मा का जवाब राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भेज दिया है। ▶10पर

मुठभेड़ में 27 नक्सली ढेर, एक जवान भी शहीद

एक करोड़ का इनामी नक्सल नेता मारा गया

नारायणपुर, 21 मई (एजेंसियां)।

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच जोरदार मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में अब तक 27 नक्सली मारे गए हैं। ऑपरेशन के दौरान एक जवान शहीद हो गया, जबकि एक जवान घायल हुआ है। यह मुठभेड़ सुबह अबूझमाड़ के माड़ डिवीजन इलाके में हुई। नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर नारायणपुर, दंतेवाड़ा, बीजापुर और कोंडागांव जिलों से जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) की टीमें एक साथ नक्सल विरोधी अभियान पर भेजी गई थीं। नारायणपुर के पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने बताया कि जवानों ने बहुत बहादुरी से नक्सलियों का मुकाबला किया और कई नक्सलियों को मार गिराया। राज्य के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा, एक जवान घायल हुआ है, लेकिन अब वह खतरे से बाहर है। जवानों ने बहुत साहस दिखाया है। अभी तक 27 से ज्यादा नक्सली मारे जा चुके हैं और अंतिम तलाशी अभियान जारी है। यह मुठभेड़ सुरक्षाबलों की नक्सल प्रभावित इलाके में अब तक की बड़ी सफलता मानी जा रही है। ▶10पर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

गणिवर मनीषप्रभ सागर जी का 57वां अवतरण दिवस मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में खरतर गच्छाधिपति आचार्य भगवन्त श्री जिन मणिप्रभ सूरीश्वर जी के शिष्य मनीषप्रभ सागर जी का 57वां अवतरण दिवस मनाया गया। इस निमित्त अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

सभा की शुरुआत में दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने सभी का भावभीना स्वागत करते हुए गुरुदेव के अवतरण दिवस के उपलक्ष्य में सकल संघ की ओर से बधाई और शुभकामनाएं प्रदान की। महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने अपने संदेश में गुरुदेव की लम्बी उम्र की कामना की। राजेन्द्र कुमार गु-लेच्छा ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए गुरुवर को समर्पित गीतिकाएं प्रस्तुत की। ट्रस्ट के प्रचार प्रसार संयोजक ललित डाकलिया ने कहा कि मनीषप्रभ सागर जी को गच्छाधिपति श्री मणिप्रभ सागर जी के प्रथम शिष्य बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ और उस शुभ घड़ी में हुई दीक्षा की शुरुआत से गुरुदेव के आज अनेकों शिष्य रत्न बने हैं और यह सिलसिला अनवरत जारी है। युवा परिषद् के मंत्री विकास खटोड़, श्वेता जैन और महिला मंडल के सदस्यों ने गुरुवर मेरे, तुम्हीं सम्हालोगे, है भरोसा मुझे जैसी गीतिकाएं गुरुवर को समर्पित की। इस अवसर पर प्रातः भोर वेला में विमलनाथ परमात्मा के अभिषेक के साथ शक्रस्तव पूजन मुनि मलयप्रभ सागर जी ने करवाया जिसमें हितेश गुलेच्छा ने अभिषेक करवाया और अरविन्द चौपडा एवं अन्य सदस्यों ने सुमधुर गीतों और संगीत से समां बांधा, प्रवचन सभा के दौरान सामूहिक सामायिक का आयोजन भी किया गया तथा शाम को मुनिराज ने संध्या भक्ति में परमात्मा की स्तुतियां गायी। स्थविर मुनिवर मुक्तिप्रभ सागर जी ने 'वन्दन अभिनन्दन' गीत के माध्यम से बधाई दी। मुनिराज मलयप्रभ सागर जी ने सेवा, समर्पण, सरल, सौम्य और संयम मनीषी की उपमा गुरुदेव को दी। मुकुलप्रभ सागर जी और मतीषप्रभ सागर जी ने गुरुदेव के संग बिताए समय के अपने संस्मरणों को बताया और कहा कि आपकी कृपा और अमिदृष्टि हम सभी के ऊपर सदा बरसती रहे। गणिवर्य मनीषप्रभ सागर जी ने सभी का आभार व्यक्त किया और कहा कि धर्म और संयम के बिना हमारी आत्मा का उद्धार नहीं हो सकता है। हमें स्व और पर का भेद करते हुए अपनी आत्मा को स्व यानि अपनी जानकर उसके उत्थान की ओर कदम बढ़ाना है। बाह्य जगत के सभी कार्य होते रहेंगे लेकिन हमें अपनी आत्मा के लिए हमेशा जागृत रहना है और धर्म आराधना में सतत जुड़े हुए रहना है। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी, पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र कुमार रांका, कोषाध्यक्ष रणजीत ललवानी, पारसमल पगारिया, पुखराज कवाड के साथ ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

मदारिया जैन ओसवाल साजनान संघ की प्रथम संगठन यात्रा आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मदारिया जैन ओसवाल साजनान संघ, बेंगलूरु के तहत संगठन यात्रा का पहला पढ़ाव मंजूनाथ नगर बसवेश्वरनगर वार्ड से शुरू हुआ।

वार्ड प्रभारी गौतम टेबा ने सभी का स्वागत किया। साजनान संघ अध्यक्ष ललित मांडोत ने संगठन यात्रा के तहत समाज के सभी कार्य सुचारित रूप से व्यवस्थित करने का आह्वान किया। संगठन मंत्री प्रवीण दक ने अपनी प्रथम संगठन यात्रा पर पूरे मंत्रिमंडल की सहभागिता के प्रति अभिमूल्यन व्यक्त की एवं वार्ड के सभी सदस्यों को समाज हित कार्यों में स्वयं आगे बढ़कर हर कार्य में सहयोग प्रदान करने का निवेदन किया।

इस अवसर पर उपाध्यक्ष जसवंत गन्ना, सयोजक महावीर मेहता, वार्ड सह प्रभारी महावीर कोठारी सहित अनेक पदाधिकारी एवं वार्ड के सदस्य मौजूद रहे। वार्ड सदस्य सुनील कटारिया, राजेश कोठारी, मनीष लोसर, अनिल बोहरा आदि अनेक सदस्यों ने अपने महत्वपूर्ण सुझाव रखें। सुझावों में सेवा संस्कार और संगठन के अधिक से अधिक कार्य, संस्थाओं द्वारा खेल कूद प्रतियोगिता सीमित, नवयुवक मंडल का गठन, विभिन्न संस्थाओं का एकीकरण करना, संस्थाओं द्वारा आय-व्यय का ब्यौरा समाज के सामने प्रस्तुत करना, स्नेह मिलन समाज के अंतर्गत एक ही रखना, समाज की प्रतिभाओं को उभारना, संकल्प पत्र में आवश्यकतानुसार परिवर्तन, आ-पातकालीन टीम तैयार करने हेतु निवेदन प्राप्त हुए।

सभी का आभार सह मंत्री नेमीचंद दलाल ने माना।

राजाजीनगर संघ पदाधिकारियों ने लिया दर्शन वंदन का लाभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कुम्बलगुड़ स्थित तुलसी चेतना केंद्र में विराजित युग प्रधान आचार्य सम्राट डॉ. शिवमुनि महाराज की सुशिष्या तप कौमुदी महासती निर्मला के दर्शन हेतु राजाजीनगर श्रीसंघ से पदाधिकारी उपस्थित हुए। महासती निर्मला के बिडदी से तुलसी चेतना केन्द्र विहार में राजाजीनगर युवा अध्यक्ष धीरज नाहर, अजय धोका, मनोज भंसाली, संजय चोपड़ा, बिडदी से दिलकुश दक, अशोक मारु व अन्य ने लाभ लिया। संघ के अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया, मंत्री नेमीचंद दलाल, सहमंत्री राकेश दलाल, कोषाध्यक्ष प्रसन्न भलगट, पारस भलगट व अन्य ने दर्शन, वंदन मांगलिक का लाभ लिया एवं आगामी बेंगलूरु उप नगरीय विहार सम्बन्धित रूप रेखा पर चर्चा की एवं श्रमण संघीय उप प्रवर्तक, घोर तपस्वी नरेशमुनि के भी दर्शन, वंदन, मांगलिक का लाभ लिया। साध्वी निर्मला श्री का आगामी 2025 का चातुर्मास राजाजीनगर में घोषित है। चातुर्मास प्रवेश 2 जुलाई को रहेगा।

मुनि की प्रेरणा से तेरापंथ सभा बन्नेरघट्टा का हुआ नवगठन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी के विद्वान शिष्य डॉ. मुनिश्री पुलकित कुमारजी एवं 'नचिकेता' मुनिश्री आदित्य कुमारजी की बेंगलूरु उपनगरीय यात्रा के अंतर्गत जिगनी, बन्नेरघट्टा रोड, एस.एन.एन., क्लासिक ऑर्चिड, हीरानंदानी, अक्षयनगर आदि क्षेत्रों में श्रावक समाज की आध्यात्मिक सार-संभाल करते हुए विहार जारी है। मुनि की विशेष प्रेरणा से इन क्षेत्रों के वासियों को संगठित करने हेतु श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा बन्नेरघट्टा का नवगठन किया गया। श्रावक समाज को संबोधित करते हुए डॉ. मुनि पुलकित कुमारजी ने कहा कि संगठन का विशेष महत्व होता है। श्रावक समाज की अनेक धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए तेरापंथ सभा का निर्माण किया जाता है। पूज्य गुरुदेव की दृष्टि में वह क्षेत्र विशिष्ट बन जाता है, जहां श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा सक्रिय रहती है। जिगनी, बन्नेरघट्टा रोड आदि क्षेत्रों में लगभग 80 तेरापंथी परिवारों की उपस्थिति है, और यह संख्या और भी बढ़ने की संभावना है। मुनि ने आशीर्वाद देते हुए कहा कि आप सभी के लिए यह तेरापंथ सभा का गठन - ज्ञानशाला, महिला मंडल की सामायिक, युवकों की 'धम्म जागरणा' आदि में - आध्यात्मिक गति एवं प्रगति प्रदान करने वाला होगा। यही मंगलकामना है। मुनि ने नवगठित सभा के संयोजक एवं सह-संयोजक को समस्त समाज के समक्ष मंगल पाठ सुनाया। मुनि आदित्य कुमारजी ने गीत के माध्यम से प्रेरणा प्रदान की। तेरापंथ महासभा के दक्षिणांचल प्रभारी प्रकाश लोढ़ा ने नवगठित तेरापंथ सभा बन्नेरघट्टा के संयोजक (अध्यक्ष) राजकुमार कोटेचा एवं सह-संयोजक दिलीप खटेड को बधाई देते हुए सभा कार्य संचालन की निर्देशिका सौंपी। ज्ञानशाला के दक्षिणांचल प्रभारी मानकचंद संचेती ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। तेरापंथ समाज बन्नेरघट्टा रोड की ओर से उपासक विनोद कोठारी ने अतिथियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया और सम्मान जैन पट्ट के माध्यम से किया। इस अवसर पर महासभा से संजय बांठिया, तपस्वी कन्हैयालाल खटेड, अभय कोटेचा, संतोष गोठी, राकेश कोटेचा, विपुल दुग्गड़, मनीष शाह, अश्विन धारीवाल, अरविंद सिंघी, अनिल छाजेड़, लक्ष्मीपत मालू, अरिहंत सुराणा, अंकित सुराणा, तेयुप गांधीनगर के अध्यक्ष विमल धारीवाल एवं मंत्री राकेश चौरड़िया, महिला मंडल से मधुप्रिया खटेड, ममता शाह, अनिता दुगड़, पुष्पा दुगड़, राजू कोठारी, अलका कोटेचा आदि श्रावक-श्राविका समाज उपस्थित थे।

डिप्रेशन डिटॉक्स कार्यशाला में मिला मानसिक स्वास्थ्य का मंत्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या, साध्वी पावनप्रभा जी के सान्निध्य में डिप्रेशन डिटॉक्स कार्यशाला का शांतिनगर में सफल आयोजन किया गया। साध्वी पावनप्रभा जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्वास्थ्य, सौंदर्य और संयम की प्राप्ति के लिए निरंतर श्रम और आत्मनियंत्रण आवश्यक हैं।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए मन को सतत रूप से रचनात्मक कार्यों में संलग्न करना चाहिए तथा भावनात्मक शुद्धता पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि नकारात्मक विचार अधिकांश बीमारियों की जड़ हैं। कार्यक्रम में साध्वीवृंद द्वारा प्रज्ञा गीत का संगान किया गया, जिसने वाता-वरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। मुख्य वक्ता बजरंगी जैन ने अपने विचार रखते हुए कहा कि डिप्रेशन एक मनोकायिक बीमारी है, जो व्यक्ति की चेतना, भावनात्मक संतुलन और निर्णय क्षमता को प्रभावित करती है। हीन भावना, निराशा और उदासी इसके प्रारंभिक संकेत होते हैं। उन्होंने डिप्रेशन के कारणों का विस्तृत विश्लेषण करते हुए उसके प्रभावी उपाय भी साझा किए, जिनसे श्रोता गहराई से प्रभावित हुए। कार्यक्रम के अंत में तेयुप परामर्शक जितेंद्र घोषल ने सभी अतिथियों एवं सहभागियों का आभार प्रकट किया। तेरापंथ सभा अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने मुख्य वक्ता का सम्मान किया।

गुरुदेव ज्ञान मुनि जी का ऐतिहासिक चातुर्मास श्री सुमति नाथ जैन आराधना भवन यलंहका में

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। इतिहास मार्तंड आचार्य भगवंत पूज्य श्री हस्तीमल जी के सुशिष्य, ध्यानयोगी, आचार्य सम्राट, डॉ. पूज्य शिव मुनि जी एवं मरुधरा भूषण पूज्य प्रवर्तक सुकन मुनि जी के आज्ञानुवर्ती पंडित रत्न रोचक व्याख्यानी पूज्य गुरुदेव ज्ञान मुनि जी, सेवाभावी पूज्य लोकेश मुनि जी का 2025 का ऐतिहासिक चातुर्मास श्री सुमति नाथ जैन आराधना भवन यलंहका में निर्धारित हुआ है। आगामी चातुर्मास की व्यवस्था हेतु सभी सदस्यों ने मिलकर सुमतिनाथ सकल जैन संघ यलंहका का गठन किया। इसके तहत संयोजक के रूप में ए नेमीचंद लुकड़, अध्यक्ष प्रकाशचंद कोठारी, कार्याध्यक्ष कांतीलाल तातेड़, महामंत्री मनोहरलाल लुकड़, कोषाध्यक्ष मनोहरलाल मुथा, उपाध्यक्ष विमलचंद सुराणा, कांतीलाल हरण, मंत्री के रूप में प्रवीणकुमार तलेसरा, संदीपकुमार कोटेचा, वैयावच्च नवनंदित लुकड़, गौतम तातेड़, आवास निवास अशोक लुकड़, सुमति विनायकिया, भोजन समिति में राजेश विनायकिया, रविवारीय व्यवस्था में संतोष खिवेंसरा, संदीप विनायकिया को नियुक्त किया गया है। यह जानकारी संघ के महामंत्री मनोहरलाल लुंकड़ ने दी।

विधायक मुनिरत्न और चार समर्थकों के खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आर.आर. नगर विधायक मुनिरत्न और चार समर्थकों के खिलाफ आरएमसी यार्ड पुलिस स्टेशन में बलात्कार का मामला दर्ज किया गया है। एक 40 वर्षीय सामाजिक कार्यकर्ता ने पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। 11 जून 2023 को शाम करीब 7 बजे मुनिरत्न के समर्थक नंदिनी लेआउट निवासी वसंता और आश्रयनगर निवासी कमल महिला के घर गए और उससे कहा कि उसके खिलाफ शिकायत वापस ले ली जाएगी और उसे यशवंतपुर में जे.पी. पार्क के पास विधायक के कार्यालय में आने को कहा।

महिला ने अपनी शिकायत में कहा कि जब वह कार से कार्यालय गई तो तीन समर्थक उसे दूसरी मंजिल पर एक कमरे में ले गए और उसे दीवान खाट पर बैठने को कहा। जब उसने इनकार कर दिया तो उन्होंने उसके गाल पर थप्पड़ मार दिया। इसके बाद दोनों ने महिला को नग्न कर दिया और धमकी दी कि अगर उसने उनका साथ नहीं दिया तो वे उसके बेटे को मार देंगे तथा उसके साथ बलात्कार किया। पीड़ित महिला ने अपनी शिकायत में बताया कि जब विधायक मुनिरत्न आए और मेरे ऊपर पेशाब किया तो मैंने अपना मुंह ढक लिया, इसलिए उन्होंने मेरे चेहरे पर पेशाब कर दिया, फिर एक सफेद डिब्बा निकाला और मुझे कोई इंजेक्शन लगा दिया, और धमकी दी कि अगर मैंने पुलिस या किसी और को इस मामले के बारे में बताया तो वह मेरे परिवार को जान से मार देंगे। 14 जनवरी को जब मैं पेट में तेज दर्द के कारण इलाज के लिए वाणी विलास अस्पताल गई तो डॉक्टरों ने खून की जांच की तो पता चला कि मुझे उस दिन वीडीआर वायरस का इंजेक्शन दिया गया था। मैंने तुरंत आत्महत्या का प्रयास किया। इसलिए महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराकर मुनिरत्ना समेत पांच लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

कांग्रेस अनावश्यक रूप से सशस्त्र बलों की कार्रवाई पर सवाल उठा रही है: चलवाडी नारायणस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। ऑपरेशन सिंदूर पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की टिप्पणी की तीखी आलोचना करते हुए भाजपा नेता और कर्नाटक विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस अनावश्यक रूप से सशस्त्र बलों की कार्रवाई पर सवाल उठा रही है, जबकि सरकार और शीर्ष सैन्य अधिकारियों ने स्पष्ट रूप से बताया है कि ऑपरेशन सिंदूर कैसे चलाया गया था। नारायणस्वामी ने कहा मल्लिकार्जुन खड़गे बहुत वरिष्ठ नेता हैं, फिर भी वह ऐसी अवांछित टिप्पणी कर रहे हैं। हमारे सशस्त्र बलों ने 100 से अधिक आतंकवादियों को मार गिराया है, हमारी सरकार ने उन्हें बताया कि सशस्त्र बलों ने कैसे अभियान चलाया, फिर भी वे सेना की कार्रवाई पर सवाल उठा रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ऑपरेशन सिंदूर को एक छोटा युद्ध करार देते हुए मंगलवार को भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता के अमेरिकी दावे पर सरकार की प्रतिक्रिया पर हमला किया और कहा कि यह अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के बयानों के बारे में देश के लोगों को स्पष्टता प्रदान नहीं कर रहा है। कर्नाटक के विजयनगर में समर्पण संकल्प समावेश रैली में बोलते हुए खड़गे ने आरोप लगाया कि खुफिया एजेंसियों को क्षेत्र में संभावित हमले के बारे में पहले से जानकारी थी और सवाल किया कि पर्यटकों को इसकी जानकारी क्यों नहीं दी गई। इससे पहले मंगलवार को केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने भी खड़गे द्वारा ऑपरेशन सिंदूर को छोटा युद्ध बताए जाने की निंदा करते हुए इसे सशस्त्र बलों की वीरता और बलिदान का अपमान बताया था। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष पर आरोप लगाया कि वे इस ऑपरेशन को कमतर आंककर भारतीय सैनिकों के साहस, क्षमता और सामरिक ताकत को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। किशन रेड्डी ने कहा कि यह हैरान करने वाली बात है कि जब दुनिया भारत के आतंकवाद विरोधी प्रयासों की प्रशंसा कर रही थी, तब कांग्रेस के नेता परेशान थे।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** बीएमएस महिला महाविद्यालय बसवनगुड़ी द्वारा आयोजित अंतर महाविद्यालय सांस्कृतिक उत्सव कला पर्व 2025 कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत को सम्मानित किया गया। इस मौके पर अविराम शर्मा, विंग कमांडर राघवन आरए, प्राचार्य डॉक्टर रघु कुमार एन एवं अन्य लोग मौजूद थे।*

गृहमंत्री परमेश्वर के शिक्षण संस्थानों पर ईडी की छापेमारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर के स्वामित्व वाले शैक्षणिक संस्थानों पर छापे मारे हैं। प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने तुमकुरु के हेग्गेरे में सिद्धार्थ मेडिकल एजुकेशन इंस्टीट्यूट, मालुरुदीन में श्री सिद्धार्थ इंजीनियरिंग कॉलेज, हेग्गेरे में परमेश्वर के गृहनगर घर, तुमकुरु के बाहरी इलाके में पुराने एचएमएस कॉलेज और नेलमंगला के पास सिद्धार्थ मेडिकल एजुकेशन इंस्टीट्यूट पर छापा मारा है। अधिकारी बुधवार सुबह 9 बजे अलग-अलग कारों में पहुंचे और गहन निरीक्षण किया। परमेश्वर के घर और शैक्षणिक संस्थानों पर छह साल पहले आयकर विभाग ने छापेमारी की थी। हाल ही में परमेश्वर ने तुमकुरु के बाहरी इलाके में स्थित एचएमएस इंजीनियरिंग कॉलेज को पूर्व कांग्रेस विधायक शफी अहमद से खरीदा था। ऐसा माना जा रहा है कि इस दौरान बड़ी मात्रा में वित्तीय लेनदेन हुआ। परमेश्वर ने मैसूरु में एक अंतर्राष्ट्रीय आवासीय विद्यालय भी शुरू किया। ऐसी भी जानकारी है कि कुछ संपत्ति लेनदेन भी हुआ है। यह पता चला है कि इस संदर्भ में शैक्षणिक संस्थानों पर हमले किए गए हैं। सिद्धार्थ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड इंजीनियरिंग कॉलेज में न केवल देश के विभिन्न राज्यों से बल्कि विदेशों से भी छात्रों का दाखिला लेना आम बात है। इस संदर्भ में, वित्तीय लेनदेन विभिन्न रूपों में होते हैं। कहा जा रहा है कि इनमें से कुछ पीएमएलए अधिनियम के दायरे में आएंगे। समझा जाता है कि प्रवर्तन निदेशालय ने इस संदर्भ में तलाशी अभियान चलाया है। डॉ. जी. परमेश्वर, जो हमले की सूचना मिलने के समय बेंगलूरु में थे, अपनी पत्नी कनिका के साथ एक निजी कार्यक्रम में भाग लेने के लिए गए थे। घर से निकलते समय हर दिन मीडिया को बयान देना प्रथागत है। लेकिन आज परमेश्वर मीडिया के किसी भी सवाल का जवाब दिए बिना चले गए। परमेश्वर, जिसकी नजर मुख्यमंत्री पद पर थी और जिसने कई अलग-अलग बैठकों के माध्यम से ध्यान आकर्षित किया था, के लिए तलाशी अभियान नई कठिनाइयां लेकर आया है।

कांग्रेसजन अक्सर प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाइयों पर राजनीति से प्रेरित होने का आरोप लगाते देखे जाते हैं। इस मामले में भी स्वाभाविक रूप से वही आलोचनाएं व्यक्त की जाती हैं। हालांकि, यह समझा जाता है कि प्रवर्तन निदेशालय ने पिछली आयकर सूचनाओं और हाल के लेन-देन का अवलोकन करने के बाद ही छापेमारी की।

परमेश्वर के बेंगलूरु स्थित आवास पर की गई तलाशी के बारे में फिलहाल जानकारी उपलब्ध नहीं है, लेकिन यह समझा जाता है कि तलाशी अभियान केवल शैक्षणिक संस्थानों पर केंद्रित था।

बेंगलूरु में बारिश से जनजीवन प्रभावित

सीएम सिद्धरामैया ने शहर की सड़कों का किया दौरा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बुधवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया और निरीक्षण किया जो बारिश से प्रभावित हुए हैं। सुबह विधान सौधा से अपना दौरा शुरू करते हुए वे बेल्लारी रोड से हेब्बल सर्विस रोड, वहां से नागवारा सर्विस रोड, एचबीआर लेआउट के 5वें ब्लॉक, हेनूर जंक्शन, गेड्डालाहल्ली ब्रिज, हेनूर रोड से वड्डारापाल्या मेन रोड और साई लेआउट तक गए।

साईं लेआउट में इस बार बारिश के कारण गंभीर समस्याएं आ रही हैं और निवासी संघर्ष कर रहे हैं। वे बीबीएमपी को कोस रहे हैं। इसलिए मुख्यमंत्री ने स्वयं मौके पर जाकर निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने मराठाहल्ली रिंग रोड, कडुबीशनहल्ली रोड, पनत्तुर ब्रिज, सिल्कबोर्ड, जयदेव अस्पताल, गरुड़प्पनपाल्या और राजराजेश्वरी नगर स्थित आइडियल होम सहित बेंगलूरु के अधिकांश बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और निरीक्षण किया।

मेट्रो ट्रेन में महिलाओं की रिकॉर्डिंग करने के लिए अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण बेंगलूरु में बनशंकरी पुलिस ने एक इंस्टाग्राम अकाउंट के वायरल होने के बाद स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया है, जिसने बेंगलूरु मेट्रो में महिलाओं के वीडियो पोस्ट किए थे, जिन्हें बिना अनुमति के कैप्चर किया गया था। उप पुलिस आयुक्त (दक्षिण) लोकेश बी. जगलासर ने बुधवार को शहर पुलिस के सोशल मीडिया अकाउंट पर उपयोगकर्ताओं को जवाब देते हुए कहा इस संबंध में बनशंकरी पीएस में एक एफआईआर दर्ज की गई है और जांच शुरू कर दी गई है। महिलाओं के वीडियो मेट्रोचिक्स नामक अकाउंट द्वारा पोस्ट किए गए थे, जिसके 5,948 फॉलोअर्स हैं। इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो महिलाओं की सहमति के बिना रिकॉर्ड किए गए थे। सोशल मीडिया पर हंगामा मचने के तुरंत बाद, आपत्तिजनक वीडियो हटा दिए गए और पुलिस अकाउंट को सस्पेंड करने की कोशिश कर रही है। अकाउंट धारक का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

महिलाओं ने परिवहन बस को धक्का देकर दिखाई अपनी ताकत!

बल्लारी/शुभ लाभ ब्यूरो।

होसपेट में राष्ट्रीय राजमार्ग 50 पर एक घटना घटी, जहां महिलाओं ने एक चलती हुई परिवहन बस को धक्का दिया, जो धीरे-धीरे रुकी हुई थी।

बस अचानक राजमार्ग पर रुक गई, क्योंकि महिलाएं, जो मंगलवार को होसपेट में आयोजित राज्य सरकार के संकल्प समर्पण कार्यक्रम में भाग ले रही थीं, अपने घर जा रही थीं।

इसके बाद महिलाओं ने बस को बर्फ में धकेला और जब बस चलने लगी तो उसने अपनी यात्रा जारी रखी। लेकिन बारिश में बस को धक्का देती महिलाओं का मोबाइल फोन में कैद वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से की मुलाकात

स्मार्ट मीटर के जरिए सरकार की दिनदहाड़े लूट: अश्वथनारायण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व उपमुख्यमंत्री और विधायक डॉ.अश्वथ नारायण ने कहा कि स्मार्ट मीटर न केवल दिनदहाड़े लूट है, बल्कि उपभोक्ताओं के साथ अन्याय भी है। विपक्ष के नेता आर. अशोक और डॉ. सी.एन.अश्वथ नारायण के नेतृत्व में एक भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को राज्यपाल से मुलाकात की। इस अवसर पर डॉ. सी.एन. अश्वथनारायण ने मीडिया से बात की। उन्होंने बताया कि उन्होंने राज्यपाल के साथ स्मार्ट मीटर के मुद्दे पर चर्चा की थी। इस घोटाले में उपभोक्ताओं के साथ अनुचित व्यवहार किया जा रहा है।

हजारों करोड़ रुपए लूटे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने राज्यपाल का ध्यान इस ओर दिलाया कि इसमें राज्य सरकार, ऊर्जा विभाग और अधिकारी शामिल हैं।

हमने इस संबंध में दस्तावेजों के साथ लोकायुक्त के समक्ष शिकायत दर्ज कराई है। अभी तक कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। उन्होंने बताया कि लोकायुक्त को इस संबंध में पुनः याद दिलाया गया है। ऊर्जा मंत्री और अन्य अधिकारियों ने अपने पद का दुरुपयोग किया तथा ठेके देकर कानून का उल्लंघन किया। उन्होंने कहा कि उनकी योजना स्मार्ट मीटर घोटाले, जो सत्ता का दुरुपयोग और दिनदहाड़े लूट है, को तार्किक अंत तक पहुंचाने की है। राज्य विद्युत विनियामक आयोग और केंद्रीय विद्युत आयोग के कानून में कोई प्रावधान न होने के बावजूद स्मार्ट मीटर को अनिवार्य बनाना पहला उल्लंघन है।

यहाँ कीमत महंगी है। यह ठेका एक अयोग्य ठेकेदार को दिया गया था। उन्होंने बताया कि उन्होंने कानून के उल्लंघन और सत्ता के दुरुपयोग का मामला राज्यपाल के ध्यान में लाया है। आशा है कि सोने की तस्करी की गहन जांच से और अधिक विवरण सामने आएंगे। उन्होंने इस प्रश्न के उत्तर में कहा कि वे इसका स्वागत करते हैं। उन्होंने एक आरामदायक, कालीन बिछे वातावरण में अपनी उपलब्धियों का बखान किया है। उन्होंने कांग्रेस के समर्पण सम्मेलन और प्रशिक्षण सम्मेलन की आलोचना करते हुए इसे पाखंड बताया। यह लूटने वाली सरकार है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में खुश और प्रसन्न केवल मुख्यमंत्री और सत्तारूढ़ मंत्रिमंडल की 35 सदस्यीय टीम ही है। सरकार का बेंगलूरु शहर का दौरा महज एक नाटक है। उन्होंने बारिश से उत्पन्न इस स्थिति के लिए उनके खराब शासन और अराजकता को जिम्मेदार ठहराया। कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने शिकायत की कि वे लोगों की सहायता के लिए आगे नहीं आये। विकास के लिए कोई पैसा नहीं दिया गया। उन्होंने राज्य सरकार और उसके प्रशासन पर आरोप लगाया कि वे बेंगलूरु के डूबने, कई लोगों की जान जाने और इस तरह की स्थिति के कारण हर जगह अस्त-व्यस्त जीवन के लिए मुख्य कारण हैं। उन्होंने कहा कि इस कांग्रेस सरकार से शहर को कोई राहत नहीं मिलेगी।

बैंक कर्मचारियों द्वारा कन्नड़ बोलने से इनकार निंदनीय: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने सभी बैंक कर्मचारियों से ग्राहकों के साथ सम्मानजनक व्यवहार करने और स्थानीय भाषा में बात करने का आग्रह किया है। मुख्यमंत्री ने अनेकल तालुका के सूर्यनगर स्थित एसबीआई शाखा प्रबंधक की इस बात के लिए कड़ी निंदा की है कि वह कन्नड़ नहीं बोलते।

बैंक मैनेजर का व्यवहार आपत्तिजनक है, जिसने कन्नड़ या अंग्रेजी में बात करने से इनकार कर दिया।

यह सराहनीय है कि एसबीआई ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उक्त प्रबंधक का स्थानांतरण कर दिया। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को यहां बंद अध्याय माना जा सकता है। हालाँकि, यह सुनिश्चित करने के लिए सावधानी बरती जानी चाहिए कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। सभी बैंक कर्मचारियों को ग्राहकों के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करना चाहिए। आपको स्थानीय भाषा में बात करने का प्रयास करना चाहिए। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को सभी बैंक कर्मचारियों को भाषा संवेदनशीलता के संबंध में प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है। उन्होंने मांग की है कि उन्हें स्थानीय भाषा और लोगों का सम्मान करना सिखाया जाए।

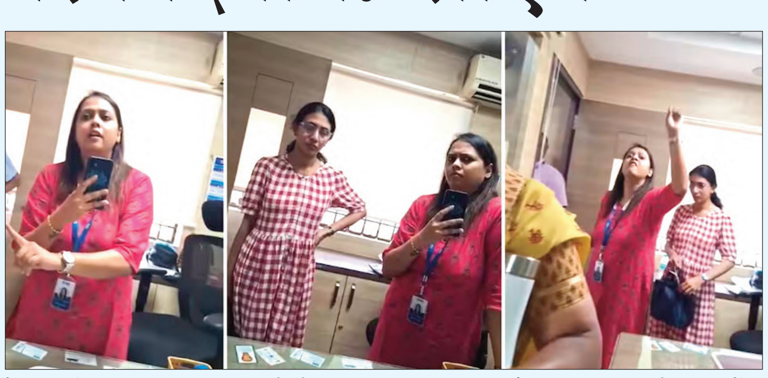

कर्नाटक पुलिस देश में सर्वश्रेष्ठ है: आलोक मोहन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य पुलिस महानिदेशक आलोक मोहन, जो बुधवार को सेवानिवृत्त हो गए, ने कर्नाटक पुलिस की प्रशंसा करते हुए उसे देश में सर्वश्रेष्ठ बताया। उन्होंने कोरमंगला के केएसआरपी परेड ग्राउंड में आयोजित विदाई परेड की सलामी लेने के बाद यह बात कही। उन्होंने कहा मैंने बेंगलूरु शहर सहित कर्नाटक राज्य की विभिन्न पुलिस इकाइयों में सेवा की है। उन्होंने कहा कि हर विभाग में काम करते समय सभी वरिष्ठ एवं कनिष्ठ अधिकारियों ने मेरा उत्साहवर्धन किया है, मैं उन सभी का आभारी हूं। मैंने 38 वर्षों तक पुलिस विभाग में सेवा की है। मैंने न केवल राज्य में बल्कि विदेशों में भी सेवाएं दी हैं और वहां अपने कार्यकाल के दौरान मैंने विभिन्न देशों और राज्यों की पुलिस टीमों की सेवाओं का अवलोकन किया है। उन्होंने खुले तौर पर स्वीकार किया कि उन्हें यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि हमारा कर्नाटक पुलिस बल सर्वश्रेष्ठ है। इस अवसर पर मैंने पहली बार उत्कृष्ट कार्य निष्पादन करने वाले 200 पुलिस अधिकारियों एवं कार्मिकों को राज्य के पुलिस महानिदेशक के नाम से प्रशंसा सेवा पदक प्रदान किया है। सरकार द्वारा केवल 200 लोगों को यह पदक प्रदान करने की अनुमति है। यह सबको नहीं दिया जा सकता। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग के सभी अधिकारी व कर्मचारी अच्छा काम कर रहे हैं। जुलूस का नेतृत्व पश्चिम डिवीजन डीसीपी गिरीश ने किया।

सिद्धरामैया का दिवाली मॉडल कर्नाटक का खिताब

क्या आपने 67 प्रतिशत करदाताओं के साथ बेंगलूरु को एक तैरता हुआ शहर नहीं बना दिया: आर. अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि हम मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को कर्नाटक का दिवाली मॉडल का खिताब दे रहे हैं। भाजपा नगर कार्यालय देशपांडे भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार दिवालिया हो चुकी है। हम ऐसी स्थिति में पहुंच गए हैं जहां हमें ऋण लेकर अपना वेतन देना पड़ रहा है।

मुख्यमंत्री जी, आपने इन दो वर्षों का जश्न किस उपलब्धि के लिए मनाया? आपने बाड़ पर क्या काटा और लगाया? आपने दूध का दाम बढ़ा दिया है। आपने पानी, बिजली, पेट्रोल, डीजल, संपत्ति कर - इन सबमें वृद्धि की है। आपको ऐसा क्यों लगता है कि सम्मेलन की आवश्यकता है, जबकि लोग मूल्य वृद्धि के कारण परेशान हैं? दो साल हो गये। आपने अनुसूचित जातियों के 187 करोड़ रुपये एक झटके में लूट लिये। दूसरी ओर सिद्धरामैया ने खुद सत्र में कहा कि 89 करोड़ रुपये लूटे गए। क्या इसीलिए यह उत्सव मनाया गया है? क्या यह मुडा घोटाले में वास्तु के अनुसार 14 कोने वाले भूखंडों की लूट का आपका जश्न

है? उन्होंने कहा उपलब्धि इस बात की गारंटी है कि अगर आप प्रसव के लिए सरकारी अस्पताल गईं तो कभी वापस नहीं आएंगी? राज्य में 2,000 से अधिक किसान आत्महत्या कर चुके हैं। आपके मंत्री ने कहा कि लोग आत्महत्या इसलिए करते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि राहत मिल जाएगी।

एक अन्य मंत्री शिवानंद पाटिल ने कहा कि किसान सूखे की मांग कर रहे हैं। क्या यह उपलब्धि के लिए एक परंपरा है? क्या सबरों ने वक्फ बोर्ड के नाम पर लाखों एकड़ किसानों की जमीन और मंदिर की संपत्ति नहीं लूटी? क्या उसी जमीर अहमद ने उन सभी को आशीर्वाद नहीं दिया? क्या उन्होंने यह बयान नहीं दिया था कि वे वक्फ संपत्ति लौटा देंगे? उन्होंने पूछा कि क्या आप इसके लिए साधना सम्मेलन आयोजित कर रहे हैं? यह ऐसी सरकार है जो केपीएससी प्रश्नपत्र तैयार करने के लिए योग्य नहीं है। उन्होंने कन्नड़ अनुवाद में 79 गलतियाँ कीं। इसमें दो लाख अभ्यर्थी शामिल हुए। क्या तुमने उनका घर और जीवन बर्बाद नहीं किया? उन्होंने पूछा कि क्या वे अपने जीवन पर कुल्हाड़ी मारने के लिए यह साधना सम्मेलन आयोजित करेंगे। आपने पाकिस्तान के साथ युद्ध के लिए मना कर दिया। आपने कहा था, पाकिस्तान अमर रहे अर्थात नासिर साहब अमर रहें। फोरेंसिक रिपोर्ट से साबित हो गया है कि पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाया गया था। उन्होंने पूछा क्या आपके पास कोई सम्मान है? बारिश के कारण 5 लोगों की मौत हो गई है। आप इस मृत्यु पर इकट्ठे हुए हो। बेंगलूरु के लोग कर्नाटक के बजट का 67 प्रतिशत हिस्सा करों के रूप में देते हैं। आपने उन लोगों को पानी में डुबो दिया। क्या आपने तैरता हुआ बेंगलूरु नहीं बनाया? उन्होंने पूछा कि क्या आपने इसके लिए कोई बैठक की है?

आपने चामराजनगर, मांड्या और रायचूर सहित 9 विश्वविद्यालय क्यों बंद कर दिए? इसके लिए केवल 250 करोड़ रुपये की आवश्यकता थी। यदि आप बार और शराब की दुकानों से कमाए गए धन का 10 प्रतिशत अलग रख देते, तो आप गरीब छात्रों की इच्छाएं पूरी कर सकते थे। क्या आप अपने माता-पिता की अपने बेटे या बेटी की शिक्षा की इच्छा का त्याग करने को तैयार नहीं हैं? राज्य में 40 सरकारी संस्थान दिवालिया हो गये हैं। सार्वजनिक क्षेत्र के 127 उद्यमों में से 60 घाटे में हैं।

इन कम्पनियों ने 46,800 करोड़ रुपये उधार लिये हैं। सीएजी रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि पर्यटन, राजीव गांधी आवास निगम, मैसूर पेपर मिल्स, केएसआरटीसी, एनडब्ल्यू केएसआरटीसी, बीएमटीसी और बीईएसकॉम बंद होने की स्थिति में हैं।

सड़क दुर्घटना में परिवार के चार सदस्यों समेत छह की मौत

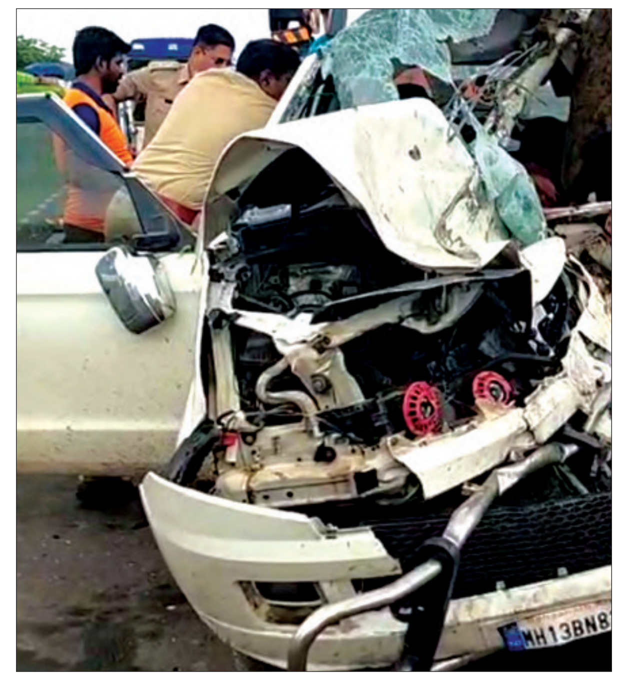

विजयपुरा/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिले में एक सड़क दुर्घटना में एक परिवार के चार सदस्यों और दो अन्य की मौत हो गई। बुधवार की सुबह, सोलापुर की ओर जा रही एक एसयूवी गाड़ी राष्ट्रीय राजमार्ग 50 पर विजयपुरा जिले के मनागुली के पास मुंबई से बल्लारी आ रही एक निजी बस से टकरा गई। कार में सवार तेलंगाना के गडवाल निवासी टी. भास्करन मलकांथन, उनकी पत्नी पवित्रा टी.बी., अभिराम टी.बी., ज्योत्सना टी.बी. और कार चालक विकास शिवप्पा मखानी समेत पांच यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। निजी बस के चालक बसवराज राठौड़ कलगुटगी की भी मौत हो गई। भास्करन मलकांथन का 10 वर्षीय बेटा प्रवीण तेज घायल हो गया और उसे अस्पताल ले जाया गया। एसपी लक्ष्मण निंबर्गी ने घटनास्थल का दौरा किया। पुलिस ने राष्ट्रीय राजमार्ग के एक तरफ वाहनों की आवाजाही को फिर से मलबा हटाया। मामला दर्ज किया जा रहा है।

नशे में धुत युवक पेट्रोल का पैसा चुकाए बिना भागे, कार से दो वाहनों में टक्कर मारी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शराब के नशे में धुत दो युवकों ने कथित तौर पर बीसी रोड स्थित पेट्रोल पंप पर अपनी ऑल्टो कार में ईंधन भराया और बिना पैसे चुकाए भाग गए। यह घटना मंगलवार को हुई, जब वे सलेत्तुर से होते हुए तेजी से भागे और पल्थाजे में एक एक्टिवा स्कूटर और एक पिकअप वाहन से टकरा गए।

एक्टिवा चला रहे कट्टाथिला निवासी अबुबक्कर को दुर्घटना में गंभीर चोटें आईं। 112 आपातकालीन सेवा और विट्ठल स्टेशन के पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और कार और नशे में धुत दो युवकों को हिरासत में ले लिया। हिंदी में बात करने वाले दोनों युवकों के राज्य से बाहर के होने का अनुमान है।

नियुक्तियों के 3 साल बाद विधानसभा सचिवालय में भर्ती घोटाला आया सामने

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक विधानसभा सचिवालय में ग्रुप सी और डी पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया में भ्रष्टाचार के आरोप सामने आए हैं, जबकि चयन प्रक्रिया कथित तौर पर पूरी होने के करीब तीन साल बाद हुई है। चित्रदुर्ग जिले के चल्लकेरे से एक मामले का हवाला देते हुए नियुक्ति प्रक्रिया में अनियमितताओं के बारे में चिंता जताए जाने के बाद यह मामला प्रकाश में आया। कुछ व्यक्तियों ने आरोप लगाया है कि उन्होंने एजेंटों को पैसे दिए, जिन्होंने उन्हें विधानसभा सचिवालय में नौकरी दिलाने का वादा किया था। एक उम्मीदवार ने दावा किया कि

नौकरी दिलाने के बहाने पैसे एकत्र किए गए, जिसमें कथित लेनदेन में शामिल दो अधिकारियों - एक पुरुष और एक महिला - का नाम शामिल है। संपर्क किए जाने पर विधानसभा सचिवालय अध्यक्ष यू टी खादर ने कहा कि मामला गंभीर है और इसकी जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा यह एक गंभीर आरोप है। अगर शिकायतकर्ता सीधे मुझसे संपर्क करते हैं, तो मैं सुनिश्चित करूंगा कि मामले की पूरी तरह से जांच की जाए। इसमें शामिल पाए जाने वाले किसी भी अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दो आरोपी अधिकारियों के नामों की जानकारी मिलने पर अध्यक्ष खादर ने पुष्टि की कि मामले की जांच की जाएगी। सूत्रों के अनुसार, इनमें से एक अधिकारी पहले भी लोकायुक्त की जांच के दायरे में था और बाद में उसे सचिवालय में बहाल कर दिया गया था। लोकायुक्त न्यायमूर्ति बी एस पाटिल ने कहा कि यदि संबंधित विभाग के तहत औपचारिक शिकायत दर्ज की जाती है तो संस्था निश्चित रूप से मामले की जांच करेगी। नाम न बताने की शर्त पर एक वरिष्ठ लोकायुक्त अधिकारी ने कहा कि संस्था गुमनाम शिकायतों पर भी कार्रवाई कर सकती है, खासकर तब जब प्रारंभिक साक्ष्य या विश्वसनीय आरोप प्रस्तुत किए जाते हैं।

इस बीच, विधान विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने प्रक्रिया का बचाव करते हुए दावा किया कि भर्ती के दौरान सभी आवश्यक प्रक्रियाओं और नियमों का सख्ती से पालन किया गया था। अधिकारी ने कहा परीक्षाएं स्थापित मानदंडों के अनुसार आयोजित की गई थीं। मुझे नहीं पता कि आपने जिन व्यक्तियों का नाम लिया है, वे इस तरह के कथित कदाचार में कैसे शामिल हो सकते हैं।

सांप्रदायिक घृणास्पद भाषण मामला

विधायक हरीश पूंजा के खिलाफ आरोपपत्र दायर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक सरकार ने उच्च न्यायालय को सूचित किया है कि सांप्रदायिक घृणास्पद भाषण से संबंधित मामले में विधायक हरीश पूंजा के खिलाफ विशेष अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया गया है।

यह मामला उप्पिनंगडी पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर से संबंधित है। न्यायमूर्ति एस राचैया की अवकाश पीठ ने मंगलवार को एफआईआर और उसके बाद की कानूनी कार्यवाही को रद्द करने की मांग करने वाली पूंजा की याचिका पर सुनवाई की। पूंजा के कानूनी वकील ने तर्क दिया कि मामला विशेष अदालत के अधिकार क्षेत्र में आता है और याचिकाकर्ता मौजूदा विधायक हैं। उन्होंने कहा कि एफआईआर उप्पिनंगडी में दर्ज की गई थी और अदालत में पेश की गई थी, लेकिन उन्हें कोई आधिकारिक रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं कराया गया था। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि बहुत कम समय में जल्दबाजी में आरोपपत्र दाखिल किया गया था। हालांकि पुलिस को आरोपपत्र दाखिल करने की स्वतंत्रता है, लेकिन उन्होंने तर्क दिया कि अपनाई गई प्रक्रिया अनुचित थी। उन्होंने अदालत से

यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि कोई बलपूर्वक कार्रवाई न की जाए और आरोपपत्र की एक प्रति मांगी।

राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले अतिरिक्त विशेष लोक अभियोजक बी एन जगदीश ने कहा कि जांच पूरी हो चुकी है और जांच अधिकारी द्वारा सक्षम न्यायालय में आरोप पत्र प्रस्तुत किया जा चुका है। चूंकि आरोप पत्र पहले ही दाखिल किया जा चुका है, इसलिए उन्होंने कहा कि पूंजा को या तो नई याचिका दाखिल करनी चाहिए या मौजूदा याचिका में संशोधन करना चाहिए।

जगदीश ने यह भी स्पष्ट किया कि उनके पास फिलहाल आरोप पत्र की प्रति उपलब्ध कराने के लिए नहीं है। शिकायतकर्ता एस बी इब्राहिम के वकील ने तर्क दिया कि पूंजा कम से कम सात पिछले मामलों में शामिल रहे हैं। उन्होंने अदालत से विधायक द्वारा सार्वजनिक मंचों पर इस्तेमाल की जाने वाली भाषा पर विचार करने का अनुरोध किया और वर्तमान मामला दर्ज होने के बाद पूंजा द्वारा दिए गए एक सार्वजनिक बयान का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर कहा था, सरकार को 100 और मामले दर्ज करने दें- मैं डरने वाला व्यक्ति नहीं हूं।

उन्होंने कहा कि इस तरह के सांप्रदायिक भाषण हिंसा भड़काने वाले हैं और पूंजा पर जहर उगलने का आरोप लगाया। अदालत ने सभी पक्षों को सुनने के बाद पूंजा के वकील को संशोधित याचिका पेश करने का निर्देश दिया और सुनवाई गुरुवार तक के लिए स्थगित कर दी।

कैदी ने रसोई में साथी कैदी पर किया हमला

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिला जेल में एक नया विवाद हुआ, जब मुनीर नामक एक कैदी ने खाना बनाने का काम कर रहे एक अन्य कैदी पर कथित तौर पर हमला कर दिया।

रिपोर्ट्स बताती हैं कि इस घटना के कारण जेल के अंदर अशांति फैल गई, क्योंकि साथी कैदियों के एक समूह ने हमले के बाद मुनीर पर जवाबी कार्रवाई करने का प्रयास किया। जेल कर्मचारियों ने तुरंत हस्तक्षेप किया और स्थिति को बढ़ने से रोका, जिससे हंगामे के बीच मुनीर की सुरक्षा सुनिश्चित हुई।

बार्के पुलिस ने जेल परिसर का दौरा किया और स्थिति की समीक्षा की। आगे की जांच अभी चल रही है।

फैक्ट्री में नाला साफ करते समय दम घुटने से दो मजदूरों की मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के बाहरी इलाके वसंतारासापुरा औद्योगिक क्षेत्र में बुधवार को फैक्ट्री के नाबदान की सफाई करते समय दो श्रमिकों की दम घुटने से मौत हो गई, जबकि दो अन्य की हालत गंभीर है। मृतकों में मधुगिरी तालुक के मगोडू गांव के प्रताप (23) और शिरा तालुक के कल्लम्बेला होबली के थरूर गांव के वेंकटेश (32) शामिल हैं। थरूर के मंजन्ना (42) और युवराज (32) का गहन चिकित्सा इकाई में इलाज चल रहा है।

वे 'लारस बायो' नामक एक उद्योग में काम कर रहे थे, जो रसायन बनाता है। चार लोग रसायन भंडारण नाबदान की सफाई करने के लिए नाबदान के अंदर गए थे। इस दौरान वे दम घुटने से बीमार पड़ गए और अस्पताल ले जाते समय दो की मौत हो गई। अन्य दो का शहर के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। तुमकुरु ग्रामीण पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

गृह मंत्री परमेश्वर बहुत ही सभ्य और सरल व्यक्ति हैं: डीके शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
गृह मंत्री जी परमेश्वर की किसी भी मामले में संलिप्तता से इनकार करते हुए कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार को कहा कि नेता बहुत सभ्य और सरल व्यक्ति हैं। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए शिवकुमार ने कहा मुझे यकीन है कि मेरे गृह मंत्री किसी भी तरह से किसी भी मामले में शामिल नहीं हैं। वह बहुत ही सभ्य और सरल व्यक्ति हैं। जी परमेश्वर इस तरह के मामले में शामिल नहीं हो सकते। यह कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर से कथित तौर पर जुड़े कई स्थानों पर ईडी की छापेमारी के बारे में मीडिया में आई खबरों के बाद आया है। इससे पहले दिन में शिवकुमार ने घोषणा की कि भू गारंटी योजना कांग्रेस सरकार की गारंटी पहलों की प्रमुख श्रृंखला में छठी योजना होगी। उन्होंने कहा कि यह पहल कृतज्ञता का एक संकेत है, जिसका उद्देश्य राज्य में पार्टी को सत्ता में लाने वाले लोगों के विश्वास और समर्थन को चुकाना है। कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के दो साल पूरे होने के

उपलक्ष्य में आयोजित 'समर्पण सम्मेलन' में शिवकुमार ने कहा हम राज्य के लोगों का कर्ज चुकाने के लिए छठी गारंटी के रूप में भू गारंटी योजना दे रहे हैं, जिन्होंने हमें सत्ता सौंपी है। एआईसीसी अध्यक्ष के निर्देशानुसार, जब तक कांग्रेस की सरकार सत्ता में है, गारंटी योजनाएं बंद नहीं की जाएंगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कार्यक्रम कार्यकाल का जश्न मनाने के लिए नहीं बल्कि जनसेवा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि के लिए है। उन्होंने कहा हम यहां दो साल पूरे होने का जश्न मनाने के लिए नहीं आए हैं। हम यहां कर्नाटक के लोगों का कर्ज चुकाने और लोगों की सेवा के लिए खुद को फिर से समर्पित करने के लिए आए हैं। आपने मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी के नेतृत्व में हमें 136 विधायकों का आशीर्वाद दिया है। वादे के मुताबिक, हमने पांचों गारंटी पूरी की हैं। अब हम भू गारंटी योजना में छठी गारंटी शुरू कर रहे हैं। भू गारंटी योजना पर प्रकाश डालते हुए शिवकुमार ने कहा कि इस पहल से उन लोगों को खाता (भूमि स्वामित्व के दस्तावेज) मिलेंगे जो 50 साल से अधिक समय से इसका इंतजार कर रहे थे। हमारी सरकार उन लोगों को खाता प्रणाली दे रही है जिनके पास पिछले 50 सालों से यह नहीं था। मैं राजस्व मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा और उनकी टीम को इस ऐतिहासिक योजना को संभव बनाने के लिए बधाई देना चाहता हूं। मैं शहरी क्षेत्रों में सभी खतों को डिजिटल बनाने की सातवीं गारंटी योजना की घोषणा कर रहा हूं।

हमारी सरकार ने पिछले दो वर्षों में भ्रष्टाचार पर लगाम लगाई है। इंदिरा गांधी ने इस जिले में स्टील प्लांट शुरू किया था। सोनिया गांधी ने यहां आरटीपीएस शुरू किया था। कांग्रेस पार्टी ने उन सभी जगहों पर जीत हासिल की है जहां हमारे नेता राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा का आयोजन किया था।

एलओसी पर अपने घर लौट रहे लोगों की मुश्किलें थम नहीं रहीं

पाकिस्तान से फेंके गए गोलों के फटने का डर

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 21 मई।

नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर शांति लौटने के कुछ दिनों बाद, उत्तरी कश्मीर के सीमावर्ती इलाकों में ग्रामीण अपने बिखर चुके जीवन को फिर से संवारने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। गोलाबारी, मिसाइल हमलों और कम ऊंचाई पर उड़ने वाले ड्रोन की भयावह यादें अभी भी उन्हें परेशान करती हैं, क्योंकि वे दशकों में हिंसा के सबसे बुरे दौर के बारे में सोचते हैं।

टंगधार के अमरोही गांव में, 62 वर्षीय नूर दीन अपने पुश्तैनी घर के खंडहरों के पास खड़े हैं। छत में एक बड़ा छेद, झुलसी हुई दीवारें और फटे हुए फर्श 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की सैन्य प्रतिक्रिया के बाद पाकिस्तानी गोलाबारी से हुई तबाही की गवाही देते हैं। मलबे को घूरते हुए नूर दीन कहते हैं कि उसने पहले कभी युद्ध नहीं देखा था, लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं देखा था। वे कयामत की रात को याद करते हुए कहते हैं कि आसमान में आग लगी हुई थी। लगातार गोले बरस रहे थे। हम अपनी जान बचाकर भाग रहे थे, प्रार्थना कर रहे थे कि हम ज़िंदा बच जाएं।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद सीमा पार से गोलाबारी के बीच टंगधार, टीटवाल,

करनाह और केरन जैसे गांवों के सैकड़ों निवासियों को अपने घरों से भागने के लिए मजबूर होना पड़ा। क्योंकि भारत ने एलओसी और पाकिस्तान के पार आतंकी ढांचे पर इन्हीं इलाकों से निशाना साधा था। अब, जब निवासी धीरे-धीरे नुकसान का आकलन करने के लिए वापस लौट रहे हैं, तो कई लोगों का कहना है कि उन्होंने पहले कभी इतना कमजोर महसूस नहीं किया। चमकोट गांव के निवासी शब्बीर हुसैन ने इस अनुभव को न्याय का दिन बताया। वे कहते हैं कि घर हिल रहे थे, खिड़कियां टूट रही थीं और लोग चीख रहे थे। मेरे जीवन में पहली बार, मुझे लगा कि हम सब मर जाएंगे। वे उस दिन को याद कर कहते हैं, मेरा घर मलबे में बदल गया था। कुछ भी नहीं बचा।

कई घर आंशिक रूप से या पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं। जो परिवार कभी स्थिर छतों के नीचे रहते थे, वे अब गौशालाओं या अस्थायी तंबुओं में शरण लेने को मजबूर हैं। अन्य लोगों ने क्षतिग्रस्त स्कूलों या सामुदायिक हालों में शरण ली है। एलओसी अर्थात नियंत्रण रेखा से कुछ ही किमी दूर उड़ी के दचिन गांव में, 45 वर्षीय सलीमा बेगम ने कहा, गोलाबारी के दौरान हमारा एकमात्र बंकर ढह गया। लोग चीख रहे थे, बच्चे रो रहे थे। हमने कई संघर्ष विराम उल्लंघनों का सामना किया है, लेकिन इस बार यह युद्ध जैसा लग रहा था। मिसाइलें ऊपर से उड़ रही थीं और हमारे इलाके में कोई भी लगातार पांच रात तक नहीं सोया। उड़ी के नंबा गांव के शब्बीर हुसैन कहते हैं कि वर्षों से जीवन शांतिपूर्ण था। यहां तक कि हमारे इलाके में पर्यटन भी बढ़ने लगा था।

कुपवाड़ा और बारामुला जिलों में स्थानीय प्रशासन ने आवासीय घरों, स्कूलों और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान का आकलन करने के लिए सर्वेक्षण शुरू कर दिया है। अस्थायी आश्रय और राहत सामग्री प्रदान की गई है, लेकिन कई परिवार बारामुल्ला और सोपोर जैसे शहरों में किराए के मकानों में रहना पसंद कर रहे हैं, जो अभी घर लौटने के लिए तैयार नहीं हैं।

शारीरिक क्षति से ज्यादा यह मनोवैज्ञानिक आघात है, जिसके ठीक होने में लंबा समय लग सकता है। 12 मई को युद्धविराम की घोषणा की गई, लेकिन घाव अभी ताजा है। निवासियों को डर है कि शांति अल्पकालिक हो सकती है। वे मांग कर रहे हैं कि दोनों देश तनाव कम करें और बातचीत करने के लिए प्रतिबद्ध हों।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि जान-माल के लिए गंभीर खतरा पैदा करने वाले कई अप्रयुक्त आयुधों (यूएक्सओ) अर्थात अनफूटे गोलों के सफल निपटान के बाद, उत्तरी कश्मीर के अधिकांश इलाकों से लोग बारामुल्ला और कुपवाड़ा जिलों में अपने इलाकों में लौट आए हैं। उन्होंने कहा कि ये यूएक्सओ कमलकोट, मधान, गौहलान, सलामाबाद (बिजहामा), गंगरहिल और गवाल्टा सहित कई गांवों में पाए गए और उन्हें सुरक्षित रूप से निष्क्रिय कर दिया गया। बम निरोधक दस्तों द्वारा पूरी तरह से सफाई अभियान के बाद, जिला प्रशासन ने इन गांवों से निकाले गए लोगों को अपने घरों को लौटने की हरी झंडी दे दी। उन्होंने आगाह किया कि अतिरिक्त अप्रयुक्त गोले अभी भी खतरा पैदा कर सकते हैं। वे निवासियों को सतर्क रहने की सलाह देते थे क्योंकि ये यूएक्सओ जान-माल के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं। विस्फोटक खोल या उपकरण जैसी किसी भी संदिग्ध वस्तु को छुआ या छेड़छाड़ नहीं किया जाना चाहिए। इसके बजाय, उन्हें तुरंत पुलिस या निकटतम सुरक्षा कर्मियों को इसकी सूचना देनी चाहिए। इन क्षेत्रों में अनधिकृत प्रवेश निषिद्ध है, क्योंकि अप्रयुक्त आयुध को गलत तरीके से संभालने से घातक परिणाम हो सकते हैं।

आठ बच्चों समेत 29 अवैध बांग्लादेशी घुसपैठिए गिरफ्तार

रोहतक, 21 मई (एजेंसियां)। रोहतक के कलानौर में एक ईंट भट्ठे से 29 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें 8 बच्चे भी शामिल हैं। ये सभी खरकिया ईंट भट्ठे पर काम कर रहे थे। पकड़े गए एक बांग्लादेशी नूर इस्लाम ने कहा कि वह 22 साल से भारत में अवैध रूप से रह रहा है। उसने बताया कि ठेकेदारों ने सीमा पार कराने के लिए 25 हजार रुपए लिए थे और भारत में आसानी से मजदूरी मिलने के कारण वे पैसा कमाने आ गए थे।

जांच में यह भी सामने आया कि ठेकेदारों ने गिरफ्तार किए गए बांग्लादेशियों के नकली आधार कार्ड भी बनवा दिए थे। पूछताछ से पता चला है कि एजेंट मोटा मुनाफा कमाने के लालच में 5 से 10 लोगों के समूहों में अवैध रूप से पश्चिम बंगाल के रास्ते भारत में प्रवेश करवा रहे हैं। भिवानी पुलिस और सीआईडी पिछले चार दिनों से घुसपैठियों का पता लगाने के लिए एक बड़ा सर्च अभियान चला रही है। कलानौर थाना प्रभारी सतपाल ने बताया कि गिरफ्तार किए गए 29 लोगों को रोहतक सिविल लाइन भेजा जाएगा।

विकसित भारत के लिए सुरक्षित सीमाएं आवश्यक: धनखड़

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए राष्ट्रवाद के प्रति अडिग प्रतिबद्धता और निरंतर तैयारी की आवश्यकता पर बल देते हुए बुधवार को कहा कि 'विकसित भारत' का लक्ष्य हासिल करने के लिए सीमाओं पर शांति की आवश्यकता है।

श्री धनखड़ ने गोवा के मोरमुगाओ बंदरगाह पर आयोजित एक समारोह को आज संबोधित करते हुए कहा कि युद्ध जैसी स्थितियों में आर्थिक विकास संभव नहीं है। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र, विकसित भारत बनना है। इसके लिए प्रति व्यक्ति आय में आठ गुना वृद्धि की आवश्यकता है। इसके लिए हमारी सीमाओं पर शांति की आवश्यकता है। यदि युद्ध जैसी परिस्थितियां हैं तो आर्थिक विकास नहीं हो सकता। शांति विकास और प्रगति का मूल है। शांति शक्ति से आती है। राष्ट्रीय सुरक्षा राष्ट्रवाद और अथक तैयारी के प्रति अडिग प्रतिबद्धता की मांग करती है।

सरकार नक्सलवाद के खात्मे के लिए प्रतिबद्ध: मोदी

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने माओवाद की त्रासदी को दूर करने और लोगों के लिए शांति तथा प्रगति का जीवन सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए छत्तीसगढ में एक मुठभेड़ में 27 नक्सिलयों का खात्मा करने के लिए सुरक्षा बलों की सराहना की है। श्री मोदी ने बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की एक्स पर एक पोस्ट पर प्रतिक्रिया करते हुए कहा, इस महत्वपूर्ण सफलता के लिए हमें अपने बलों पर गर्व है। हमारी सरकार माओवाद की त्रासदी को दूर करने और लोगों के लिए शांति तथा प्रगति का जीवन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। श्री शाह ने छत्तीसगढ के नारायणपुर में 27 खूंखार आतंकवादियों के मारे जाने

को नक्सलवाद को खत्म करने की लड़ाई में ऐतिहासिक उपलब्धि करार देते हुए कहा था कि सरकार अगले वर्ष 31 मार्च से पहले नक्सलवाद को खत्म करने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ के चार विभिन्न जिलों के सुरक्षा बलों ने बुधवार को एक मुठभेड़ में बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए 27 नक्सलियों को ढेर कर दिया और कई अन्य घायल हो गये। मुठभेड़ के दौरान एक जवान भी शहीद हुआ है और एक अन्य घायल हो गया।

पाकिस्तान वैश्विक आतंकवाद का केंद्र, ध्यान भटकाने के लिए ले रहा भारत का नाम : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान जारी कर बलूचिस्तान की घटनाओं के संबंध में पाकिस्तान के तमाम आरोपों को खारिज कर दिया।

मंत्रालय द्वारा जारी संक्षिप्त बयान में कहा गया है, खुजदार में हुई घटना में पाकिस्तान भारत पर आरोप लगा रहा है। भारत सरकार इस आधारहीन आरोप का खंडन करती है और इस घटना में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करती है। पाकिस्तान आतंकवाद का वैश्विक केंद्र है, इसे छुपाने के लिए वह अक्सर भारत पर आरोप लगाता रहता है। दुनिया को धोखा देने वाला यह प्रयास असफल होने वाला है।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के खुजदार जिले में एक स्कूल बस को निशाना बनाकर विस्फोट किया गया। इस घटना में तीन बच्चे और दो वयस्क मारे गए हैं और 38 से अधिक घायल हैं। पाकिस्तान ने इस हमले के लिए भारत को दोषी ठहराया है। भारत ने पाकिस्तान के इस आधारहीन आरोप को खारिज कर दिया है। इस घटना की जिम्मेदारी फिलहाल किसी संगठन ने नहीं ली है लेकिन शक बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) पर है, जो पूर्व में भी ऐसी घटनाओं को अंजाम देता रहा है।

पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पीओके में जवाबी कार्रवाई की थी और आतंकवादियों के नौ ठिकानों को ध्वस्त कर दिया था। इसके बाद पाकिस्तानी सेना द्वारा भारत के सीमावर्ती इलाकों में ड्रोन और मिसाइलों से हमले के जवाब में भारत ने उसके एयर डिफेंस सिस्टम और 11 एयरबेस तबाह कर दिए। पाकिस्तान अपने बड़े नुकसान को स्वीकार करने की बजाय भारत के मिसाइलों और राफेल विमानों को गिराने की झूठी कहानी अपने लोगों और दुनिया को सुना रहा है।

पाकिस्तान की इसी झूठ का पर्दाफाश करने के लिए भारत सरकार ने सांसदों का एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल बनाया है जो विदेशों में जाकर सबूत सहित पाकिस्तान को हुए नुकसान को बताएगा और उसकी पोल खोलेगा।

भारत ने एक और पाकिस्तानी अधिकारी को 24 घंटे के भीतर देश छोड़ने का निर्देश दिया

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। भारत ने यहां पाकिस्तान उच्चायोग के एक अधिकारी को उसकी आपत्तिजनक गतिविधियों के कारण बुधवार को अवांछित घोषित कर दिया और उसे 24 घंटे के अंदर देश छोड़ने का निर्देश दिया। विदेश मंत्रालय ने यहां बताया कि भारत सरकार ने नयी दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग में काम करने वाले एक पाकिस्तानी अधिकारी को भारत में उसकी आधिकारिक स्थिति के प्रतिकूल गतिविधियों में शामिल होने के कारण अवांछित व्यक्ति घोषित किया है। उक्त अधिकारी को 24 घंटे के भीतर भारत छोड़ने के लिए कहा गया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान उच्चायोग के प्रभारी को आज इस आशय का आदेश जारी किया गया। उनसे सख्ती से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया था कि भारत में कोई भी पाकिस्तानी राजनयिक या अधिकारी अपने विशेषाधिकारों और दर्जे का किसी भी तरह से दुरुपयोग न करे।

सुप्रीम कोर्ट ने अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद को अंतरिम जमानत दी

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को अशोका यूनिवर्सिटी के एसोसिएट प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद को ऑपरेशन सिंदूर पर उनके फेसबुक पोस्ट से संबंधित मामले में अंतरिम जमानत दे दी। यह ऑपरेशन पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की सैन्य प्रतिक्रिया थी।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने महमूदाबाद की गिरफ्तारी और हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया।

हालांकि कोर्ट ने हरियाणा पुलिस द्वारा दर्ज की गई दो एफआईआर या चल रही जांच पर रोक लगाने से इनकार कर दिया, लेकिन अंतरिम जमानत पर उनकी रिहाई का निर्देश दिया।

पीठ ने आदेश दिया, हम निर्देश देते हैं कि याचिकाकर्ता को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम), सोनीपत की संतुष्टि के लिए जमानत बांड प्रस्तुत करने की शर्त पर अंतरिम जमानत पर रिहा किया जाए। दोनों एफआईआर के लिए जमानत बांड का केवल एक सेट होगा। हालांकि, कोर्ट ने जमानत अवधि के दौरान महमूदाबाद पर सख्त प्रतिबंध लगाते हुए निर्देश दिया कि वह इस मामले से संबंधित मुद्दों पर कोई भी ऑनलाइन लेख, पोस्ट या भाषण नहीं देगा।

उसे भारत के हालिया सुरक्षा संकट या आतंकवाद विरोधी अभियानों पर कोई भी टिप्पणी करने से रोक दिया गया है और उसे अपना पासपोर्ट जमा करना होगा।

महत्वपूर्ण बात यह है कि कोर्ट ने जांच करने के लिए हरियाणा पुलिस की जगह एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। एसआईटी का नेतृत्व पुलिस महानिरीक्षक करेंगे और इसमें तीन आईपीएस अधिकारी शामिल होंगे, जिनमें से कोई भी हरियाणा या दिल्ली से नहीं होगा। एसआईटी का एक सदस्य महिला अधिकारी होनी चाहिए।

कोर्ट ने कहा, दो कथित ऑनलाइन पोस्ट की सामग्री को देखते हुए, हम इस चरण में जांच पर रोक लगाने के लिए इच्छुक नहीं हैं। हालांकि, निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए, हम हरियाणा के डीजीपी को हरियाणा और दिल्ली के बाहर के अधिकारियों की एक एसआईटी गठित करने का निर्देश देते हैं। सुनवाई के दौरान, बेंच ने महमूदाबाद के फेसबुक पोस्ट में इस्तेमाल की गई भाषा पर गंभीरता से ध्यान दिया और कहा कि इसके दोहरे अर्थ हो सकते हैं और राष्ट्रीय संकट के दौरान इसे असंवेदनशील माना जा सकता है।

यह दुर्भाग्यपूर्ण है जब अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का इस्तेमाल इस तरह से किया जाता है जिससे दूसरों को अपमानित या असहज महसूस हो। शब्दों का चयन मायने रखता है, जस्टिस कांत ने कहा।

कोर्ट ने सवाल किया कि क्या पोस्ट राष्ट्रीय संकट के समय सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए

किया गया था, जबकि महमूदाबाद का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने इसे देशभक्ति और युद्ध-विरोधी संदेश के रूप में बचाव किया और जय हिंद के साथ समाप्त किया।

हर किसी को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार है, लेकिन इसका जिम्मेदारी से इस्तेमाल करना भी उसका कर्तव्य है। अधिकार कर्तव्यों से रहित शून्य में मौजूद नहीं हो सकते, जस्टिस कांत ने पोस्ट के कुछ हिस्सों को डॉग-व्हिसलिंग के रूप में वर्णित किया।

महमूदाबाद को हरियाणा पुलिस ने 18 मई को दिल्ली में गिरफ्तार किया और दो दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया। यह कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर पर उनके फेसबुक कमेंट पर दर्ज दो एफआईआर से उपजी है, जिसमें उन्होंने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद की आलोचना की, युद्ध की निंदा की और दक्षिणपंथी समर्थकों से भारत में भीड़ द्वारा की जाने वाली हत्या और संपत्ति के विध्वंस के खिलाफ बोलने का आग्रह किया।

एक एफआईआर योगेश जठेरी की शिकायत पर आधारित थी, और इसमें भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत धारा 196 (घृणा को बढ़ावा देना), धारा 197 (राष्ट्रीय एकता के लिए हानिकारक दावे), धारा 152 (भारत की संप्रभुता और अखंडता को खतरे में डालना) और धारा 299 (गैर इरादतन हत्या) के तहत आरोप शामिल हैं।

दूसरी एफआईआर हरियाणा महिला आयोग की अध्यक्ष रेणु भाटिया की शिकायत के बाद दर्ज की गई, जिसमें आरोप लगाया गया कि यह पोस्ट सशस्त्र बलों में महिला अधिकारियों का अपमान करने वाला है। आरोपों में धारा 353 (सार्वजनिक शरारत), धारा 79 (शील का अपमान), धारा 152 (फिर से) शामिल हैं।

आयोग ने महमूदाबाद पर सांप्रदायिक विद्वेष को बढ़ावा देने और कर्नल सोफिया कुरैशी जैसी महिला अधिकारियों का अनादर करने का आरोप लगाते हुए कारण बताओ नोटिस भी जारी किया था, जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर पर भारत की मीडिया ब्रीफिंग का नेतृत्व किया था। महमूदाबाद ने जवाब में कहा कि महिला आयोग ने उनकी टिप्पणियों को गलत तरीके से समझा है, जिसमें उनके विचार से अधिकारियों की प्रशंसा की गई थी, लेकिन यह भी मांग की गई थी कि महिलाओं का सशक्तिकरण जमीनी हकीकत और संस्थागत प्रथाओं में परिलक्षित हो। हरियाणा राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस.वी. राजू पर दबाव डाला कि वे विशिष्ट सामग्री की पहचान करें, जिसमें महमूदाबाद ने कथित तौर पर महिला अधिकारियों का अपमान किया है। बेंच ने जोर देकर कहा, एफआईआर में महिला सैन्य अधिकारियों के अपमान का दावा किया गया है। वह रेखा कहां है जो सीमा को पार करती है? हमें दिखाएं। राजू ने स्वीकार किया कि सामग्री की अधिक बारीकी से जांच करने की आवश्यकता है और अदालत के समक्ष प्रासंगिक सामग्री रखने पर सहमत हुए। अब चूंकि जांच का जिम्मा एसआईटी के पास है और महमूदाबाद अंतरिम जमानत पर बाहर हैं, इसलिए मामला सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष जारी रहेगा, जो यह आकलन करेगा कि क्या आरोपों पर आगे कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए या महमूदाबाद के बयान संरक्षित अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के दायरे में आते हैं।

मथुरा का छात्रवृत्ति घोटाला

शासन को भेजी गई 153 कॉलेजों की जांच रिपोर्ट

बीएसए कॉलेज में भी पकड़ाया 40 करोड़ का गड़बड़झाला

मथुरा, 21 मई (एजेंसियां)। छात्रवृत्ति डकारने वाले 153 कॉलेजों की जांच रिपोर्ट शासन को भेज दी गई है। दो साल पूर्व हुए इस मामले की जांच के लिए 10 टीम गठित की गईं थीं। अब शासन के आदेश के बाद अगली कार्रवाई होगी। मथुरा के जिलाधिकारी चंद्रप्रकाश सिंह ने जांच रिपोर्ट शासन को भेजी है। जांच अधिकारियों को इनमें से कई कॉलेज बंद मिले हैं। अब शासन के निर्देश के बाद आगे की दिशा तय की जाएगी।

दरअसल, दो वर्ष पहले बलदेव के विधायक पूरन प्रकाश ने विधानसभा में जिले के प्रोफेशनल कोर्स कराने वाले कॉलेज प्रबंधकों द्वारा छात्रवृत्ति के करोड़ों रुपए हड़पने का मुद्दा उठाया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि वर्ष 2015 से 2021 तक जिले के 153 कॉलेजों में छात्रवृत्ति का फर्जीवाड़ा कर विद्यार्थियों का हक मार लिया है। इसके बाद प्रदेश सरकार के गृह सचिव ने आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्लू) को जांच कराने के आदेश दिए थे, लेकिन दो साल बाद भी टीम जांच पूरी नहीं कर सकी।

इस पर गृह विभाग के सचिव ने प्रदेश के समाज कल्याण निदेशक को अधिकारियों की टीमें बनाकर जांच कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने मामले की जांच के लिए जिला प्रशासन को निर्देशित किया था। जिलाधिकारी चंद्रप्रकाश सिंह ने तीन अप्रैल को मामले की जांच के लिए 10 टीमें गठित की थीं। इसमें एसडीएम समेत 30 अधिकारी अधिकारी शामिल किए गए थे। डीएम ने बताया है कि जांच पूरी होने के बाद शासन को रिपोर्ट भेजी गई है। अब शासन के निर्देश के बाद ही आगे की दिशा तय की जाएगी।

दूसरी तरफ मथुरा के बाबू शिवनाथ अग्रवाल (बीएसए) महाविद्यालय की ऑडिट में लगभग 40 करोड़ रुपए की हेराफेरी का प्रकरण भी सामने आ गया है। ऑडिट रिपोर्ट में कहा गया है कि कुलपति से अनुमोदन प्राप्त किए बिना ही इस रकम का लेनदेन हुआ। विभाग के उपनिदेशक ने निदेशक को आवश्यक कार्रवाई के लिए अपनी रिपोर्ट प्रेषित कर दी है। साथ ही कालेज के प्राचार्य को भी पत्र जारी कर आवश्यक कार्रवाई के बाद साक्ष्य सहित अनुपालन आख्या भेजने को कहा है।

वर्ष 2011-12 से 2022-23 का यह ऑडिट आगरा मंडल के स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग ने किया है। इसमें मुख्यत: चार बिंदुओं पर रिपोर्ट तैयार की गई है। कहा गया है कि कुलपति से बिना अनुमोदन प्राप्त किए प्रबंधन समिति द्वारा संस्था के आहरण-वितरण कार्य के लिए किए गए हस्ताक्षर अनियमित एवं आपत्तिजनक है। इससे 38.84 करोड़ रुपए धनराशि का आहरण वितरण किया गया। वहीं वर्ष 2015-16 में प्रोस्पेक्टस खाते से महाविद्यालय में सड़क निर्माण के लिए 1.70 लाख और टैंक निर्माण के लिए 35 लाख रुपए की निकासी की गई। इन सभी रकम निकासी में कुलपति या सक्षम अधिकारी की अनुमति नहीं ली गई। कुलपति के बिना अनुमति रकम निकालने पर कॉलेज प्रबंधन समिति जांच के घेरे में आ गई है। इसके अलावा बिना अनुमति प्रबंध समिति द्वारा महाविद्यालय की भूमि को इंजीनियरिंग कॉलेज के लिए पट्टे पर दिया जाना भी अनियमित एवं आपत्तिजनक बताया गया है। इस रिपोर्ट के बाद कॉलेज में अफरा-तफरी का माहौल है।

बीएसए कॉलेज के प्राचार्य डॉ. ललित मोहन शर्मा ने कहा, लेखा निधि परीक्षा विभाग की ओर से पत्र प्राप्त हुआ है। इसमें कुलपति के बिना अनुमति के संस्था के खाते से करीब 40 करोड़ रुपए की निकासी में आपत्तियां दर्ज की गई हैं। इस संबंध में वह उच्च शिक्षा निदेशक, प्रमुख सचिव और डॉ. बीआर अंबेडकर विवि आगरा के कुलपति को अवगत कराएंगे। वहीं से उच्च स्तरीय जांच कराकर आवश्यक कार्रवाई होगी। मामले का खुलासा होने के बाद कॉलेज से जुड़े संगठन के लोग आक्रोशित हैं। इसमें विभिन्न शिक्षक एवं छात्र संगठन गुस्से में हैं। बताया जा रहा है कि वे अदालत की शरण में जाने की तैयारी कर रहे हैं। मथुरा शहर के इस प्रतिष्ठित कॉलेज में यह मामला सामने आने के बाद अब यहां के विभिन्न गुटों में भी बहस शुरू हो गई है।

नाबालिग बिटिया ने सत्याग्रह कर रुकवाई अपनी शादी

शिवानी ने 11 अन्य बच्चियों का भी जीवन बचाया

बलरामपुर, 21 मई (एजेंसियां)। बलरामपुर की रहने वाली नाबालिग बेटी शिवानी ने अपनी शादी तय किए जाने के खिलाफ सत्याग्रह कर अन्न जल त्याग दिया तो परिजनों को उसकी जिद के आगे झुकना पड़ा। शिवानी यही नहीं रुकी, उसने 11 और बच्चियों की जिंदगी भी बचाई।

अभी वृद्धि की ओर बेल है, थोड़ी-सी बढ़ जाने दो। अभी ब्याहने की क्या जल्दी, थोड़ा लिख-पढ़ जाने दो। बाल विवाह अभिशाप है। इन नारों को देख-समझ रही शिवानी ने इस अभिशाप के खिलाफ लड़ने का साहस किया। इस साहस से उसने न केवल खुद को बचाया, बल्कि 11 अन्य लड़कियां भी बाल विवाह के त्रासद अभिशाप से मुक्त हुईं। बलरामपुर स्थित तुलसीपुर ब्लॉक के ग्राम जुगलीकलां की बेटी शिवानी अब तक कई लड़कियों को बाल विवाह के अभिशाप से बचा चुकी है।

शिवानी बताती है कि साल 2023 में उसके पिता का निधन हो गया था। आस-पड़ोस और गांववाले तो यही जताने में लग गए थे कि बिन बाप की बेटी बोझ की तरह होती है। मां को समझा भी रहे थे कि जल्द से जल्द बेटी की शादी कर विदा करो और बोझ से मुक्ति पाओ। मां को भी कच्ची उम्र में बेटी की शादी में भलाई नजर आने लगी थी। शिवानी को जब पता चला कि उसकी सगाई की तैयारी हो गयी है तो उसके पांव तले जमीन खिसक गई। उसको लगा कि उसके सपने मिट्टी में मिल गए। वह तब हाईस्कूल बोर्ड की तैयारी कर रही थी। उसने ठाना कि वह अभी किसी भी दशा में शादी नहीं करेगी। बस उसने घर में ही सत्याग्रह शुरू कर दिया। अन्न-जल त्याग दिया। बिटिया के विरोध पर मां पसीजी। बिटिया ने भी भरोसा दिया कि वह घर के लिए बेटे से ज्यादा करके दिखाएगी। अंततः बेटी की जीत हुई और शादी टल गयी। शिवानी को आगे पढ़ने का पूरा अवसर दिया गया।

अब शिवानी इलाके में बाल विवाह के खिलाफ एक रोल मॉडल है। अपनी शादी तो उसने रोकी ही, अब तक कई बेटियों को बाल विवाह से बचा चुकी है। बाल विवाह के खिलाफ उसके अभियान पर राज्यपाल आनंदी बेन पटेल उसे सम्मानित कर चुकी हैं। लखनऊ में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर इसी साल महिला कल्याण विभाग ने भी शिवानी को सम्मानित किया। बाल विवाह रोकने के लिए महिला कल्याण विभाग लगातार मुहिम चला रहा है। विभाग ने इस मुहिम के लिए शिवानी को रोल मॉडल बनाया है। शिवानी के समर्थन से विभाग ने पिछले पांच सालों में 11 बाल विवाह रोके हैं। इसमें वर्ष 2021 में एक, 2022 में छह, 2023 में एक, 2024 में दो और इस साल अब तक एक बाल विवाह रोका गया है।

जिला प्रोबेशन अधिकारी सुशील कुमार सिंह का कहना है कि बाल विवाह अधिनियम 2006 की धारा के तहत 18 वर्ष से कम की लड़की और 21 वर्ष से कम का लड़कों का विवाह कानूनन अपराध है। ऐसा करने पर दो वर्ष का कठोर कारावास और एक लाख रुपए तक जुर्माने का प्रावधान है। बाल विवाह रोकने के लिए लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

बर्ड फ्लू फैलने से सरकार चिंतित, किए जा रहे एहतियाती उपाय

यूपी के सभी चिड़ियाघर और इटावा लायन सफारी 27 मई तक बंद

लखनऊ, 21 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की मुख्य वन संरक्षक, वन्यजीव अनुराधा वेमुरी ने बताया कि प्रदेश के सभी चिड़ियाघर और इटावा का लायन सफारी एक सप्ताह के लिए और बंद कर दिए गए हैं। बर्ड फ्लू के मद्देनजर पिछले सप्ताह लखनऊ, कानपुर और गोरखपुर का जू और लायन सफारी को बंद कर दिया गया था। वेमुरी ने बताया कि बर्ड फ्लू को देखते हुए आवश्यक प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा है। स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है। नए आदेश के बाद से सभी चिड़ियाघर 27 मई तक कम से कम बंद रहेंगे। आगे का फैसला उस समय समीक्षा करने के बाद होगा। राजधानी लखनऊ स्थित नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान समेत सभी चिड़ियाघर 27 मई तक बंद रहेंगे। गोरखपुर स्थित शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणि उद्यान में एवियन इंफ्लूएंजा (बर्ड फ्लू) से एक बाघिन की मौत के बाद एहतियात के तौर पर सात दिनों के लिए बंद किया गया था। कानपुर प्राणि उद्यान में भी बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई है जिसके बाद यह निर्णय लिया गया है। लखनऊ प्राणी उद्यान की निदेशक अदिति शर्मा ने बताया कि फिलहाल लखनऊ चिड़ियाघर में बर्ड फ्लू का कोई केस नहीं है। लेकिन प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य जीव के आदेश पर लखनऊ चिड़ियाघर को अगले सात दिनों के लिए दर्शकों के लिए बंद रखा जाएगा।

बैग, ड्रेस, स्वेटर, जूते-मोजे के लिए योगी सरकार दे रही धन

एक करोड़ बच्चों के खाते में जाएंगे 1200 रुपए

लखनऊ, 21 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में इसी महीने प्राइमरी स्कूल के एक करोड़ बच्चों को डायरेक्ट बेनीफिट ट्रांसफर के माध्यम से 1200 रुपए भेजे जाएंगे। प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में पढ़ने वाले एक करोड़ से ज्यादा बच्चों को नि:शुल्क बैग, ड्रेस, स्वेटर, जूता-मोजे के लिए 1200 रुपए डायरेक्ट बेनीफिट ट्रांसफर (डीबीटी) किया जाएगा। यह डीबीटी बच्चों के अभिभावकों के खाते में भेजा जाएगा। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से इसके लिए आवश्यक तैयारी पूरी कर मुख्यमंत्री का कार्यक्रम के लिए समय मांगा गया है। प्रदेश के 1.33 परिषदीय विद्यालयों में पिछले सत्र 2024-25 में लगभग 1.51 करोड़ बच्चे पढ़ाई कर रहे थे। जबकि नए सत्र 2025-26 के लिए नामांकन की प्रक्रिया चल रही है। इसके तहत एक करोड़ से ज्यादा बच्चों का नामांकन पूरा हो चुका है। इसमें नए सत्र में कक्षा एक और छह में लगभग 4 लाख नए बच्चों के नामांकन भी हुए हैं। विभाग का प्रयास है कि नए सत्र की शुरुआत में ही बच्चों के अभिभावकों के खाते में यह पैसे भेज दिए जाए ताकि गर्मी की छुट्टियों के बाद जब स्कूल खुले तो बच्चे पूरे ड्रेस में बैग आदि के साथ आएं। पूर्व के वर्षों में डीबीटी होने में काफी समय लग जाता था। इसके तहत पिछले साल भी इसे जून-जुलाई में कराया गया था। इस साल इसे मई के आखिरी सप्ताह में भी कराने की तैयारी है। इसके लिए शासन व समग्र

शिक्षा आदि मद से बजट का प्रावधान भी कर लिया गया है। राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों के वार्षिक तबादला नीति के तहत ऑनलाइन प्रक्रिया के लिए शासन ने निर्देश जारी किए हैं। इसमें शिक्षकों के तबादले के लिए भारांक जारी करने के साथ ही माइनस मार्किंग को भी लागू किया गया है। लघु दंड पाने वाले शिक्षक के पांच नंबर और पिछले तीन साल में वृहद दंड पाने पर 10 नंबर काटे (नकारात्मक) जाएंगे। माध्यमिक शिक्षा विभाग के विशेष सचिव उमेश चंद्र की ओर से जारी निर्देश में कहा गया है कि उन्हीं विद्यालयों में रिक्तियां प्रदर्शित की जाएंगी, जहां पर तीन या तीन से कम सहायक अध्यापक हैं। इंटर स्तर के विद्यालयों में तीन सहायक अध्यापक व तीन प्रवक्ता से कम शिक्षक कार्यरत हैं। इससे अधिक होने पर रिक्तियां नहीं दिखाई जाएंगी। हालांकि, आकांक्षी जिलों में सभी रिक्तियां प्रदर्शित की जाएंगी। तबादले ऑनलाइन आवेदन से होंगे। इच्छुक शिक्षक खाली पदों के लिए 10 विद्यालयों की वरीयता दे सकेंगे। 31 मार्च 2022 के बाद नियुक्त शिक्षक ऑनलाइन तबादले के लिए आवेदन नहीं कर सकेंगे। राजकीय बालिका इंटर व हाईस्कूल के लिए केवल महिला अभ्यर्थी ही आवेदन कर सकेंगी। एक पद आवेदकों का गुणांक समान होने पर अधिकतम आयु वाले को वरीयता मिलेगी। दिव्यांग आवेदक को 20 नंबर, दंपती के राजकीय सेवा में होने पर 20 नंबर, गंभीर बीमार होने या बच्चों के दिव्यांग होने पर 15 नंबर, सेवानिवृत्ति के दो साल से कम होने पर 15 नंबर, पहली नियुक्ति की तिथि से दस साल की सेवा पर अधिकतम 20 नंबर दिए जाएंगे। तबादले अधिकतम 10 फीसदी तक ही होंगे और प्रक्रिया 15 जून तक पूरी होगी।

फर्जी डिग्री रैकेट में 5 राज्यों के 15 विवि शामिल

सरगना ने फर्जी डिग्री के धंधे से कमाया अकूत धन

लखनऊ, 21 मई (एजेंसियां)। हापुड़ की मोनाड यूनिवर्सिटी में फर्जी डिग्री और मार्कशीट रैकेट का खुलासा होने के बाद इसके दायरे में 5 राज्यों के 15 से ज्यादा युनिवर्सिटी भी आ रही हैं। एसटीएफ की जांच में सामने आया है कि हरियाणा निवासी मास्टरमाइंड संदीप सेहरावत ने यूपी, बिहार, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान की कई निजी यूनिवर्सिटी को फर्जी डिग्री और मार्कशीट दी है। मोनाड समेत यूपी की 4 निजी यूनिवर्सिटी में भी उसने फर्जीवाड़ा अंजाम दिया है, जिसमें सहारनपुर की एक चर्चित युनिवर्सिटी भी शामिल है।

एसटीएफ के अधिकारी जल्द ही जांच के दायरे में आई बाकी यूनिवर्सिटी के बारे में भी छानबीन करने जा रहे हैं। वहीं अन्य राज्यों में चल रहे इस रैकेट के बारे में जांच में सामने आए तथ्यों को उन प्रदेशों की पुलिस के साथ साझा किया जाएगा ताकि उनके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई हो सके। वहीं दूसरी ओर एसटीएफ के अधिकारी मोनाड यूनिवर्सिटी के प्रबंध तंत्र में शामिल बाकी लोगों को भी तलाश रहे हैं, क्योंकि उनकी संलिप्तता के बिना इतना बड़ा फर्जीवाड़ा करना संभव नहीं था।

यह भी पता लगाया जा रहा है कि यह फर्जीवाड़ा कितने सालों से हो रहा था। वहीं जिन 2 लाख छात्रों आदि को फर्जी डिग्री दी गई है, उनके बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है। एसटीएफ की कई टीमें सेहरावत गिरोह के बाकी सदस्यों की तलाश में हरियाणा के कई जिलों में छापे मार रही हैं। बता दें कि सोमवार को सेहरावत के सहयोगी को भी एसटीएफ ने गिरफ्तार किया है, जिसके बाद से भारी संख्या में फर्जी डिग्री मिली हैं।

जांच में सामने आया है कि यूनिवर्सिटी का चेयरमैन विजेंद्र हुड्डा और संदीप सेहरावत विदेश भागने की फिराक में थे। विजेंद्र ने संदीप का पासपोर्ट और वीजा बनवा लिया था। विजेंद्र को आभास हो गया था कि उसके खिलाफ कुछ शिकायतें हुई हैं, जिसके बाद उसने युनिवर्सिटी आना बंद कर दिया था। वहीं एसटीएफ उसकी सुरागरसी में जुटी थी। शनिवार को विजेंद्र के यूनिवर्सिटी आने की सूचना पर एसटीएफ ने तत्काल छापे मारने की योजना बनाई और उसे दबोच लिया।

एसटीएफ को विजेंद्र हुड्डा के बैग से 35 लग्जरी एसयूवी की चाबी भी मिली हैं। पूछताछ में उसने बताया कि चुनाव लड़ने के दौरान उसने यूनिवर्सिटी के कर्मचारियों के नाम पर 50 एसयूवी खरीदी थीं, जिनमें से अधिकतर फॉर्च्यूनर और स्कॉर्पियो थी। इनका डाउन पेमेंट करने के बाद उसने गाड़ियां अपने पास रख लीं और बैंक की किस्त देना बंद कर दिया। एसटीएफ को हर चाबी पर गाड़ी नंबर भी लिखा मिला है। जल्द इन गाड़ियों को बरामद कर जब्त किया जाएगा।

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड वक्फ कानून के खिलाफ करेगा आंदोलन

लखनऊ, 21 मई (एजेंसियां)। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ तहफ्फुज-ए-अवकाफ मुहिम का फिर से आगाज करने का निर्णय लिया है। ऑपरेशन सिंदूर और देश में आपात स्थिति के मददेनजर बोर्ड ने 16 मई तक सार्वजनिक कार्यक्रमों को स्थगित कर दिया था। बोर्ड ने आंदोलन को बहाल करते हुए देश के प्रमुख शहरों के कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की है।

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के राष्ट्रीय प्रवक्ता और ऑल इंडिया तहफ्फुज-ए-अवकाफ कमेटी के संयोजक डॉ. सैयद कासिम रसूल इलियास ने बताया कि आपरेशन सिंदूर के बाद देश में आपात स्थिति के मददेनजर बोर्ड ने सार्वजनिक सभाएं, धरने और रैलियों को स्थगित कर दिया था। उन्होंने बताया कि बोर्ड ने वक्फ बचाओं आंदोलन के तहत होने वाले सार्वजनिक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार कर ली है। उन्होंने बताया कि विधानसभा चुनाव को देखते हुए बोर्ड का का मुख्य फोकस बिहार पर रहेगा। बोर्ड ने बिहार के विभिन्न शहरों में कार्यक्रमों के आयोजन की जिम्मेदारी इमारत-ए-शरिया बिहार ओड़ीशा और झारखंड को दी है। इमारत ए शरिया पटना, अररिया, किशनगंज, भागलपुर, बेगूसराय, सहरसा, मधुबनी, सिवान और दरभंगा आदि जगहों पर कार्यक्रम का आयोजन करेगा। उन्होंने बताया कि हैदराबाद में 22 मई को महिलाओं के लिए जनसभा होगी। तेलंगाना के निजामाबाद में 30 मई को जनसभा का आयोजन होगा। महाराष्ट्र के जलगांव में 23 मई, नांदेड़ में 24 मई और औरंगाबाद में 25 मई को सभा का आयोजन होगा। इसके अलावा केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, झारखंड और पश्चिम बंगाल में भी बड़े पैमाने पर कार्यक्रमों की तैयारियां फिर से शुरू हो गई हैं। उन्होंने बताया कि कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार द्वारा फैलाए गए भ्रम को दूर किया जाएगा।

जासूस शहजाद ने रामपुर के युवाओं को भेजा था पाकिस्तान

लखनऊ, 21 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की एंटी टेररिस्ट स्क्वाड ने पिछले दिनों मुरादाबाद से शहजाद को गिरफ्तार किया, जो भारत में बड़ा आतंकी हमला करने की साजिश रच रहा था। खुफिया एजेंसियों को जब इस बारे में जानकारी मिली, तो उन्होंने शहजाद पर नजर रखनी शुरू की और समय रहते उसे दबोच लिया। जांच में सामने आया है कि शहजाद अकेले काम नहीं कर रहा था।

उसने रामपुर के कई युवाओं को बहला-फुसलाकर पाकिस्तान भेजा, जहां उन्हें जासूसी और आतंकी गतिविधियों की ट्रेनिंग दी गई। हैरानी की बात यह है कि इन युवकों के लिए वीजा की व्यवस्था भी खुद शहजाद ने की थी। इसमें उसकी मदद पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के एजेंटों ने की।

बताया जा रहा है कि यह वीजा नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी दूतावास से जारी किए गए थे। शहजाद दानिश नाम के आईएसआई एजेंट के सम्पर्क में था, जो दूतावास में तैनात था और वीजा दिलवाने में अहम भूमिका निभा रहा था। इसी दानिश का नाम पहले भी एक मामले में सामने आ चुका है, जब उसने हरियाणा की ज्योति मेहरोत्रा को जासूसी के लिए पाकिस्तान भेजा था।

ज्योति को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। शुरुआत में शहजाद का आईएसआई से सम्पर्क तस्करी के दौरान हुआ था। फिर व्हाट्सऐप जैसे सुरक्षित ऐप्स के जरिए बातचीत चलती रही। आईएसआई एजेंटों ने शहजाद को भारत से संवेदनशील जानकारी भेजने और देश में अशांति फैलाने के लिए कहा था। शहजाद ने बहुत चालाकी से रामपुर के कुछ मासूम युवकों को अपने साथ जोड़ लिया। पहले उन्हें सौंदर्य प्रसाधन, नकली गहनों और महिलाओं के कपड़े बेचने जैसे वैध कारोबार में लगाया गया, ताकि किसी को शक न हो। बाद में धीरे-धीरे उन्हें मानसिक रूप से तैयार कर पाकिस्तान भेज दिया गया।

एटीएस को शक है कि पाकिस्तान में इन युवकों को कट्टरपंथी विचारों की ट्रेनिंग दी गई और भारत में पैसे और जानकारी के लेन-देन के लिए उनका इस्तेमाल किया गया। अब यह भी जांच हो रही है कि पाकिस्तान से आया पैसा कहीं भारत में देशविरोधी गतिविधियों में तो नहीं खर्च किया गया। शहजाद से अभी न्यायिक हिरासत में पूछताछ चल रही है। उसके मोबाइल और बाकी इलेक्ट्रॉनिक चीजों की गहराई से जांच की जा रही है ताकि यह पता चल सके कि उसने किससे कितना पैसा लिया और किसे दिया।

संपादकीय

सामरिक चुनौतियों का बजट

भारत के लिए पाकिस्तान ही सामरिक और आतंकवादी समस्या नहीं है। चीन भी समान चुनौती है। बेशक भारत और चीन आपसी संबंधों को बेहतर बनाने में जुटे हैं। लद्दाख वास्तविक नियंत्रण रेखा वाले युद्ध-क्षेत्र से दोनों देशों की सेनाएं पीछे हट चुकी हैं। अमरीकी टैरिफ दबाव के मद्देनजर चीन भारत के साथ व्यापार को बढ़ाने के पक्ष में है, लेकिन चीन चुपचाप पीठ में छुरा घोंपने वाला देश रहा है। पाकिस्तान के साथ हालिया सैन्य संघर्ष में चीन ने उसे वायु रक्षा प्रणाली, मिसाइलें दीं, ड्रोन भी दिए और सैनिक भी पाकिस्तानी फौज के मुखौटे और लिबास में लड़े। पाकिस्तान हमारे लिए शाश्वत चुनौती है। युद्ध के आसार कभी भी बन सकते हैं। हालांकि भारतीय सेनाओं ने पाकिस्तान की सामरिक तैयारियों को ध्वस्त कर दिया है। उसके प्रमुख एयरबेस इतने तबाह कर दिए हैं कि वहां से किसी भी लड़ाकू विमान का उड़ान भरना नामुमकिन है। उन एयरबेस के पुनर्निर्माण के लिए पाकिस्तानी हुकूमत ने निविदाएं सार्वजनिक की हैं। बेशक वह सामरिक तौर पर तैयार रहना चाहता है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने पाकिस्तान को कर्ज की किस्त जारी करने से पहले 11 शर्तें तय की हैं, लेकिन उनमें एक भी ऐसी नहीं है, जो युद्ध और आतंकवाद को रोकने वाली हो। बेशक आईएमएफ ने विकास पर किए जाने वाले बजटीय खर्च को लेकर सवाल जरूर किए हैं। बहरहाल समस्या भारतीय सेनाओं के यथाशीघ्र आधुनिकीकरण की है, जिसके लिए रक्षा बजट में 26 फीसदी अतिरिक्त पूंजी के आवंटन की घोषणा की गई है। यह 50,000 करोड़ रुपए की वित्तीय मदद पर्याप्त नहीं है। बेशक भारत का रक्षा बजट 7.30 लाख करोड़ रुपए से अधिक का हो गया है, लेकिन अब भी वह सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का मात्र 1.9 फीसदी ही है। जो भारत की जरूरतें हैं और सामरिक चुनौतियां हैं, उनके मद्देनजर रक्षा बजट जीडीपी का कमोबेश 2.5 फीसदी के बराबर या उससे अधिक होना चाहिए। सामरिक तैयारियां 20-25 साला परियोजना नहीं हो सकती। बजट में जो बढ़ोतरी की गई है, उसका अधिकतम हिस्सा महंगे, विदेशी हथियार और उपकरण खरीदने पर ही खर्च हो सकता है, लेकिन भारत को स्वदेशी रक्षा-उत्पादन तुरंत बढ़ाना चाहिए। उसके मद्देनजर रक्षा-क्षेत्र की निजी कंपनियों को आक्रामक समर्थन और सहयोग देकर रक्षा-खरीद को विस्तार देना बेहद जरूरी है। तुलना पाकिस्तान से नहीं, चीन की रक्षा तैयारियों के साथ करनी चाहिए। हमारी वायुसेना के पास बेहद आक्रामक और सटीक निशाने वाले लड़ाकू विमान हैं, लेकिन उनके दस्तों की संख्या 31 है, जबकि स्वीकृत संख्या 42 है। मौजूदा भारत-पाक संघर्ष में निर्णायक भूमिका हवाई हमलों ने ही निभाई। हालांकि एलओसी और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सेनाएं परंपरागत लड़ाई लड़ती रहीं, लेकिन पाकिस्तान की तबाही हमारे लड़ाकू विमानों और सटीक मिसाइलों ने ही तय की। ब्रह्मोस मिसाइल ने तो रिकॉर्ड कायम किए, लिहाजा आज करीब 20 देश हमसे ब्रह्मोस मिसाइल खरीदना चाहते हैं। एस-400, स्वदेशी प्लेटफॉर्म, विमान-रोधी समर और आकाश मिसाइल सिस्टम आदि का प्रदर्शन कमाल का रहा। दुश्मन के ड्रोन और मिसाइलें आकाश में ही टुकड़ा-टुकड़ा करने में हम सफल रहे। ये हमारे रक्षा शोध और विकास के सफलतम परिणाम साबित हुए, लेकिन सरकार का निवेश और अनुबंध अभी और भी बढ़ाए जाने चाहिए। लड़ाकू विमान राफेल, सुखोई, मिग, मिराज आदि तक ही सीमित नहीं रहने चाहिए। हमें अपने 'अवाक्स सिस्टम' को अधिक अपग्रेड करने की जरूरत है। पाकिस्तान के पास चीन के विकसित लड़ाकू विमान भी हैं। बेशक हालिया संघर्ष में पाकिस्तान नाकाम रहा, लेकिन उसके पास सामरिक तैयारी तो है। यह ध्यान रहे।

> पाकिस्तान के साथ हालिया सैन्य संघर्ष में चीन ने उसे वायु रक्षा प्रणाली, मिसाइलें दीं, ड्रोन भी दिए और सैनिक भी पाकिस्तानी फौज के मुखौटे और लिबास में लड़े। पाकिस्तान हमारे लिए शाश्वत चुनौती है। युद्ध के आसार कभी भी बन सकते हैं। हालांकि भारतीय सेनाओं ने पाकिस्तान की सामरिक तैयारियों को ध्वस्त कर दिया है। उसके प्रमुख एयरबेस इतने तबाह कर दिए हैं कि वहां से किसी भी लड़ाकू विमान का उड़ान भरना नामुमकिन है। उन एयरबेस के पुनर्निर्माण के लिए पाकिस्तानी हुकूमत ने निविदाएं सार्वजनिक की हैं। बेशक वह सामरिक तौर पर तैयार रहना चाहता है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने पाकिस्तान को कर्ज की किस्त जारी करने से पहले 11 शर्तें तय की हैं, लेकिन उनमें एक भी ऐसी नहीं है, जो युद्ध और आतंकवाद को रोकने वाली हो। बेशक आईएमएफ ने विकास पर किए जाने वाले बजटीय खर्च को लेकर सवाल जरूर किए हैं।

आप का नजरिया

कुछ नया करने की खोज

सियासत के पहाड़ को जमीन पर पटकने की कोशिश में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का नाम भी अंकित होने लगा है। राजनीति को जो कबूल होता है, उसके विपरीत चलना महंगा सौदा है, लेकिन इस विधा का अपना एक साहस है। कड़े फैसलों के मुख्यमंत्री होने का सबब सुक्खू जोड़ रहे हैं, तो इस एहसास की अपनी कीमत है। जो कांग्रेस कल तक गारंटियों के मकडज़ाल में अपनी हस्ती जोड़ रही थी, वह आज प्रदेश की वास्तविकता में अपना पांव जमाना चाहती है। जाहिर है दफ्तरी माहौल में बाबू साम्राज्य, स्कूली माहौल में शिक्षक साम्राज्य और भू राजस्व के अंकगणित में पटवारी-कानूनगो साम्राज्य को नए दौर के दायित्व और जवाबदेही ने कुछ हद तक सीधा किया है, तो मलाल होगा। अब इसी दौर की अगली परिक्रमा में शिमला की भीड़ से उनींदे कार्यालयों को नई संगत में चलने की नसीहत दी जा रही है। कारवां बदलने को बस इक नई मंजिल चाहिए, तेरे मुकाम पे लिख दिया है उसने इक नया पैगाम। पैगाम यह कि अब शिमला के रचे बसे माहौल से रुखसत होंगे कुछ विभागों के मुख्यालय और कार्यसंस्कृति के तहखाने। वाइल्ड लाइफ और एचपीटीडीसी के मुख्यालयों की छंटनी के बाद अब रेरा, सूचना आयोग और राज्य शिक्षा विभाग जैसे कार्यालयों की जुंबिश में प्रशासनिक शहर धर्मशाला का दरबार सजेगा या यह कसरतें तोलने-मरोडऩे की ही साबित होंगी। कड़े फैसले इसलिए कि पहली बार सरकारी कार्यसंस्कृति का स्थानांतरण हो रहा है। शिमला से राज्य को देखना एक तयशुदा संस्कृति का हिस्सा बन चुका है, जो हर सरकार की किश्ती को पतवार से चलाता है, लेकिन अब पूरे राज्य को देखने की दिशा और दृष्टि बदल रही है। जाहिर है पर्यटन विकास निगम अगर निचले हिमाचल की आंख से देखेगा तो व्यावसायिक करवटें बदलेंगी और इसी के परिप्रेक्ष्य में घाटे की इकाइयों की थकान मिटेगी। राजधानी शिमला की एक अजीब सी थकान के भौगोलिक, सियासी मजमून रहे हैं, जिन्हें खंगाला तो जाता है, लेकिन हर सरकार को थका कर यह फिर से पसर जाती है हर बार। सरकारें बदलती हैं, लेकिन सरकारी मशीनरी का आचरण नहीं बदलता। इसलिए जब सुक्खू सरकार ने रुके हुए इंतकाल के लिए राजस्व विभाग को लक्ष्य दिए, तो इंकलाब आया। ऐसी क्रांतियां हर विभाग को थकान से बाहर लाने की चुनौती है। शिमला में रुकी हुई कार्यसंस्कृति को पूरे राज्य में घुमाने का इंतखाब एक अच्छी पहल हो सकती है, बशर्ते इसके साथ स्थानांतरण पद्धति की संरचना भी की जाए। सख्त फैसलों पर आसीन सरकारों की शिनाख्त करें, तो शांता कुमार, वीरभद्र सिंह के बाद सुखविंदर सुक्खू राजनीति के कवच के बाहर अपनी हस्ती तलाश रहे हैं। एक सरकार जिसे हर माह उधार के बजट पर पांव पसारने हों, उसके लिए राज्य के संसाधनों के इस्तेमाल को एक पैनी निगाह और बचत की दरगाह खोजनी ही पड़ेगी। एक अनूठी तफतीश जिसे व्यवस्था परिवर्तन का नारा बनाने की कोशिश हो रही है। यह नजरिया बदलने का इंतखाब है, जरा संभल के चलने का अभ्यास है। सरकारें अपनी फिजूलखर्चियों से बाहर निकलें, तो सामथ्र्य का हिसाब हो या न हो, लेकिन समर्थन का हाथ जरूर मिलेगा। नीतियां कड़वी होंगी, तो आलोचना के कांटे उगेंगे। बेशक इसी आलोचना के कुछ संदर्भ सुक्खू सरकार के मौजूदा हालात पर गौर फरमा रहे हैं, लेकिन प्रदेश को अगर चलना है तो सियासी शौक या प्रदर्शन पर अंकुश चाहिए। परिवहन सेवाओं में सियासी दलाली के बजाय घाटे पर नकेल और व्यवस्था में जवाबदेही चाहिए।

'हमने देखा है कि चीन ने अरुणाचल के कुछ स्थलों के नाम बदलने का खोखला एवं निरर्थक काम किया

चीन की हरकतों का सच

प्रमोद भार्गव

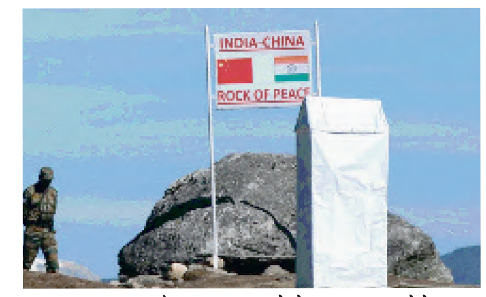

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर में अपने बोकस हथियारों का हश्र देखने के बाद बौखलाए चीन ने युद्धविराम से पहले अपनी आत्मतुष्टि के लिए अरुणाचल प्रदेश के 27 स्थलों को चीनी नाम दे दिए। इनमें रहवासी बस्तियों समेत नदियां और पहाड़ शामिल हैं। चीन अरुणाचल में ऐसी हरकतें पहले भी कर चुका है। कुंठित तानाशाह अपनी विचलित मानसिकता को संतुष्ट करने के लिए अकसर ऐसी ही हरकतें करते हैं। चीन की यह कुंठा इसलिए जागृत हुई, क्योंकि भारतीय वायुसेना ने जब पाकिस्तान के आतंकी ठिकाने नेस्तनाबूद करने के लिए ब्रह्मोस और आकाश मिसाइलें दागीं तो चीन द्वारा पाकिस्तान को दी गईं प्रतिरक्षा प्रणाली खोखली साबित हुई। इससे चीन के घटिया हथियारों की पोल डिजिटल साक्ष्यों के साथ पूरी दुनिया के सामने सार्वजनिक हो गई। परिणामस्वरूप उसके आयुध बाजार को जबरदस्त झटका लग गया। मिसाइल निर्माण करने वाली चीनी कंपनियों के शेयर जमीन पर आ गए। चीन की यह बचकानी हरकत है कि जब भी भारत कोई बड़ा काम करता है, तो चीन पूर्वोत्तर क्षेत्र के इस भारतीय प्रांत में ग्रामों, नगरों, नदियों और पहाड़ों के नाम चीनी भाषा मंदारिन में रख देता है और फिर बाकायदा आधिकारिक बयान अपनी सरकारी वेबसाइट 'ग्लोबल टाइम्स' पर कर देता है। चीन के प्रपंच की यह आदत आभासी या छद्म युद्ध छेडऩे जैसी बार-बार सामने आती रही है, लेकिन वह अपनी आदत से बाज नहीं आता है। इस हरकत के सामने आने के बाद विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा है कि 'हमने देखा है कि चीन ने अरुणाचल के कुछ स्थलों के नाम बदलने का खोखला एवं निरर्थक काम किया है। अपने पारंपरिक सैद्धांतिक नीति को जारी रखते हुए हम इस तरह की कोशिशों को सिरे से खारिज करते हैं। नाम बदलने की थोथी प्रक्रिया से जमीन पर हकीकत नहीं बदल जाती। अरुणाचल भारत का अभिन्न हिस्सा था, है और रहेगा। चीन ने ऐसी ही हरकत अरुणाचल प्रदेश में तब की थी जब 9 मार्च 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस प्रदेश की 13000 फीट की ऊंचाई पर निर्मित की गई सेला सुरंग का उद्घाटन करने पहुंचे थे। तब अरुणाचल के 30 स्थानों को नए नाम देने की हरकत की थी। डोकलाम विवाद के बाद से ऐसी हरकतें लगातार सामने आती रही हैं। 2017 में जब दलाई लामा अरुणाचल पहुंचे थे, तब भी चीन ने नाम बदले थे। इन नामों की सूची चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स में भी प्रकाशित की जाती है। चीनी नागरिक मामलों का मंत्रालय इन सूचियों को अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर भी डालता है। चीन अरुणाचल प्रदेश को जंगनान रहता है और इसे दक्षिण तिब्बत के हिस्से के रूप में इस राज्य पर अपना अनैतिक दावा जताता है। जबकि चीन भली-भांति जानता है कि नाम बदलने से कुछ हासिल होने वाला नहीं है। चीन ऐसी हरकत 2017, 2021, 2023, 2024 और अब 2025 में कर रहा है। चीन ये नाम मंदारिन, तिब्बती या फिर पिनयिन भाषाओं में देता है। चीन जब भी भारत का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रुतबा स्थापित हो रहा होता है, तब रुतबे को आहत करने की हीनभावना से यह हरकत करता है। भारत ने जब 9-10 सितंबर 2023 में जी-20 शिखर सम्मेलन नई दिल्ली में आयोजित किया था, तब इस सम्मेलन की एक बैठक अरुणाचल में भी संपन्न हुई थी। तब भी चीन ने अरुणाचल में खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे जैसी हरकत दिखाई थी। इस सम्मेलन में चीन शामिल नहीं हुआ था। चीन ने अरुणाचल क्षेत्र में अवैधानिक रूप से गांव बसाने के भी प्रयास किए हैं। चीन अपने मानचित्रों में भी अरुणाचल को अपना बताने की कोशिश करता रहा है। चीन की ये सब हरकतें उसकी विस्तारवादी नीति की कुटिल एवं नापाक इच्छाएं दर्शाती हैं। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में देखें तो साफ है, कि पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तानी आतंकवाद के विरुद्ध ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया तो चीन और तुर्किये खुले रूप में पाकिस्तान के साथ खड़े नजर आए थे। यही नहीं, चीन ने पाकिस्तान को वायु सुरक्षा प्रणाली और ड्रोण दिए थे। लेकिन भारतीय मिसाइलों ने सुरक्षा प्रणाली को ध्वस्त कर दिया। पाकिस्तानी सेना ने ड्रोनों के माध्यम से जो मिसाइलें भारतीय क्षेत्र में दागी, उन्हें वायु सैनिकों द्वारा छोड़ी गई ब्रह्मोस और आकाश मिसाइलों ने आसमान में ही नाकाम कर दिया था। चीन की पाकिस्तान के पक्ष में सीधी उपस्थिति के चलते भारत ने चीन के सरकारी मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स और सरकारी एजेंसी शिन्हुआ के एक्स खाते भारत में बंद कर दिए हैं। ग्लोबल टाइम्स ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कई मनगढ़ंत खबरें दीं और झूठे दावे भी किए थे। सरकार ने यह कदम ऐसे समय उठाया है, जब हाल ही में भारत सरकार ने पाकिस्तान के कई एक्स हैंडल के खिलाफ भी इसी तरह की कार्रवाई की है। साथ ही भारत ने तुर्किये के साथ भी अनेक व्यापार समझौते तोड़ते हुए पर्यटकों के वहां जाने पर रोक लगा दी। चीन की हमेशा ही कुटिल निगाह वास्तविक नियंत्रण रेखा को लांघने की भी रही है। चीन ने 15 जून 2020 को लद्दाख के पश्चिमी क्षेत्र गलवान घाटी में सीमा उल्लंघन का प्रयास किया था। जिसके चलते भारत और चीन की सेनाओं के बीच हिंसक झड़प हुई थी, जिसमें करीब 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे। चीन के भी बड़ी संख्या में सैनिक हताहत हुए थे। लंबे समय तक सैन्य गतिरोध बने रहने के बाद चीन नियंत्रण रेखा से पीछे हटने को मजबूर हुआ था। यहां मार खाने के बावजूद चीन का अरुणाचल में हस्तक्षेप का प्रयास निरंतर बना हुआ है। 1962 के युद्ध के समय चीन ने भारत के पूर्वोत्तर हिस्से में अपने सैनिकों की सबसे बड़ी टुकड़ी तवांग के मार्ग से असम तक पहुंचाई थी। भारत, चीन की इस चालाकी से अच्छी तरह से परिचित है। अतएव पिछले एक दशक में समूचे अरुणाचल प्रदेश में ढांचागत विकास को बहुत तेज किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस विकास को लगातार प्रोत्साहित कर रहे हैं। चीन के लिए यह विकास और भारत सरकार का दोटूक जवाब परेशानी का सबब बन रहा है। अरुणाचल प्रदेश से लगे सीमाई इलाकों में 63 सडक़ें भारत सरकार बना रही है। इनमें से कई सडक़ें व पुल तैयार होने के साथ आवागमन के लिए भी खोल दिए गए हैं। नतीजतन भारतीय सैनिकों की सीमा तक पहुंच आसान हो गई है। सनद रहे कि 1962 में सडक़ें नहीं होने के कारण ही भारतीय सेना को बहुत नुकसान उठाना पड़ा था। चीन की घुसपैठ रोकने के लिए तवांग समेत अरुणाचल के अन्य सीमा क्षेत्र में भारत ने अपने सैनिकों की संख्या और हथियारों के जखीरे बढ़ा दिए हैं। इसलिए चीन जिस रास्ते से भी घुसने की कोशिश करता है, उसे सेना तत्काल माकूल जवाब दे देती है। हालांकि चीन की तरफ से भी अपने इलाके में लगातार सडक़ें, पुल और सैनिक अड्डे बनाए जा रहे हैं। चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश के शिखर क्षेत्र त्सारी चू में गांव बसाने की कोशिश भी हुई थी। तिब्बत के दक्षिणी क्षेत्र जंगनान से जुड़ी नीति में भी कोई परिवर्तन नहीं किया है। चीन ने दृढ़तापूर्वक कहा है कि जंगनान क्षेत्र (जो कि भारत का अरुणाचल प्रदेश है), है, उसके साथ अरुणाचल प्रदेश के अस्तित्व को भी कोई मान्यता नहीं देता है। मसलन संपूर्ण अरुणाचल को चीन विवादित क्षेत्र मानकर चल रहा है। कुछ साल पहले चीन ने अरुणाचल की वास्तविक सीमा के करीब 4.5 किलोमीटर अंदर घुसकर 101 नए घर बनाकर पूरा एक गांव बसा लिया था। यह गांव अरुणाचल के सुबनसिरी जिले में था। इस गांव के बसाए जाने के रहस्य का खुलासा उपग्रह से ली गईं तस्वीरों से हुआ था। ये तस्वीरें 1 नवंबर 2020 की बताई गई थीं। इनमें यह गांव स्पष्ट दिखाई दे रहा था, जबकि इस समय से एक साल पहले लिए गए उपग्रह चित्रों में यह गांव नहीं था। मसलन गांव इसी समय सीमा के भीतर बसाया गया। साफ है, चीन पड़ोसी देशों की संपत्ति हड़पने की हरकतों से बाज नहीं आ रहा है।

> भारत द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर में अपने बोकस हथियारों का हश्र देखने के बाद बौखलाए चीन ने युद्धविराम से पहले अपनी आत्मतुष्टि के लिए अरुणाचल प्रदेश के 27 स्थलों को चीनी नाम दे दिए। इनमें रहवासी बस्तियों समेत नदियां और पहाड़ शामिल हैं। चीन अरुणाचल में ऐसी हरकतें पहले भी कर चुका है। कुंठित तानाशाह अपनी विचलित मानसिकता को संतुष्ट करने के लिए अकसर ऐसी ही हरकतें करते हैं। चीन की यह कुंठा इसलिए जागृत हुई, क्योंकि भारतीय वायुसेना ने जब पाकिस्तान के आतंकी ठिकाने नेस्तनाबूद करने के लिए ब्रह्मोस और आकाश मिसाइलें दागीं तो चीन द्वारा पाकिस्तान को दी गईं प्रतिरक्षा प्रणाली खोखली साबित हुई।

देश दुनिया से

आतंक को हर हाल में करना होगा परास्त

जम्मू कश्मीर दशकों से आतंक के खौफनाक साये में जी रहा है। बीते कुछ दशकों में आतंकियों ने देश के अन्य हिस्सों में भी कभी किसी भरे बाजार में तो कभी किसी बस या ट्रेन में आतंकियों ने निर्दोषों के लहू से होली खेली है। यह एक ऐसी विकराल समस्या है, जिसने न केवल हजारों लोगों की जान ली है बल्कि अनगिनत परिवारों को तबाह किया है। बच्चे अनाथ हुए, माताएं-बेटियां विधवा हुईं और बुजुर्गों की जीवन-संध्या से सहारा छीन गया। आतंकवादी ऐसे नृशंस कृत्यों के जरिए लोगों के मन में भय भरते हैं, उनका उद्देश्य हिंसा, अस्थिरता और अव्यवस्था फैलाकर समाज को तोड़ना होता है। इन विभीषिकाओं के खिलाफ देश ने जो संघर्ष किया है, उसी के सम्मान में हर साल 21 मई को 'राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस' मनाया जाता है। यह दिन आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष में शहीद हुए जवानों और नागरिकों को श्रद्धांजलि देने का अवसर है। इस दिन देशभर में लोगों को यह शपथ दिलाई जाती है कि वे हर प्रकार की हिंसा और आतंकवाद का विरोध करेंगे, शांति, अहिंसा और सहिष्णुता के सिद्धांतों में विश्वास रखेंगे और देश की एकता, अखंडता व सामाजिक सद्भाव की रक्षा करेंगे। यह दिन इसलिए भी स्मरणीय है क्योंकि 21 मई 1991 को भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में एक महिला आत्मघाती हमलावर द्वारा हत्या कर दी गई थी। यह हमला लिट्टे जैसे आतंकी संगठन की सोची-समझी साजिश का परिणाम था, जिसने केवल एक नेता की जान ही नहीं ली बल्कि भारतीय लोकतंत्र की जड़ों को हिला कर रख दिया था। उसी दिन की स्मृति में राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस की शुरुआत हुई ताकि देशवासियों को यह अहसास कराया जा सके कि आतंकवाद किसी व्यक्ति, धर्म या समुदाय का दुश्मन नहीं बल्कि समूची मानवता का शत्रु है। हाल के वर्षों में भारत ने आतंकवाद के विरुद्ध जो नीति अपनाई है, वह पहले से कहीं अधिक कठोर, रणनीतिक और सशक्त हो चुकी है। विशेषकर जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों ने जिस बहादुरी से अभियान चलाए हैं, उन्होंने आतंकी नेटवर्क को बड़ा झटका दिया है। धारा 370 हटाए जाने के बाद घाटी में हालात में धीरे-धीरे सुधार आने लगा है। सैकड़ों आतंकी मुठभेड़ों में मारे गए हैं और सुरक्षाबलों ने सीमाओं पर घुसपैठ की अनेक कोशिशें विफल की हैं। हालांकि पूरी तरह से आतंक का खात्मा अब भी शेष है। इसकी ताजा

मिसाल 22 अप्रैल को अनंतनाग जिले के पहलगाम क्षेत्र में हुए आतंकी हमले में देखी जा सकती है। बैसरन घाटी में हुए इस हमले ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया कि आतंकवाद की जड़ें अभी भी पाकिस्तान में मौजूद हैं और वहां से संचालित आतंकी संगठन भारत की शांति व्यवस्था को चुनौती देने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। इस हमले में 26 निर्दोष पर्यटकों की जान चली गई थी। यह हमला ऐसे समय में हुआ, जब घाटी में आतंकी घटनाओं में गिरावट दर्ज की जा रही थी, जो भारत की कूटनीतिक और सुरक्षा नीति की सफलता का संकेत थी। इस नृशंस कृत्य के बाद भारत सरकार ने 'ऑपरेशन सिंदूर' नामक सैन्य अभियान चलाकर पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में स्थित आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की। रिपोर्टों के अनुसार, इसमें लगभग 100 से अधिक आतंकियों को मार गिराया गया और उनके अनेक अड्डों को नष्ट किया गया। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि अब भारत केवल रक्षात्मक रवैया नहीं अपनाएगा बल्कि आतंक के स्रोत पर आक्रमण करेगा। पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान पर चौतरफा दबाव बनाना शुरू किया और साथ ही सिंधु जल संधि को रद्द करने का भी बेहद निर्णायक फैसला लिया गया। यह समझौता 1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ था, जिसके अंतर्गत भारत ने पाकिस्तान को सिंधु, झेलम और चेनाब नदियों का जल उपयोग करने का अधिकार दिया था। अब यह विचार प्रबल हो गया है कि जब पाकिस्तान बार-बार आतंकियों को शरण देता है और भारत की नागरिक आबादी को निशाना बनाता है तो ऐसे में इस ऐतिहासिक संधि को बनाए रखने का कोई औचित्य नहीं रह जाता। भारत के सैन्य अभियानों ने न केवल प्रत्यक्ष रूप से आतंकियों को नुकसान पहुंचाया है बल्कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भी पाकिस्तान को अलग-थलग करने में सफलता प्राप्त की है। फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) ने उसे ग्रे लिस्ट में डालकर उसकी अर्थव्यवस्था पर जबरदस्त दबाव बनाया है। संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक संस्थानों के सामने भारत ने बार-बार पाकिस्तान के दोहरे रवैये को उजागर किया है, जहां एक ओर वह शांति की बातें करता है, वहीं दूसरी ओर अपनी धरती पर आतंकियों को संरक्षण देता है। घाटी में हो रहे सकारात्मक बदलावों की जड़ में सुरक्षा बलों की बहादुरी के साथ-साथ स्थानीय जनता की बदली मानसिकता भी है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अब घाटी में स्थानीय युवाओं की आतंकी संगठनों में भर्ती में काफी गिरावट आई है। पहले जहां एक साल में दर्जनों युवाओं के लापता होने की खबरें आती थी, अब वह संख्या इक्का-दुक्का रह गई है। भारत की वर्तमान नीति 'आतंक के प्रति शून्य सहनशीलता' की है और इस नीति के हर पहलू में क्रियान्वयन दिख भी रहा है।

कुछ अलग

उठे हैं मां के लाल...

मैंने सहमते हुए उनसे पूछा कि ऐसा भी क्या हो गया जो वह सरकार और मीडिया से इतना खफा हैं। वह मुझे घूरते हुए बोले, 'क्या अब भी कोई कसर बाकी है? या तुम विष्ठा में लोटते हुए उसे खाकर ही मानोगे। मियां! याद रखना जिस समाज में सवाल पूछने की हिम्मत और कुव्वत, दोनों खत्म हो जाएं, उसे तबाह होने में देर नहीं लगती। तुमने कभी सोचा है कि हमारे देश ने सैंकड़ों साल विदेशियों की जूतियां क्यों चाटीं? वर्तमान में तुम जीते नहीं, इतिहास तुम्हें याद नहीं, ऐसे में तुम्हारा भविष्य क्या खाक होगा। अवतारों की कल्पना में जीते हुए तुम्हें यह भी याद नहीं रहता कि किसी शासक की अक्षमता, नाकाबिलियत, उदासीनता या लापरवाही पर कोई सवाल भी उठाना है। जब तुम्हारी पात्रता जागरूक प्रजा होने लायक ही नहीं तो तुम गुलामी में ही जिओगे और गुलामी में ही मरोगे। तुम्हारे जैसे भी हालात हों तुम्हें अपनी निबेडऩे में ही आनंद आता है। जब डर लगता है तो दूसरों का हाथ थाम कर अपना पक्ष सुरक्षित कर लेते हो और निरपेक्षता की चादर ओढ़ कर आगे बढ़ जाते हो। न कत्र्तव्य का बोध है और न अधिकारों की चिंता। रही बात सत्ताखोरों की तो भेड़ की खाल पहन कर भी भेडिय़े शिकार ही करते हैं। जिनके जिस्म की हर कोशिका में झूठ, नफरत, स्वार्थ और ढोंग भरा हो, उनसे भलाई की उम्मीद करना, धतूरे के पेड़ से आम के फल की उम्मीद करने जैसा है। जब राजा बहरूपिया हो और प्रजा का अपना कोई चेहरा न हो तो प्रजा राजा के पाखंडों में खुद को ढूंढते हुए या कुंभ के मेलों में गुम हो जाती है या भगदड़ में मारी जाती है।' मैं उन्हें उन्हीं के अंदाज में घूरते हुए बोला, 'भगवान विष्णु के नरसिहांवतार के बारे में इस तरह की टिप्पणी करना आपको शोभा नहीं देता। अगर मैं डबल एंजिन वाले किसी राज्य के थाने में आपके खिलाफ देशद्रोह का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज करवा दूं तो उमर खालिद की तरह बिना किसी अपील, दलील या वकील के सालों जेल में सड़ते रहोगे। कोई अदालत, जज या वकील आपके केस की तरफ देखेगा भी नहीं। अमृत काल यह सुविधा उन सभी को उपलब्ध है जो कभी सत्ता से सवाल नहीं करते। राजा के रात को दिन कहने पर दिन कहते हैं और दिन को रात कहने पर रात कहते हैं।' वह तिरछी नजरों से मेरी ओर देखते हुए बोले, 'वाह क्या बात है? पुरानी कहावत है कि कौआ कितना भी सयाना हो जाए, खाएगा तो विष्ठा ही। कौआ चाहे ऊंची से ऊंची डाल पर भी बैठा हो लेकिन जब बोलने के लिए मुंह खोलता है तो कांव-कांव ही करता है। उसे न अपने पद की गरिमा का खयाल होता है, न व्यक्तिगत अस्मिता का और न ही देश की प्रतिष्ठा का। उसका हर कदम सत्ता की हवस में लिपटा होता है।'

दृष्टि कोण

कश्मीर पर विधवा विलाप करता रहेगा पाक

पाकिस्तान के हुक्मरानों तथा पाक सियासत के कद्दावर भुट्टो परिवार को भारत की मुखाल्फत का नजरिया अपने पुरखों से विरासत में मिला है। साबिक पाक वजीरे खारजा बिलावल भुट्टो के परनाना 'शाहनवाज भुट्टो' भारतीय जूनागढ़ रियासत के दीवान थे। भारत विभाजन के वक्त जूनागढ़ के नवाब 'महाबत खान' को जूनागढ़ रियासत का पाकिस्तान में विलय का मश्विरा शाहनवाज ने ही दिया था। हालांकि शाहनवाज का वो बगावती मश्विरा परवान नहीं चढ़ा। नतीजतन शाहनवाज तथा महाबत खान दोनों पाकिस्तान भाग गए। शाहनवाज के झांसे में आकर पाकिस्तान गए महाबत खान की हालत यह थी कि 'ना खुदा मिला न मिसाले सनम'! शाहनवाज भुट्टो के भारत विरोधी नजरिए को उनकी हिंदू बेगम 'लखी बाई' के बेटे 'जुल्फिकार अली भुट्टो' ने बसूबी आगे बढ़ाया। हमेशा कश्मीर को अपनी सियासत का मरकज बनाने वाले भुट्टो ने सन् 1963 में पाक विदेश मंत्री बनते ही कश्मीर हथियाने की वकालत शुरू कर दी थी। कश्मीर में भारत के खिलाफ विद्रोह भडक़ाने के लिए पाक सेना ने 'आपरेशन जिब्राल्टर' मंसूबाबंदी को अंजाम देकर सन् 1965 में पाक सैनिकों को सिविल लिबास में घुसपैठ कराई। उस जिब्राल्टर मंसूबे के मास्टरमाईंड जुल्फिकार भुट्टो ही थे। भुट्टो के जहन में कश्मीर हथियाने का खुमार इस कदर हावी था कि जिब्राल्टर मंसूबे के साथ एक और खुफिया मिशन का नाम भुट्टो ने अपनी ईरान के कुर्द वंश की बेगम 'नुसरत भुट्टो' के नाम पर 'आपरेशन नुसरत' रख दिया था। हिमाचल के शूरवीर कैप्टन 'चंद्र नारायण सिंह' 'महावीर चक्र' ने पुंछ सेक्टर में जिब्राल्टर मंसूबे को बेनकाब करके पांच अगस्त 1965 को अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था। भारतीय सेना ने पलटवार करके सियालकोट पर कब्जा करके जब जिब्राल्टर को नाकाम किया तो शिकस्त से बौखला कर भुट्टो जंगबंदी के लिए 22 सितंबर 1965 को 'अक्वाम-ए-मुत्तहिदा' की 'सलामती कौंसिल' में अश्क बहाने लगे। भुट्टो ने ऐलान किया था कि पाकिस्तान हजार वर्ष तक भारत के खिलाफ जंग लड़ेगा। लेकिन इसे इत्तेफाक कहें या हिंदोस्तान के हुक्मरानों की दरियादिली, भुट्टो परिवार का ताल्लुक पाक के सिंध प्रांत से है। सन् 1971 की जंग में कर्नल 'भवानी सिंह' 'महावीर चक्र' ने सेना की '10 पैरा कमांडो' के नेतृत्व में सिंध के 'चाचरो' पर कब्जा कर लिया था। यदि भारत की तत्कालीन हुकूमत इच्छाशक्ति दिखाती तो हमारे राष्ट्रगान में जिस 'सिंध' का उल्लेख होता है वो सिंध दोबारा भारत में होता। दो जुलाई 1972 को हिमाचल प्रदेश की राजधानी उस पल की चश्मदीद बनी जब 1971 की जंग में शर्मनाक शिकस्त के बाद पाक राष्ट्रपति भुट्टो अमन का पैरोकार बनकर नब्बे हजार से अधिक पाक युद्धबंदियों की रिहाई के लिए शिमला में तशरीफ लाए थे। पाक जरनैल 'जिया उल हक' की दौरे हुकूमत में चार अप्रैल 1979 को जुल्फिकार अली भुट्टो को तख्ता-ए-दार पर चढ़ा दिया था। जुल्फिकार के छोटे बेटे का नाम भी शाहनवाज ही था। शाहनवाज का 18 जुलाई 1985 को फ्रांस के नीस में कत्ल कर दिया गया था। मरहूम भुट्टो की कश्मीर हथियाने की हसरत व भारत विरोधी विरासत को उनके बेटी 'बेनजीर भुट्टो' ने बखूबी आगे बढ़ाया। 1988 में बेनजीर पाकिस्तान की वजीरे आजम बनी। 13 मार्च 1990 को बेनजीर पीओके में तशरीफ ले गई तथा आवाम से मुखातिब होकर अपने वालिद की उसी तहरीर को दोहराया कि कश्मीर की आजादी के लिए पाकिस्तान हजार वर्ष तक जंग जारी रखेगा। दौराने तकरीर में बेनजीर ने कश्मीर की आजादी के नारे लगाकर जम्मू कश्मीर के तत्कालीन राज्यपाल 'जगमोहन मल्होत्रा' के खिलाफ मखसूस अंदाज में गैर जिम्मेदाराना व धमकी भरी टिप्पणी करके सुर्खियां बटोरी थीं। राज्यपाल जगमोहन पर मोहतरमा के जहर उगलते उन अभद्र अल्फाज को भारतीय चैनलों पर बैन कर दिया गया था। बेनजीर ने जनरल 'मिर्जा असलम बेग' को मश्विरा दिया था कि पाक वायुसेना को भारत के परमाणु ठिकानों पर हमले के लिए तैयार रहना चाहिए। अगस्त 1990 में पाक सदर 'गुलाम इशाक खान' ने बेनजीर की हुकूमत को बर्खास्त कर दिया था। अक्तूबर 1993 में दोबारा वजीरे आजम बनते ही बेनजीर ने अपने भाई 'मुर्तजा भुट्टो' को आतंकी वारदातों के इल्जाम में सलाखों के पीछे भेजा। 20 सितंबर 1996 को मुर्तजा भुट्टो को एक मुठभेड़ में हलाक कर दिया गया। बाद में मुर्तजा के कत्ल की तफ्तीश करने वाले पुलिस अधिकारी का भी कत्ल कर दिया गया था। 'बलूच रेजिमेंट' के जरनैल 'जहीरुल इस्लाम अब्बासी' तथा 'ब्रिगेडियर मुस्तानसिर बिल्ला' द्वारा 'ऑपरेशन खलीफा' के तहत सन् 1995 में बेनजीर के तख्तापलट की कोशिश नाकाम रही थी।

अमेरिका के मशहूर टेलीविजन अभिनेता जॉर्ज वेंड्ट का 76 वर्ष की आयु में निधन

सैकरामेंटो,21 मई (एजेंसियां)।

संयुक्त राज्य अमेरिका के मशहूर टेलीविजन अभिनेता जॉर्ज वेंड्ट (76) का मंगलवार को यहां निधन हो गया। उन्होंने कैलिफोर्निया के स्टूडियो सिटी में अपने घर पर अंतिम सांस ली।

अभिनेता जॉर्ज वेंड्ट को टेलीविजन पर प्रसारित हास्य धारावाहिक चीयर्स में नॉर्म पीटरसन की भूमिका के लिए याद किया जाता है।

सिटकॉम के चीयर्स धाराविहक में बीयर पीने वाले एवरीमैन नॉर्म पीटरसन की भूमिका के लिए उन्हें लगातार छह प्राइम टाइम एमी अवार्ड प्राप्त हुए। उनके प्रवक्ता ज्योफ चेड्डी ने उनकी मृत्यु की पुष्टि की। उन्होंने चार दशक से अधिक समय तक टेलीविजन इंडस्ट्री में पूरी धमक से काम किया। जॉर्ज वेंड्ट लगभग 170 से अधिक धारावाहिकों में नजर आए।

परिवार ने बयान में कहा है कि वह बहुत प्यारे इंसान थे। उन्हें वह कभी नहीं भूल सकते। वेंड्ट टेलीविजन की दुनिया के सबसे पहचाने जाने वाले चेहरों में से एक थे। उनका किरदार नॉर्म एक खुशमिजाज बीयर प्रेमी का था। शिकागो के मूल निवासी वेंड्ट ने अपना करियर द सेकंड सिटी कॉमेडी थियेटर से शुरू किया था। वेंड्ट ने मिसौरी के कैनसस सिटी के रॉकहर्स्ट कॉलेज से अर्थशास्त्र की पढ़ाई की।

वेंड्ट को 1970 के दशक के अंत और 1980 के दशक की शुरुआत में हार्ट टू हार्ट और मेकिंग द ग्रेड जैसे शो में अतिथि भूमिकाओं में लिया गया। 1982 में उन्हें चीयर्स में बड़ा ब्रेक मिला। चीयर्स का प्रसारण 1993 तक हुआ। इसमें उनके सह कलाकारों में टेड डैनसन, रिया पर्लमैन, वुडी हैरेलसन, क्रिस्टी एली, शेली लॉन्ग और केल्सी ग्रामर रहे हैं।

डैनसन ने कहा कि यकीन नहीं हो रहा कि वेड्स नहीं रहे। हम उन्हें कभी नहीं भुला सकते। उन्होंने कई फिल्मों में भी काम किया और छोटे-छोटे पलों को भी खास बनाया। 1994 की फिल्म द लिटिल रास्कल्स में वेंड्ट ने लकड़ी बेचने वाले एक व्यक्ति की भूमिका निभाई और शोहरत बटोरी।

न्यूज ब्रीफ

कान्स रेड कार्पेट पर जाह्नवी कपूर का जलवा

वाशिंगटन। फिल्म निर्माता बोनी कपूर और दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की बड़ी बेटी जाह्नवी कपूर ने अपने अभिनय और मेहनत के दम पर बॉलीवुड में खास पहचान बनाई है। कम समय में ही उन्होंने इंडस्ट्री में अपनी मजबूत जगह बना ली है और अब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी उनका प्रभाव देखने को मिल रहा है। अब जाह्नवी ने कान्स फिल्म फेस्टिवल 2025 में शिरकत की है। रेड कार्पेट पर उन्होंने अपने देसी अंदाज से सभी का ध्यान खींचा और अपनी खूबसूरती व आत्मविश्वास से हर किसी का दिल जीत लिया। जाह्नवी कपूर अपनी आने वाली फिल्म होमबाउंड के प्रीमियर के मौके पर कान्स फिल्म फेस्टिवल 2025 में पहुंचीं। रेड कार्पेट पर उनके साथ फिल्म की पूरी टीम नजर आई, लेकिन सारी लाइमलाइट जाह्नवी ने अपने दिलकश लुक से बटोर ली। उन्होंने हल्के गुलाबी रंग की बेहद खूबसूरत ड्रेस पहनी थी, जिसमें वह किसी परी जैसी लग रही थीं। ड्रेस के साथ जुड़ी दुपट्टे जैसी ड्रेप ने उनके पूरे लुक को शाही और अनोखा बना दिया। यह शानदार ड्रेस डिजाइनर तरुण तहिलियानी ने डिजाइन की गई थी और इसे रिया कपूर ने स्टाइल किया था। कान्स के रेड कार्पेट पर जाह्नवी कपूर के इस दिलकश लुक ने न सिर्फ लोगों का ध्यान खींचा, बल्कि कई प्रशंसकों को उनकी मां श्रीदेवी की याद भी दिला दी।

घुटनों पर आया पाकिस्तान, दुश्मनी भूल दोस्ती की देने लगा दुहाई, चीन बन रहा चौधरी

बीजिंग। अमेरिका के बाद अब चीन को चौधरी बनने का शौक चर्राने लगा है। तभी उसने भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में दखल देने की कोशिश की, जबकि भारत ने बार-बार कहा है कि दोनों देशों के बीच जो भी मुद्दा है, उसे आपस में ही निपटाया जाएगा। बता दें कि चीन खुद के सीमा विवाद सुलझाने में पूरी तरह नाकाम रहा है और भारत पाकिस्तान के विवाद को सुलझाने की दम भर रहा है। चीन ने कहा कि वह भारत और पाकिस्तान के बीच 'स्थायी संघर्षविराम' सुनिश्चित करने के लिए एक रचनात्मक भूमिका निभाएगा। पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार के शीर्ष चीनी राजनयिक वांग यी के साथ वार्ता के लिए यहां पहुंचने पर बीजिंग की ओर से यह बयान दिया गया। डार तीन दिवसीय यात्रा पर बीजिंग पहुंचे। भारत द्वारा सात मई को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में स्थित आतंकी ढांचों पर 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत सटीक हमले किए जाने के बाद चीन का दौरा करने वाले डार पहले उच्च स्तरीय पाकिस्तानी अधिकारी हैं। 'ऑपरेशन सिंदूर' 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में चलाया गया था जिसमें 26 लोगों की मौत हो गई थी।

टेक्सास में भारतीय मूल के उद्यमी की बस में नृशंस हत्या, आरोपित भारतीय नागरिक गिरफ्तार

ऑस्टिन (टेक्सास)। अमेरिका के टेक्सास राज्य की राजधानी ऑस्टिन में एक भयावह घटना में भारतीय मूल के 30 वर्षीय उद्यमी अक्षय गुप्ता की एक सार्वजनिक बस में बेरहमी से हत्या कर दी गई। घटना 14 मई की शाम उस समय हुई जब गुप्ता बस में सफर कर रहे थे। पुलिस के अनुसार, उन पर एक अन्य भारतीय नागरिक ने अचानक हमला कर दिया। अक्षय गुप्ता एक स्वास्थ्य-तकनीक स्टार्टअप के सह-संस्थापक थे और ऑस्टिन में सक्रिय उद्यमियों में शामिल थे। ऑस्टिन पुलिस विभाग के मुताबिक, उन्हें एक बस में चाकू से हमला किए जाने की सूचना मिली थी। घटनास्थल पर पहुंचने पर गुप्ता को गंभीर चोटों के साथ पाया गया। हालांकि प्राथमिक उपचार और जीवन रक्षक प्रयास किए गए, लेकिन उन्हें घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया। इस हमले का आरोपित 31 वर्षीय दीपक कंडेल नामक व्यक्ति है, जो भारतीय मूल का ही है और फिलहाल बेघर था। जांच में सामने आया कि वह बस में अक्षय के पास बैठा था और बिना किसी उकसावे के उसने उनकी गर्दन पर बुचर स्टाइल चाकू से हमला कर दिया।

पनामा सम्मेलन में यूएन का स्पष्ट संदेश- आर्थिक विकास के लिए जरूरी है नई राष्ट्रीय जलवायु योजना

पनामा सिटी,21 मई (एजेंसियां)।

संयुक्त राष्ट्र के जलवायु परिवर्तन कार्यकारी सचिव साइमन स्टीएल ने नेचर समिट 2025 में कहा कि मौजूदा वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, व्यापार युद्ध और भौगोलिक बदलावों के बीच अब समय आ गया है कि देश अपनी राष्ट्रीय जलवायु योजनाओं (एनडीसी) को नवीनीकृत करें और उन्हें आर्थिक विकास से जोड़ें।

एनडीसी (नेशनली डिटरमाइंड कंट्रीब्यूशन) किसी देश द्वारा जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए निर्धारित किए गए लक्ष्य, नीतियां और उपाय होते हैं। अब तक संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) के 195 सदस्य देशों में से 178 देश सीओपी30 की तैयारी के तहत अपनी नई योजनाएं प्रस्तुत करने की तैयारी कर चुके हैं।

साइमन स्टीएल ने कहा कि अब हमें ऐसी योजनाओं की जरूरत है जो केवल उत्सर्जन में कटौती न करें, बल्कि नए उद्योगों को बढ़ावा दें, रोजगार के अवसर बढ़ाएं और प्रकृति की रक्षा करते हुए लोगों के लिए बेहतर भविष्य सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर जलवायु संकट पर तुरंत कार्रवाई नहीं की गई, तो इसकी आर्थिक और मानवीय लागत कहीं अधिक होगी।

सम्मेलन में स्टीएल ने पनामा नहर का उल्लेख करते हुए बताया कि जल स्तर में कमी के कारण मालवाहक जहाज़ों की आवाजाही धीमी हो गई है, जिससे वैश्विक व्यापार पर असर पड़ा है। इसका सीधा प्रभाव आम लोगों की जेब पर पड़ रहा है, वस्तुएं महंगी हो रही हैं, आपूर्ति बाधित हो रही है और कुछ क्षेत्रों में तो जीवनरक्षक दवाएं भी समय पर नहीं पहुंच पा रही हैं। उन्होंने कहा, सूखा और जल संकट अब केवल पर्यावरणीय संकट नहीं हैं, यह आर्थिक और मानवीय आपदा बन चुके हैं।

स्टीएल ने जोर देते हुए कहा कि जलवायु नीति को व्यापार और निवेश का उपकरण बनाकर देखा जाना चाहिए। इससे सरकारों, बाजारों और निवेशकों को स्पष्ट संकेत मिलते हैं कि वे सतत भविष्य के लिए गंभीर निवेश करें। उन्होंने कहा कि जलवायु योजनाओं को अब एक अलग विषय के तौर पर नहीं, बल्कि आर्थिक पुनर्निर्माण के केंद्र के रूप में देखा जाना चाहिए। यदि हम 02 ट्रिलियन डॉलर के स्वच्छ ऊर्जा बाजार का लाभ उठाना चाहते हैं, तो सरकारों, निजी क्षेत्रों और आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी जरूरी है।

भारत और वैश्विक व्यापार पर प्रभाव - पनामा नहर भारत के लिए भी व्यापारिक दृष्टि से बेहद अहम है, क्योंकि यह भारत को अमेरिका, यूरोप और प्रशांत क्षेत्र से जोड़ने वाला सबसे छोटा समुद्री मार्ग है। इससे भारतीय निर्यात को प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिलती है, लेकिन नहर की बिगड़ती स्थिति से भारतीय उद्योगों और आपूर्ति श्रृंखला पर भी खतरा मंडरा रहा है। भारत की मौजूदा एनडीसी में 2030 तक बिजली उत्पादन का 50 फीसदी हिस्सा गैर-जीवाश्म स्त्रोतों से प्राप्त करने और 2005 की तुलना में उत्सर्जन तीव्रता में 45 फीसदी की कटौती का लक्ष्य है।

बलूचिस्तान में स्कूल बस पर आत्मघाती हमला, 4 बच्चों की मौत, 38 घायल

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में एक दर्दनाक आतंकी हमला हुआ, जब एक स्कूल बस को आत्मघाती कार बम से निशाना बनाया गया। इस हमले में कम से कम चार बच्चों की मौत हो गई और 38 अन्य घायल हो गए हैं। स्थानीय प्रशासन के मुताबिक, यह हमला दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान क्षेत्र में उस समय हुआ, जब एक स्कूल बस बच्चों को लेकर स्कूल की ओर जा रही थी। आत्मघाती हमलावर ने तेज रफ्तार कार से बस को टक्कर मार दी, जिससे जोरदार विस्फोट हुआ। प्रांतीय अधिकारी ने पुष्टि की है कि घायलों में अधिकांश बच्चे हैं, जिन्हें पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटनास्थल पर सुरक्षा बल और बचाव टीमें तुरंत पहुंच गईं और इलाके को सील कर दिया गया है। हमले की जिम्मेदारी अभी तक किसी आतंकी संगठन ने नहीं ली है, लेकिन बलूचिस्तान में लंबे समय से सक्रिय उग्रवादी संगठनों और अलगाववादी समूहों पर संदेह जताया जा रहा है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने इस कायराना हमले की निंदा की है और दोषियों को जल्द पकड़ने का आश्वासन दिया है।

इजराइल का लक्ष्य हमास के आतंकी पंजों से 58 बंधकों को छुड़ाना

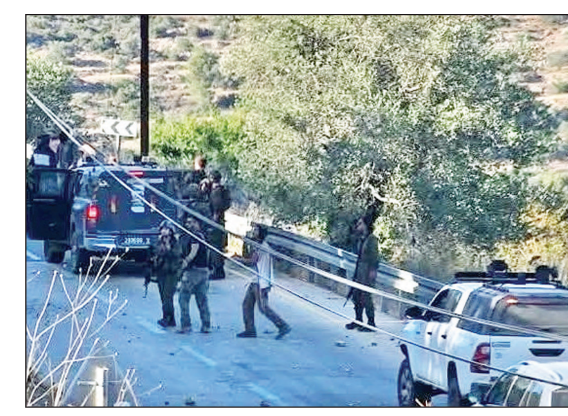

तेल अवीव,21 मई (एजेंसियां)।

इजराइल सुरक्षा बल (आईडीएफ) ने कहा है कि उसका पहला लक्ष्य फिलिस्तीन के आतंकी समूह हमास के कब्जे से 58 बंधकों को छुड़ाना है। इसके लिए भले ही चाहे जो करना पड़े। आईडीएफ ने एक्स पर कहा कि उसकी स्थापना 77 साल पहले स्पष्ट मिशन के तौर पर की गई थी। आईडीएफ ने कहा कि सात अक्टूबर, 2023 को इजराइल ने अपने इतिहास के सबसे खूनी हमले का अनुभव किया।

हमारे नागरिकों का नरसंहार किया गया। महिलाओं से बलात्कार किया गया। लोगों को जिंदा फूंक दिया गया।बंधक बना लिया गया। उनमें से 58 अभी भी गाजा में हमास के आतंकवादियों के कब्जे में हैं। इन लोगों को मुक्त कराना आईडीएफ की पहली प्राथमिकता है।

आईडीएफ ने एक अन्य पोस्ट में जानकारी दी है कि हमारे सुरक्षा बलों ने हमास के मिसाइल और रॉकेट सरणी के कमांडर मोआताज देब को उत्तरी गाजा में ढेर कर दिया। आईडीएफ ने पिछले दिनों में गाजा में 100 से अधिक आतंकवादी ठिकानों पर हमला किया है। इन्हीं हमलों में मोआताज देब को मार गिराया गया। फिलिस्तीन की न्यूज वाफा के अनुसार, मंगलवार शाम वेस्ट बैंक के शहर रामल्लाह के उत्तर-पश्चिम के बेतिल्लू गांव में इजराइली सेना की गोलीबारी में तीन फिलिस्तीनी घायल हो गए। इसके अलावा गांव के बाहरी इलाके में एड-दाहदर क्षेत्र में कई घरों पर हमला किया। ग्रामीणों पर गोलियां चलाईं। घायलों को रामल्लाह सरकारी अस्पताल ले जाया गया।

शख्स ने प्राकृतिक चिकित्सा से जीती कैंसर से जंग

बावन साल के एक शख्स ने कैंसर से लड़ने के लिए पारंपरिक इलाज नहीं चुना बल्कि प्रकृति की गोद में जाकर जीवन को गले लगाया -और परिणाम चमत्कारी रहे। शख्स को ल्यूकेमिया (ब्लड कैंसर) और लिंफोमा (लसीका ग्रंथि का कैंसर) का पता चला। डॉक्टरों ने तुरंत कीमोथेरेपी और रेडिएशन का सुझाव दिया, लेकिन उन्होंने यह रास्ता नहीं चुना। उन्होंने खुद पर भरोसा किया और प्रकृति के साथ एक अनोखा प्रयोग शुरू किया। उन्होंने करीब 300 किलोमीटर की दूरी 4 डिग्री सेल्सियस के बर्फीले पानी में तैरकर पूरी की। हर हफ्ते एक रात जंगल में अकेले बिताई और खुद को बीमारी से लड़ने के बजाय जीवन से प्रेम करने के लिए तैयार किया। उनका विश्वास था कि शरीर में बीमारी से लड़ने की प्राकृतिक शक्ति होती है, बस उसे सही वातावरण चाहिए। पहली बर्फीली तैराकी के बाद उनके खून की जांच में पाया गया कि ल्यूकेमिया पूरी तरह गायब हो चुका है। इसके बाद 10 महीने तक जंगल में समय बिताने के बाद लिंफोमा का भी कोई निशान नहीं बचा।

गाजा की सुरंगों से मिले दस्तावेजों से हुआ खुलासा, ये है हमास के हमले की मूल वजह

गाजा,21 मई (एजेंसियां)।

इजरायल करीब तीन साल से हमास को मिटाने के लिए जंग लड़ रहा है। इसकी शुरुआत हमास ने 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल के एक शहर में निर्दोष लोगों की हत्या करके की थी। अब गाजा पट्टी में सुरंगों में मिले दस्तावेजों से पता चला है कि हमास ने इजरायल पर हमला क्यों किया था। इस आतंकी कार्रवाई में, हमास ने जमीन, हवा और समुद्र के रास्ते इजरायल पर हमला किया और देश के बड़े हिस्से में हत्याओं का सिलसिला शुरू कर दिया।

इजरायली सेना द्वारा हासिल दस्तावेजों में 2 अक्टूबर, 2023 की बैठकों के विवरण शामिल हैं। इससे पता चलता है कि याह्या सिनवार सहित हमास के नेता इजरायल-सऊदी के सामान्य संबंधों को अपने अस्तित्व के लिए खतरा मानते थे। उस समय गाजा में हमास के प्रमुख रहे सिनवार, हमास के तत्कालीन सैन्य प्रमुख मोहम्मद देइफ के साथ 7 अक्टूबर के हमले के मुख्य साजिशकर्ता थे। ईरान की राजधानी तेहरान में हमास के प्रमुख इस्माइल हनीया की हत्या के बाद, सिनवार हमास के प्रमुख बन गए। चल रहे युद्ध में सिनवार और देइफ दोनों मारे गए हैं। सिनवार को जमीनी सैनिकों ने गोली मार दी थी और देइफ हवाई हमले में मारा गया था।

सभी आतंकवादियों को बेअसर करने या खदेड़ने में इजरायली सुरक्षा बलों को कई दिन लग गए। आतंकवादियों ने लगभग 1,200 लोगों की हत्या कर दी और हजारों लोगों को घायल कर दिया, और लगभग 250 लोगों का अपहरण कर उन्हें बंधक बनाकर गाजा ले गए।

रिपोर्ट के अनुसार, गाजा की सुरंगों में इजरायली बलों द्वारा पाए गए दस्तावेजों से अब यह पता चला है कि 7 अक्टूबर के हमले का उद्देश्य इजरायल और सऊदी अरब के बीच सामान्य होते संबंधों को पटरी से उतारना था।

वर्षों से, अमेरिका इजरायल और अरब दुनिया के बीच संबंधों को सामान्य बनाने के लिए प्रयास का नेतृत्व कर रहा था। 2020 में पहले डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन के तहत अब्राहम समझौते ने इजरायल और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), बहरीन और मोरक्को के बीच संबंधों को सामान्य बनाने का नेतृत्व किया। जो बाइडेन प्रशासन ने प्रयासों को संभाला और इजरायल और सऊदी अरब के बीच सामान्य बनाने के समझौते पर काम कर रहा था। तभी 7 अक्टूबर के हमले ने वार्ता को पटरी से उतार दिया।

ट्रंप ने की 175 बिलियन डॉलर की गोल्डन डोम मिसाइल रक्षा परियोजना की घोषणा

वाशिंगटन,21 मई (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को गोल्डन डोम मिसाइल रक्षा परियोजना की घोषणा की। यह एक परिष्कृत नई मिसाइल रक्षा ढाल बनाने की योजना है। यह अंतरिक्ष से खतरों को रोकने में सक्षम होगी। अनुमान है कि इस पर लगभग 175 बिलियन डॉलर खर्च होंगे। यह परियोजना तीन वर्ष में पूरी होगी।

गोल्डन डोम परियोजना की पूरी देखरेख स्पेस फोर्स जनरल माइकल गुएटलीन करेंगे। यह परियोजना पूर्व राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन के असफल स्टार वार्स कार्यक्रम की याद दिलाती है। व्हाइट हाउस ने प्रौद्योगिकी में प्रगति का हवाला देते हुए कहा कि रीगन की कुछ दृष्टि अब संभव हो सकी है।

ट्रंप ने कहा कि गोल्डन डोम परियोजना उनके कार्यकाल के अंत से पहले शुरू हो जाएगी। गोल्डन डोम अंतरिक्ष और दुनिया के किसी भी हिस्से से दागी गई मिसाइलों को रोकने में सक्षम होगा।

ट्रंप ने सालभर पहले चुनाव प्रचार के दौरान इजराइल के आयरन डोम के समान अमेरिकी मिसाइल रक्षा कवच का विचार देश के सामने रखा था। वह कहते हैं कि ईरान के हमलों के दौरान इजराइल ने लगभग 300 मिसाइलों और ड्रोन को विफल कर दिया था। मिसाइल रक्षा विशेषज्ञ टॉम कराको ने कहा कि वर्तमान अमेरिकी प्रणाली मुख्य रूप से उत्तर कोरिया जैसे दुष्ट राज्यों से अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों को मार गिराने की क्षमता पर केंद्रित है। ड्रोन, क्रूज मिसाइल और हाइपरसोनिक हथियारों जैसे अन्य खतरों के मामले में अमेरिका को बेहतर सुरक्षा की आवश्यकता है।

मिसाइल रक्षा परियोजना के निदेशक और सामरिक और अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र में रक्षा और सुरक्षा विभाग के वरिष्ठ फेलो कराको ने कहा कि सच्चाई यह है कि हम बहुत कमजोर हैं। ट्रंप के गोल्डन डोम से अमेरिकी सामरिक दृष्टि से बेहद सुरक्षित हो जाएगा।

रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने कहा कि राष्ट्रपति हर हाल में मातृभूमि को रक्षा कवच में रखना चाहते हैं। और हम क्रूज मिसाइलों, बैलिस्टिक मिसाइलों, हाइपरसोनिक मिसाइलों और ड्रोन से मातृभूमि की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उल्लेखनीय है कि दूसरा कार्यकाल शुरू करते ही 27 जनवरी को ट्रंप ने इस आशय के एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे। ट्रंप ने लिखा था कि बैलिस्टिक, हाइपरसोनिक और क्रूज मिसाइलों तथा अन्य उन्नत हवाई हमलों संयुक्त राज्य अमेरिका के सामने सबसे भयावह खतरा बना हुआ है। इसलिए रक्षा विभाग को और मजबूत प्रणाली विकसित करनी होगी।पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता और हेगसेथ के वरिष्ठ सलाहकार सीन पार्नेल ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि रक्षा विभाग इस प्रस्ताव पर काम कर रहा है।

इस समय अमेरिकी वायुसेना 1970 के दशक में निर्मित अपनी 400 अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों को नई मिसाइलों से बदलने की प्रक्रिया में है। हेगसेथ ने कहा कि अंतरिक्ष में कुछ अमेरिकी तकनीक जैसे कि अंतरिक्ष-आधारित सेंसर और वायु और मिसाइल रक्षा भी मौजूद हैं, लेकिन गोल्डन डोम संपूर्ण रक्षा कवच होगा।

मध्य प्रदेश लीग की शुरुआत 12 जून से, ग्वालियर करेगा मेजबानी

ग्वालियर ,21 मई (एजेंसियां) । शंकरपुर स्थित श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में 12 जून से मध्य प्रदेश लीग (एमपीएल) का नया सीज़न शुरू होने जा रहा है। पहले इसका आयोजन इंदौर में किया जाना था, लेकिन मौसम की परिस्थितियों और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के देर से समापन के कारण इस वर्ष एमपीएल को इंदौर से स्थानांतरित कर ग्वालियर में आयोजित किया जा रहा है।

पिछले वर्ष एमपीएल के पहले संस्करण की मेज़बानी भी ग्वालियर ने ही की थी, जिससे यह स्थान खिलाड़ियों और आयोजकों दोनों के लिए परिचित है। ग्वालियर डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन (जीडीसीए) द्वारा मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित यह लीग मूल रूप से 27 मई से इंदौर में शुरू होने वाली थी, लेकिन आईपीएल के शेड्यूल में बदलाव के चलते निर्धारित कार्यक्रम से मेल खा रही थी। पिछले सीजन में पुरुषों की प्रतियोगिता में पांच टीमें शामिल थीं, लेकिन इस बार इसमें बुंदेलखंड और चंबल क्षेत्रों की दो नई टीमों को जोड़ा गया है।

मध्य प्रदेश लीग को लेकर अध्यक्ष महानार्यमन सिंधिया ने एक आधिकारिक बयान में कहा,प्रथम संस्करण के आयोजन के चलते ग्वालियर हमारे खिलाड़ियों और प्रशंसकों के दिलों में एक विशेष स्थान रखता है और हम यहां दोबारा लौटकर बेहद उत्साहित हैं। इसके अलावा दो नई पुरुष टीमों और पहली बार महिला लीग की शुरुआत के चलते ये हमारे हमारे लिए और भी खास हो गया है। मैं सभी टीमों और खिलाड़ियों को उनके भविष्य के लिए बधाई देता हूं।

टूर्नामेंट में बदलाव को लेकर एमपीएल के सीईओ रवि पाटनकर ने कहा, मुझे यह जानकारी देते हुए बहुत खुशी हो रही है कि स्थानांतरण की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। नई तारीख के साथ हम एक रोमांचक और सुचारू टूर्नामेंट आयोजित करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

टीमों की जर्सी का अनावरण समारोह 27 मई को ग्वालियर में आयोजित किया जाएगा। इस बार के सीज़न में पहली बार महिला क्रिकेट लीग का आयोजन भी किया जा रहा है, जो पुरुषों के मैचों के साथ ही खेली जाएगी। महिला प्रतियोगिता में तीन टीमें शामिल होंगी, जिनमें भोपाल की टीम भी शामिल है।

पुरुष टीमें: ग्वालियर चीता, भोपाल लेपर्ड्स, जबलपुर रॉयल लायंस, रीवा जैगुआर्स, इंदौर पिंक पैंथर्स, चंबल घड़ियाल्स, बुंदेलखंड बुल्स

महिला टीमें: चंबल घड़ियाल्स, भोपाल वोल्व्स, बुंदेलखंड बुल्स।

न्यूज ब्रीफ

मलेशिया मास्टर्स 2025: प्रणय और करुणाकरण दूसरे दौर में, सिंधु बाहर

नई दिल्ली। मलेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट 2025 में भारत के एच.एस. प्रणय और सतीश करुणाकरण ने शानदार जीत दर्ज करते हुए पुरुष सिंगल्स के दूसरे दौर में जगह बना ली है। हालांकि, दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी.वी. सिंधु का सफर पहले ही दौर में समाप्त हो गया। प्रणय ने दिन की शुरुआत करते हुए जापान के पांचवीं वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोटो को कड़े मुकाबले में 19-21, 21-17, 21-16 से हराया। यह मैच एक घंटे 22 मिनट तक चला। इसके बाद सतीश करुणाकरण ने भी बड़ा उलटफेर करते हुए ताइवान के तीसरी वरीयता प्राप्त चोउ तिएन चेन को सिर्फ 39 मिनट में 21-13, 21-14 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। पुरुष खिलाड़ियों के लिए यह दिन शानदार रहा, क्योंकि भारत के युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने भी ब्रायन यांग (कनाडा) को 20-22, 21-10, 21-8 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। वहीं, महिला एकल में पी.वी. सिंधु का खराब फॉर्म जारी रहा। वह सुपर 500 श्रेणी के इस टूर्नामेंट के पहले दौर में वियतनाम की गुयेन थुई लिन्ह के खिलाफ 11-21, 21-14, 15-21 से हारकर बाहर हो गईं।

केकेआर ने आईपीएल के अतिरिक्त समय नियम पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शेष लीग मुकाबलों के लिए 120 मिनट का अतिरिक्त समय देने के फैसले को अस्थायी और असंगत बताते हुए डिफेंडिंग चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने कहा है कि अगर यह प्रावधान टूर्नामेंट के दोबारा शुरू होते ही लागू कर दिया जाता, तो शायद वे अभी भी प्लेऑफ की दौड़ में बने रहते। आईपीएल गवर्निंग काउंसिल ने मंगलवार को यह फैसला किया कि अब शेष बचे नौ लीग मुकाबलों में बारिश के कारण बाधित मैचों को पूरा करने के लिए 120 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा। पहले केवल एक घंटे का अतिरिक्त समय ही उपलब्ध था, जबकि प्लेऑफ के मुकाबलों में पहले से ही दो घंटे का रिजर्व समय रखा गया था। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार,आईपीएल के सीओओ हेमांग अमीन ने सभी 10 फ्रेंचाइजियों को भेजे गए ईमेल में बताया कि यह फैसला इसलिए लिया गया क्योंकि मानसून के जल्दी आने से कई मैच बारिश की चपेट में आने की संभावना है। केकेआर के सीईओ वेंकी मैसूर ने इस ईमेल के जवाब में नियम में बदलाव के समय पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह नियम आईपीएल के फिर से शुरू होने के साथ ही लागू किया जाना चाहिए था। उन्होंने लिखा, हालांकि इन परिस्थितियों में बीच सीजन में नियम बदलना ज़रूरी हो सकता है, लेकिन इन बदलावों में निरंतरता की उम्मीद की जाती है। 17 मई को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच हुआ मुकाबला आईपीएल के फिर से शुरू होने के बाद पहला मैच था। यह मैच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाना था, लेकिन लगातार बारिश के कारण एक भी गेंद फेंकी नहीं जा सकी और दोनों टीमों को एक-एक अंक से संतोष करना पड़ा।

आयरलैंड को झटका, वेस्टइंडीज वनडे सीरीज से बाहर हुए क्रेग यंग और कर्टिस कैंफर

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के खिलाफ 21 मई से डबलिन में शुरू हो रही वनडे सीरीज से पहले आयरलैंड टीम को

बड़ा झटका लगा है। तेज गेंदबाज क्रेग यंग और ऑलराउंडर कर्टिस कैंफर चोटिल होकर सीरीज से बाहर हो गए हैं। दोनों की जगह युवा खिलाड़ियों को मौका दिया गया है। यंग की जगह जॉर्डन नील और कैंफर की जगह विकेटकीपर बल्लेबाज स्टीफन डोहेनी को टीम में शामिल किया गया है। यंग की हैमस्ट्रिंग और कैंफर की फ्रैक्चर बनी वजह क्रेग यंग को यह चोट इंटर-प्रोविंशियल कप के एक मुकाबले में लगी थी जब वे नॉर्थ वेस्ट वॉरियर्स की ओर से खेलते हुए अपना नौवा ओवर पूरा नहीं कर सके। उन्होंने 8.5 ओवर में 49 रन देकर 1 विकेट लिया और आखिरी गेंद पर बैरी मैकार्थी को आउट किया। वहीं, कर्टिस कैंफर की चोट हाल ही में नेट अभ्यास के दौरान लगी। बल्लेबाजी करते समय उनकी उंगली में फ्रैक्चर हो गया, जिससे वे सीरीज से बाहर हो गए। आयरलैंड के मुख्य चयनकर्ता एंड्रयू व्हाइट ने कहा, हमारे पास अब एक लंबी चोटिल खिलाड़ियों की सूची है, जिसमें मार्क अडायर, ग्राहम ह्यूम, क्रेग यंग, फियॉन हैंड और कर्टिस कैंफर शामिल हैं।

मुंबई इंडियंस ने दिल्ली कैपिटल्स का दिल चूर-चूर किया

सैंटनर-बुमराह को 3-3 विकेट मिले

मुंबई,21 मई (एजेंसियां) । स्लो स्टार्टर कही जाने वाली मुंबई इंडियंस ने अपने अभेद्य किला वानखेड़े स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स का शिकार करते हुए कमाल कर दिया है। उसने आखिरी 8 में से 7 मुकाबलों में जीत दर्ज करते हुए प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर लिया है। इस तरह से मुंबई इंडियंस, गुजरात टाइटंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स के बाद प्लेऑफ की चौथी टीम बन गई है। हालांकि, क्वालीफायर मुकाबले अभी तय नहीं हैं, क्योंकि अभी भी टॉप-4 में कौन कहां रहेगा यह तय नहीं है। मुंबई इंडियंस ने सूर्या की हाफ सेंचुरी के दम पर 180 रन बनाए थे। जवाब में दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने घुटने टेक दिए। उसके पास मुंबई की पेस का कोई जवाब नहीं था। मिचेल सेंटनर ने 3 विकेट झटके।इससे पहले मुंबई इंडियंस सूर्यकुमार यादव (नाबाद 73 रन) के अर्धशतक और अंत में नमन धीर (नाबाद 24 रन) के साथ छठे विकेट के लिए 21 गेंद में नाबाद 57 रन की साझेदारी से दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ धीमी पिच पर पांच विकेट पर 180 रन बनाने में सफल रही। पांच दफा की आईपीएल विजेता टीम के लिए सूर्यकुमार ने 43 गेंद की बेहतरीन नाबाद पारी खेली जिसमें सात चौके और चार छक्के जड़े थे। उनके अलावा तिलक वर्मा ने 27 रन और रेयान रिकलटन ने 25 रन का योगदान दिया। नमन ने अंत में आठ गेंद में दो चौके और इतने ही छक्के से नाबाद 24 रन का योगदान दिया।

वानखेड़े स्टेडियम की असामान्य पिच पर स्पिनरों के लिए काफी टर्न था। दिल्ली कैपिटल्स के लिए स्पिनरों में कुलदीप यादव ने 25 रन देकर एक विकेट झटका जबकि विप्रज निगम ने 25 रन दिए और कोई विकेट हासिल नहीं कर पाए। मुकेश कुमार ने 48 रन देकर दो विकेट चटकाए। सूर्यकुमार ने अपनी टीम के लिए दो अहम साझेदारियां करके लड़खड़ाती पारी को संवारा। दिल्ली कैपिटल्स के स्पिनरों के दबदबे के बावजूद सूर्यकुमार ने पहले तिलक वर्मा के साथ चौथे विकेट के लिए 55 रन जोड़े और अंत में नमन के साथ 21 गेंद में पर 57 रन बनाए।आखिरी दो ओवरों में स्थिति पूरी तरह बदल गई जब भारतीय टी20 कप्तान सूर्यकुमार और नमन ने पांच छक्के और चार चौके लगाकर 48 रन जुटाए। एक समय ऐसा लग रहा था कि मुंबई के बल्लेबाजों को रन जुटाने में बहुत मुश्किल हो रही है। खिलाड़ी पावरप्ले के अंत से लेकर 18वें ओवर के शुरू तक संघर्ष करते रहे। रोहित शर्मा (05) इस सत्र में चौथी बार बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान (30 रन देकर एक विकेट) की गेंद पर आउट हुए।सूर्यकुमार जब छह रन पर थे, उन्हें जीवनदान मिला। सातवें ओवर में कुलदीप की गेंद पर शॉर्ट लेग पर मुकेश कुमार डाइव करने के बावजूद कैच लेने में असफल रहे। लेकिन अगली गेंद पर रेयान रिकलटन डीप स्क्वायर लेग पर माधव तिवारी को सीधा कैच दे बैठे जिसके साथ कुलदीप ने आईपीएल में अपने 100 विकेट भी पूरे किए। तिलक अपनी पारी के दौरान कुलदीप के खिलाफ संघर्ष करते दिखे, जब उनकी टीम को जरूरत थी तब वह रन बनाने में विफल रहे।तिलक गलत टाइमिंग की वजह से मुकेश का शिकार बने और तुरंत बाद हार्दिक पांड्या (03) भी आउट हो गए जिन्हें दुष्मंथा चामिरा (54 रन देकर एक विकेट) की धीमी लेग-कटर ने आउट कर दिया। तिलक की तरह सूर्यकुमार भी दिल्ली के स्पिनरों के खिलाफ संघर्ष करते दिखे लेकिन उन्होंने अंत में मौके का फायदा उठाया और इस सत्र की अपनी सबसे बेहतरीन पारी खेली।

केविन डी ब्रुएने को मैनचेस्टर सिटी का खास सम्मान, अकादमी में बना मोज़ेक और सड़क का नाम किया समर्पित

लंदन ,21 मई (एजेंसियां) ।

मैनचेस्टर सिटी ने अपने दिग्गज मिडफील्डर केविन डी ब्रुएने को एक यादगार सम्मान देते हुए सिटी फुटबॉल अकादमी में उनका एक भव्य मोज़ेक स्थापित किया है और अकादमी से फर्स्ट टीम सेंटर को जोड़ने वाली सड़क का नाम 'केविन डी ब्रुएने क्रेसेंट' रखा है।

डी ब्रुएने को यह सम्मान क्लब के चेयरमैन खलदून अल मुबारक ने मंगलवार को व्यक्तिगत रूप से सौंपा। ट्रेनिंग पिच के पास लगाए गए इस मोज़ेक में डी ब्रुएने का एक जश्न मनाने वाला पोज दर्शाया गया है। इसे मैनचेस्टर के स्थानीय कलाकार और क्लब समर्थक मार्क कैनेडी ने तैयार किया है। यह स्मृति-चिन्ह क्लब के महान खिलाड़ियों—याया टूर, जो हार्ट, डेविड सिल्वा, विंसेंट कंपनी, सर्जियो एगुएरो, फर्नांडिन्हो और इल्काय गुंडोगन—को पहले दिए गए सम्मानों की श्रृंखला में नया नाम है।

क्लब छोड़ने से पहले अंतिम घरेलू मुकाबला केविन डी ब्रुएने ने मंगलवार को बोरनमाउथ के खिलाफ एतिहाद स्टेडियम में अपना अंतिम घरेलू मुकाबला खेला। जून में अनुबंध समाप्त होने के बाद वह क्लब को अलविदा कहेंगे।

गौरवशाली रहा 10 साल का सफर

2015 में जर्मन क्लब वोल्फ्सबर्ग से सिटी से जुड़ने के बाद डी ब्रुएने ने क्लब के लिए 420 मैचों में 108 गोल किए। 33 वर्षीय इस बेल्जियम मिडफील्डर ने अपने दशक लंबे कार्यकाल में सिटी के सबसे सफल खिलाड़ी का दर्जा प्राप्त किया। उन्होंने क्लब को छह प्रीमियर लीग खिताब, दो एफए कप, पांच लीग कप, एक चैंपियंस लीग, एक सुपर कप और एक क्लब वर्ल्ड कप दिलाया। डी ब्रुएने को मिला यह विशेष सम्मान उनके योगदान को सदा के लिए क्लब इतिहास में दर्ज कर गया है।

जीत के साथ राजस्थान ने खत्म किया अपना आईपीएल 2025 का सफर, चेन्नई को 6 विकेट से दी मात

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के अपने अंतिम लीग मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को 6 विकेट से शिकस्त दी। इस जीत के साथ ही राजस्थान ने टूर्नामेंट से विजयी विदाई ली। अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में राजस्थान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। चेन्नई ने निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट के नुकसान पर 187 रन बनाए। चेन्नई की ओर से डेवाल्ड ब्रेविस ने 42, आयुष म्हात्रे ने 43 और शिवम दुबे ने 39 रन की उल्लेखनीय पारियां खेलीं। अनुभवी कप्तान एमएस धोनी ने 17 गेंदों में 16 रन बनाए और टी-20 क्रिकेट में अपने 350 छक्के पूरे किए। राजस्थान की गेंदबाजी में युद्धवीर सिंह और आकाश मधवाल ने घातक प्रदर्शन करते हुए 3-3 विकेट अपने नाम किए। जबकि तुषार देशपांडे और वनिंदु हसरंगा को एक-एक विकेट मिला।

पेरिस ओलंपिक के बाद पहली बार अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में उतरेंगी भारतीय महिला बॉक्सर

थाईलैंड ओपन और वर्ल्ड बॉक्सिंग कप में लेंगी भाग

नई दिल्ली ,21 मई (एजेंसियां) ।

पेरिस ओलंपिक के बाद पहली बार भारतीय महिला मुक्केबाज़ अंतरराष्ट्रीय रिंग में उतरने के लिए तैयार हैं। भारतीय बॉक्सर दो बड़े टूर्नामेंट थाईलैंड ओपन और वर्ल्ड बॉक्सिंग कप में हिस्सा लेंगी।

थाईलैंड ओपन 24 मई से बैंकॉक में खेला जाएगा, जबकि वर्ल्ड बॉक्सिंग कप का आयोजन 30 जून से अस्ताना, कज़ाखस्तान में किया जाएगा।

थाईलैंड ओपन में उतरेंगी रजत पदक विजेता, वर्ल्ड कप में दिखेंगी राष्ट्रीय चैंपियन

भारतीय बॉक्सिंग फेडरेशन (बीएफआई) की नई चयन नीति के अनुसार, वर्ल्ड बॉक्सिंग कप में राष्ट्रीय चैंपियन उतरेंगी, जबकि थाईलैंड ओपन में रजत पदक विजेताओं को मौका मिलेगा। यह चयन प्रक्रिया पुरुष और महिला दोनों वर्गों पर समान रूप से लागू की गई है।

पिछले एक साल में चूके कई अहम टूर्नामेंट

ओलंपिक साइकिल के दौरान बीएफआई के राष्ट्रीय कैंप्स में देरी और महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप को कई बार स्थगित किए जाने के चलते भारतीय मुक्केबाज़ों को एशियन चैंपियनशिप और स्ट्रैंडजा मेमोरियल जैसे अहम टूर्नामेंटों से बाहर रहना पड़ा। पुरुष बॉक्सर्स ने अप्रैल में वर्ल्ड बॉक्सिंग कप के ज़रिए वापसी कर ली थी, लेकिन महिलाओं के राष्ट्रीय मुकाबले मार्च के अंत में आयोजित होने के कारण उन्हें देर से मौका मिला। फिलहाल वर्ल्ड बॉक्सिंग की अंतरिम समिति के अधीन है भारतीय बॉक्सिंग बीएफआई के चुनाव फिलहाल अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हैं। ऐसे में विश्व बॉक्सिंग संस्था द्वारा गठित अंतरिम समिति भारतीय मुक्केबाज़ी से जुड़ी सभी गतिविधियों का संचालन कर रही है।

पीकेएल 2025: गुजरात जाइंट्स के जयवीर शर्मा बने नए हेड कोच

वरिंदर सिंह संधू को असिस्टेंट कोच नियुक्त किया गया

अहमदाबाद ,21 मई (एजेंसियां) ।

प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) 2025 की प्लेयर ऑक्शन 31 मई से एक जून तक होने वाली है। इसके पहले, अदानी स्पोर्ट्सलाइन के स्वामित्व वाली गुजरात जाइंट्स ने नए सत्र के लिए रणनीतिक बदलाव करते हुए अपनी कोचिंग स्टाफ में बदलाव किया है। जयवीर शर्मा को गुजरात जाइंट्स का नया हेड कोच नियुक्त किया गया है, जबकि वरिंदर सिंह संधू असिस्टेंट कोच की भूमिका निभाएंगे।

तीन दशकों से अधिक अनुभव वाले जयवीर भारतीय कबड्डी के सबसे सम्मानित कोचों में से एक हैं। वह चैंपियनशिप जीतने वाले कोच हैं और उनके पास शानदार रिकॉर्ड के साथ गहन तकनीकी समझ भी है।

1992 से स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) के साथ काम कर रहे जयवीर ने कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के करियर को आकार दिया है। उनकी कोचिंग में भारतीय टीम ने एशियाई खेलों, कबड्डी वर्ल्ड कप और कई बड़े टूर्नामेंट में गोल्ड मेडल जीते हैं।

जयवीर शर्मा ने फ्रेंचाइजी की ओर से जारी एक बयान में कहा, गुजरात जाइंट्स का हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूं। मैं टीम में एक निडर और विनम्र सोच विकसित करना चाहता हूं, ताकि हम पीकेएल में सबसे मजबूत दावेदार बन सकें। अदानी स्पोर्ट्सलाइन का धन्यवाद, जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया और यह अवसर दिया। मैं ऑक्शन और टीम बनाने के लिए उत्सुक हूं।

2017 से पीकेएल में खेल रही गुजरात जाइंट्स ने कई सितारों जैसे रोहित गुलिया,

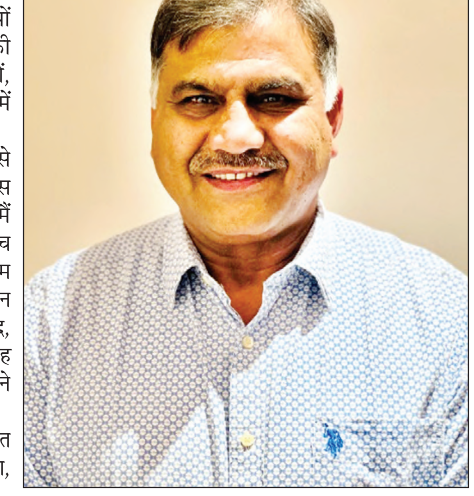

सचिन तंवर, सुनील कुमार, पर्वेश भैंसवाल और पवन सहरावत को निखारा है, जो लीग के अहम खिलाड़ी बन गए हैं। गुजरात जाइंट्स को युवा कोचिंग टैलेंट को मौका देने का भी गर्व है। इसका उदाहरण है मनप्रीत सिंह, जो अब तक पीकेएल के सबसे सफल कोचों में से एक हैं।

इस परंपरा को जारी रखते हुए वरिंदर संधू को टीम में शामिल किया गया है। वरिंदर के पास 17 साल भारतीय सशस्त्र बलों में सेवा का अनुभव है। वे नेतृत्व, अनुशासन और आधुनिक तकनीकी कौशल लेकर आए हैं। वरिंदर जयवीर के मार्गदर्शन में पीकेएलकी दुनिया में कदम रखेंगे।

वरिंदर भारतीय महिला कबड्डी टीम के हेड कोच रह चुके हैं और 19वें एशियाई खेल 2023 (हांग्जो, चीन) और 6वें एशियाई कबड्डी चैंपियनशिप 2025 (ईरान) में कई ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जीताए हैं। उन्होंने पंजाब राज्य टीम और भारतीय वायु सेना को भी नेशनल गेम्स 2023 और 2025 में कोचिंग दी है। वरिंदर ने कहा, गुजरात जाइंट्स परिवार का हिस्सा बनकर मैं बहुत खुश हूं। यह दुनिया की सबसे बड़ी कबड्डी लीग का हिस्सा बनने का शानदार मौका है। मैं पहली बार खिलाड़ी ऑक्शन का अनुभव लेने को उत्सुक हूं और नई टीम बनाने में मदद करना चाहता हूं। मैं हेड कोच जयवीर के साथ मिलकर टीम की सफलता में योगदान दूंगा। अदानी स्पोर्ट्सलाइन के चीफ बिजनेस ऑफिसर संजय अदेसरा ने नए कोचिंग स्टाफ का स्वागत करते हुए कहा, हम जयवीर शर्मा और वरिंदर सिंह संधू को गुजरात जाइंट्स परिवार में शामिल करके खुश हैं। दोनों के पास बेहतरीन कोचिंग अनुभव और काबिलियत है, जो टीम को खिताब तक पहुंचाने में मददगार साबित होगी। उन्होंने आगे कहा, अदानी स्पोर्ट्सलाइन का दर्शन है कि युवा खिलाड़ियों और कोचों को सही मंच देना चाहिए ताकि वे तरक्की कर सकें। वरिंदर संधू का टीम में आना, हेड कोच जयवीर के नेतृत्व में, हमारे लिए एक मजबूत भविष्य की ओर कदम है।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

एप्पल पर ट्रंप की धमकियों का असर नहीं, सहयोगी कंपनी करेगी निवेश

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में एप्पल के सीईओ टिम कुक को भारत में एप्पल प्रोडक्ट्स का प्रोडक्शन भारत में नहीं करने की सलाह दी थी, लेकिन एप्पल इस सलाह पर अमल करने के मूड में नहीं है। एप्पल की प्रमुख सप्लायर और आईफोन निर्माता होन हाई प्रिसिजन इंडस्ट्री ने भारत में 13 हजार करोड़ रुपए निवेश करने की बात कही है। होन हाई प्रिसिजन, फॉक्सकॉन के नाम से मशहूर यह निवेश चीन से प्रोडक्शन हटाकर भारत में स्थानांतरित करने की रणनीति के तहत किया जा रहा है।

होन हाई प्रिसिजन इंडस्ट्री ने 13 हजार करोड़ के निवेश करने की बात कही

होन हाई प्रिसिजन ने ताइवानी स्टॉक एक्सचेंज को बताया कि यह निवेश उसकी सिंगापुर स्थित सहायक कंपनी के जरिए किया गया है। फिलहाल कंपनी दक्षिण भारत में नए मैन्युफैक्चरिंग प्लांट्स तैयार कर रही है और उत्पादन क्षमता को बढ़ा रही है। एप्पल की योजना है कि वह अगले साल के आखिर तक अमेरिका में बिकने वाले ज्यादातर आईफोन का आयात भारत से करे। यह कदम अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पसंद नहीं आया। उन्होंने कहा कि वह एप्पल के सीईटो टिम कुक से भारत में मैन्युफैक्चरिंग प्लांट्स न बनाने को कहा। ट्रंप की टिप्पणी से साफ जाहिर होता है कि चीन पर निर्भरता कम करने के लिए कंपनियां तेज़ी से विकल्प तलाश रही हैं। टैरिफ और भू-राजनीतिक तनाव को देखते हुए एप्पल अब चीन के बाहर प्रोडक्शन को बढ़ा रहा है। फिलहाल एप्पल अपने ज्यादातर आईफोन चीन में बनाता है और अमेरिका में उसकी कोई स्मार्टफोन निर्माण इकाई नहीं है। हालांकि कंपनी ने अमेरिका में ज्यादा लोगों को नौकरी देने और अगले चार सालों में 500 बिलियन डॉलर निवेश करने का वादा किया है।

मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि एप्पल ने भारत में आईफोन 17 सीरीज का ट्रायल प्रोडक्शन शुरू किया है। भारत में फॉक्सकॉन और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ मिलकर ये ट्रायल चल रहा है। ये दोनों कंपनियां एप्पल के बड़े मैन्युफैक्चरर्स में शामिल हैं। ऐपल को उम्मीद है कि साल 2026 तक अमेरिका में बिकने वाले सभी आईफोन मेड इन इंडिया होने वाले हैं।

न्यूज ब्रीफ

यूट्यूबर को हर महीने 427 करोड़ रुपए की कमाई : 26 साल की उम्र में मिस्टर बीस्ट अरबपति बने, अब मंदिर में वीडियो बनाने पर विवाद में फसे

मुंबई। मेक्सिको के मंदिर से जुड़े वीडियो को लेकर विवादों में घिरे बिलेनियर यूट्यूबर और बिजनेसमैन मिस्टर बीस्ट हर महीने 50 मिलियन डॉलर यानी, करीब 427 करोड़ रुपए कमाते हैं। 2024 में वे 26 साल की उम्र में अरबपतियों की लिस्ट में शामिल हुए थे। अभी उनकी नेटवर्थ 8,500 करोड़ रुपए के करीब है। सेलेब्रिटी नेटवर्थ के मुताबिक वे दुनिया के 8वें सबसे युवा अरबपति हैं। उनका नाम जेम्स स्टीफन डोनाल्डसन है। हालांकि, सेलिब्रिटी नेट वर्थ में जो 50 मिलियन डॉलर का मंथली फिगर दिया गया है वो मिस्टर बीस्ट के एनुअल ग्रॉस रेवेन्यू के आधार पर लिया गया है। 2024 में मिस्टरबीस्ट के एनुअल ग्रॉस रेवेन्यू का 600 मिलयन डॉलर-700 मिलियन डॉलर यानी, करीब 5 हजार करोड़ रुपए से 6 हजार करोड़ रुपए के बीच अनुमान लगाया गया है। अगर हम 600 मिलियन डॉलर को 12 से डिवाइड करते हैं तो ये 50 मिलियन डॉलर महीना होता है। रुपए में इसे बदले तो ये 427 करोड़ होगा। मैक्सिको माया मंदिर वीडियो से विवाद में फसे मिस्टर बीस्ट ने मैक्सिको के माया मंदिर में आई सर्वाइव्ड 100 आवर्स इन एन एंशिएंट वीडियो शूट किया था। इसने 60 मिलियन से अधिक व्यूज हासिल किए। मैक्सिको के राष्ट्रीय पुरातत्व संस्थान ने मिस्टर बीस्ट पर आरोप लगाया कि उन्हें केवल फिल्मिंग की अनुमति थी, लेकिन उन्होंने कंटेंट को मुनाफे के लिए इस्तेमाल किया। इसके जवाब में मिस्टर बीस्ट ने कहा हमने मैक्सिकन और माया संस्कृति का सम्मान किया। यह वीडियो दुनिया को उनकी संस्कृति से जोड़ने के लिए था। उन्होंने दावा किया कि सरकारी एजेंसियों, पुरातत्वविदों और साइट प्रतिनिधियों की मौजूदगी में फिल्मिंग हुई। 12 साल की उम्र में शुरू किया था यूट्यूब चैनल 7 मई 1998 को अमेरिका के कंसास में जन्में मिस्टर बीस्ट ने महज 12 साल की उम्र में नाम से यूट्यूब चैनल शुरू किया था। शुरुआती दिनों में वे गेमिंग और दूसरे यूट्यूबर्स की कमाई का अनुमान लगाने जैसे वीडियो बनाते थे।

टिकट से ट्रेन स्टेटस तक, एक एप पर सभी सेवाएं : रेलवे ने रोलआउट किया स्वरेल एप; लाइव ट्रैकिंग और शिकायत की सुविधा भी उपलब्ध

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने अपना नया एप स्वरेल एंड्रॉएड यूजर्स के लिए रोलआउट कर दिया है। यह एप यात्रियों को टिकट बुकिंग से लेकर ट्रेन स्टेटस और खाना ऑर्डर करने तक की सभी सेवाएं एक ही जगह पर देगा। इसके अलावा, इस एप का उपयोग करके यूजर्स अपनी यात्रा से जुड़ी किसी भी समस्या का समाधान आसानी से कर सकेंगे। इसे सेंटर फॉर रेलवे इंफॉर्मेशन सिम ने डेवलप किया है। स्वरेल भारतीय रेलवे की अलग-अलग डिजिटल सेवाओं को एक ही प्लेटफॉर्म पर इंटीग्रेट करता है, जिससे यात्रियों को अलग-अलग एप डाउनलोड करने की जरूरत नहीं होगी। इसलिए इसे सुपर एप कहा जा रहा है। कैसे इस्तेमाल करें स्वरेल गूगल प्ले स्टोर पर एंड्रॉएड यूजर्स (वर्जन 1127) के लिए अवेलेबल हो गया है। इसे अब तक 1 लाख से ज्यादा लोग डाउनलोड कर चुके हैं। हालांकि, यह एपल एप स्टोर में अवेलेबल नहीं है।

एसयूवी की बिक्री को लेकर मारुति सुजुकी के बाद दूसरे स्थान पर महिंद्रा

नई दिल्ली। स्वदेशी कंपनी महिंद्रा देश में सबसे ज्यादा एसयूवी बेचने वाली कंपनियों में मारुति सुजुकी के बाद दूसरे स्थान पर है। महिंद्रा ने अब बोलेरो और बोलेरो नियो के स्पेशल एडिशन लॉन्च किए हैं, जिन्हें 'बोल्ड एडिशन' नाम दिया गया है। इस नए एडिशन में ग्राहकों को स्टाइल और फीचर्स के लिहाज से पहले से ज्यादा आकर्षक विकल्प मिलते हैं। इन एडिशनों के जरिए महिंद्रा ग्राहकों को एक ज्यादा स्टाइलिश और फीचर-समृद्ध विकल्प देने का प्रयास कर रही है, जो रफ एंड टफ उपयोग के साथ प्रीमियम लुक भी चाहता है। महिंद्रा बोलेरो बोल्ड एडिशन में कंपनी ने एक हिंदी टैगलाइन दी है बेमिसाल जज्बे की शान, बोल्ड की नई पहचान। इस संस्करण में डार्क क्रोम थीम वाला एक्सटीरियर और प्रीमियम ब्लैक इंटीरियर दिया गया है, जिससे इसका लुक ज्यादा दमदार और आकर्षक हो गया है। साथ ही इसमें स्पोर्टी ब्लैक फ्रंट बंपर भी शामिल है, जो इसकी मजबूती और स्टाइल को और बढ़ाता है। हालांकि, पावरट्रेन में कोई बदलाव नहीं किया गया है, यानी इंजन वही पुराने मॉडल जैसा रहेगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

वक्फ कानून...

मुर्शिदाबाद हिंसा के अगले दिन शनिवार 12 अप्रैल 2025 को हिंदू पिता-पुत्र की उनके मुस्लिम पड़ोसियों ने ही हत्या कर दी। इसके बाद हुई हिंसा में इलाके की दुकानें और बाजार पूरी तरह तबाह हो गए। किराना स्टोर, हार्डवेयर की दुकानें, इलेक्ट्रॉनिक्स और कपड़े की दुकानों को नष्ट कर दिया गया। मंदिरों को भी नहीं बख्शा गया। यह सब स्थानीय पुलिस स्टेशन से सिर्फ 300 मीटर की दूरी पर हुआ। जांच रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि घोषपारा (मुर्शिदाबाद का इलाका) में 29 दुकानें फूंकी गई या तोड़फोड़ की शिकार हुई। इस दौरान एक शॉपिंग मॉल जैसा बाजार लूट लिया गया और उसे बंद कर दिया गया।

जांच समिति में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण और न्यायिक सेवा के सदस्य शामिल थे। इस समिति ने गांवों का दौरा किया और हिंसा के शिकार लोगों से बात की। इसके बाद यह रिपोर्ट तैयार की गई, जिसे मंगलवार 20 मई 2025 को हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच के सामने पेश किया गया।

हाईकोर्ट को सौंपी गई इस रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि धूलियन में हुई हिंसा का नेतृत्व सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस के स्थानीय पार्षद मेहबूब आलम ने किया था और एक मॉल को भी लूट लिया गया था। समिति ने यह रिपोर्ट हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा करने और पीड़ितों से बातचीत के बाद तैयार की है। तीन सदस्यीय जांच समिति में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के रजिस्ट्रार जोगिंदर सिंह, पश्चिम बंगाल विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव सत्य अर्नब घोषाल और डब्लूबीजेएस के रजिस्ट्रार सौगत चक्रवर्ती शामिल थे। इन्होंने अपनी रिपोर्ट में इस बात का भी जिक्र किया है कि शुक्रवार को पहली बार हुए हमले के बाद स्थानीय तृणमूल नेताओं ने इलाके का दौरा किया और हिंदुओं के उन घरों की निशानदेही की जो हमले में बच गए थे। उसके बाद दंगाई मुसलमानों की भीड़ ने दोबारा हमला किया और इन घरों में आग लगाई। उन्होंने पानी का भी कनेक्शन काट दिया था ताकि आग नहीं बुझाई जा सके। वारदात के बाद पूरे क्षेत्र में स्थानीय महिलाएं डरी हुई हैं। सबसे अधिक वेटबोना गांव में दर्दनाक हादसा हुआ, जहां 113 घर आग के हवाले कर दिए गए और हरगोविंद दास और उनके बेटे चंदन दास को घर से खींचकर मौत से घाट उतारा गया। इसका कारण केवल इतना था कि वे हिंदू थे।

हाईकोर्ट ने 17 अप्रैल को इस समिति का गठन वक्फ अधिनियम को लेकर हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान विस्थापित हुए लोगों की पहचान और पुनर्वास के लिए किया था। कोलकाता हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति सौमेन सेन और न्यायमूर्ति राजा बसु चौधरी की खंडपीठ ने जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर कहा है कि राज्य सरकार के नाकाम रहने की स्थिति में पीड़ितों के लिए योग्य मूल्यांकन विशेषज्ञों की नियुक्ति ही एकमात्र उपाय है। खंडपीठ ने यह भी कहा कि प्रत्येक पीड़ित को अलग-अलग और विशेष पुनर्वास पैकेज की आवश्यकता है, जिसके लिए मूल्यांकन विशेषज्ञों की सेवा अत्यावश्यक है।

इससे पहले पश्चिम बंगाल सरकार ने भी हाईकोर्ट को एक रिपोर्ट सौंपी थी जिसमें आठ अप्रैल से 12 अप्रैल तक मुर्शिदाबाद जिले के विभिन्न क्षेत्रों में वक्फ अधिनियम को लेकर हुए प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा की जानकारी दी गई थी। सरकारी रिपोर्ट में कहा गया है कि जंगीपुर पुलिस जिला के अंतर्गत आने वाले सभी थाना क्षेत्रों में चार अप्रैल से ही वक्फ अधिनियम, 2025 को लेकर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए थे। ये प्रदर्शन आठ अप्रैल से हिंसक रूप लेने लगे। सबसे दर्दनाक घटना 12 अप्रैल को सामने आई जब शमशेरगंज थाना क्षेत्र के जाफराबाद में हरगोविंद दास और उनके बेटे चंदन दास की भीड़ द्वारा हत्या कर दी गई। स्थिति के नियंत्रण से बाहर होने पर 11 अप्रैल को शमशेरगंज में केंद्रीय बलों की तैनाती की गई और 12 अप्रैल को हाईकोर्ट के आदेश पर और अधिक केंद्रीय बल भेजे गए। सरकारी रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि बीएसएफ के हस्तक्षेप के बाद सुति, धूलियन, शमशेरगंज और जंगीपुर में स्थिति को नियंत्रण में लाया गया।

मुर्शिदाबाद में फैली इस हिंसा और प्रशासन की भूमिका पर अदालत की निगरानी में हुई जांच ने राज्य सरकार के समक्ष गंभीर सवाल खड़े किए हैं। यह हिंसा वक्फ संशोधन बिल के पास होने के दौरान शुरू हुई थी, जिसमें सोच-समझ कर हिंदुओं को निशाना बनाया गया। जब पीड़ित लोगों ने मदद के लिए पुलिस को फोन किया, तो पुलिस ने कोई जवाब नहीं दिया और पूरी तरह निष्क्रिय रही।

सोनिया और...

उन्होंने कहा कि उन्हें हाल ही में करीब 5,000 पन्नों के दस्तावेज मिले हैं और मई का महीना कोर्ट और वकीलों के लिए व्यस्त रहता है। इसलिए उन्होंने जून के अंत या जुलाई के पहले सप्ताह तक का समय मांगा। कोर्ट ने उनकी मांग को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए मामले को 2 जुलाई से 8 जुलाई तक रोजाना सुनवाई के लिए स्थगित कर दिया। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यह मामला एमपी-एमएलए कोर्ट के दायरे में आता है, इसलिए नियमित सुनवाई जरूरी है।इसके अलावा कोर्ट ने सुब्रमण्यम स्वामी की उस याचिका को भी मंजूरी दे दी, जिसमें उन्होंने नेशनल हेराल्ड केस की चार्जशीट और अन्य दस्तावेजों की कॉपी मांगी थी। ईडी ने सुनवाई के दौरान यह दलील दी कि सरकारी मंजूरी की जरूरत नहीं है, क्योंकि चार्जशीट एक अधिकृत अधिकारी के जरिए दायर की गई है, जो ईडी में सहायक निदेशक के पद पर है। राजू ने एक सरकारी आदेश का हवाला देते हुए कहा कि सरकार किसी अधिकारी को धारा 45 के तहत शिकायत दायर करने के लिए अधिकृत कर सकती है।

हाल ही में आरोपपत्र दाखिल करने वाली ईडी ने 2021 में अपनी जांच शुरू की थी, जब एक मजिस्ट्रेट अदालत ने 26 जून 2014 को स्वामी की ओर से दायर एक निजी शिकायत पर संज्ञान लिया था। नेशनल हेराल्ड धन शोधन मामले में संघीय एजेंसी का प्रतिनिधित्व कर रहे अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि आरोपी तब तक अपराध की आय का आनंद ले रहे थे जब तक कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नवंबर 2023 में नेशनल हेराल्ड से जुड़ी 751.9 करोड़ रुपए की सम्पत्ति जब्त नहीं कर ली।

ईडी ने दावा किया कि गांधी परिवार ने न केवल अपराध से प्राप्त धन को अर्जित करके धन शोधन किया, बल्कि उस पैसे को अपने पास भी रखा। ईडी ने बताया कि नेशनल हेराल्ड के संबंध में सोनिया गांधी, सैम पित्रोदा, सुमन दुबे और अन्य के खिलाफ प्रथम दृष्टया धन शोधन का मामला सामने आया है। इस बीच, न्यायाधीश ने संघीय एजेंसी को शिकायतकर्ता सुब्रमण्यम स्वामी को एक प्रति उपलब्ध कराने का आदेश दिया। ईडी ने 2021 में अपनी जांच शुरू करने के बाद हाल ही में अपना आरोपपत्र दाखिल किया।

नेशनल हेराल्ड मामले में पहली शिकायत 2012 में दर्ज की गई थी। हालांकि, ईडी ने 2014 में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामले की जांच शुरू की। यह तब हुआ जब एक ट्रायल कोर्ट ने 2012 में स्वामी की ओर से दायर एक निजी आपराधिक शिकायत के आधार पर अनियमितताओं की आयकर जांच का संज्ञान लिया था। आरोपों के अनुसार 2010 में, नेशनल हेराल्ड प्रकाशित करने वाली एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) में 1,057 शेयरधारक थे। स्वामी की शिकायत के अनुसार, गांधी परिवार ने धोखाधड़ी, आपराधिक गबन और विश्वासघात के जरिए यंग इंडियन लिमिटेड (वाईआईएल) का इस्तेमाल कर एजेएल का अधिग्रहण किया।

2008 में भारी कर्ज के बोझ तले दबी एजेएल ने वित्तीय तंगी का हवाला देते हुए नेशनल हेराल्ड का प्रकाशन बंद कर दिया। दो साल बाद वाईआईएल बना। सोनिया और राहुल गांधी के पास इसके 38-38 फीसदी शेयर थे, जो संयुक्त रूप से 78 फीसदी था। चूंकि एजेएल पर कांग्रेस का 90.25 करोड़ रुपए बकाया था, इसलिए पार्टी ने 50 लाख रुपए में इस लोन को वाईआईएल को हस्तांतरित कर दिया। इस हस्तांतरण के साथ ही एजेएल का नियंत्रण वाईआईएल को हस्तांतरित हो गया, अब इस पर अब एजेएल का 99 प्रतिशत स्वामित्व है। ये सारे बदलाव राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) या किसी अन्य नियामक संस्था की निगरानी के बगैर किया गया। जिससे इस लेनदेन पर सवाल उठने लगे।

वक्फ इस्लाम...

संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की 36 बैठकें हुई। कुछ याचिकाकर्ता पूरे मुस्लिम समुदाय की राय का दावा नहीं कर सकते।

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा था कि संसद से पारित किसी भी कानून को संवैधानिक माना जाता है, जब तक कि उसके खिलाफ कोई बहुत ही स्पष्ट और गंभीर मामला पेश न किया जाए। याचिकाकर्ताओं की ओर से बहस कर रहे सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने जब अपनी दलीलें शुरू कीं, तो सीजेआई बीआर गवई ने कहा कि हर कानून के पक्ष में संवैधानिकता की धारणा होती है। अंतरिम राहत के लिए आपको एक बहुत मजबूत और स्पष्ट मामला बनाना होगा।

घुसपैठिए छीन...

मैंने डीजीपी को पत्र लिखकर तट पर कड़ी निगरानी रखने को कहा है।

डिप्टी सीएम ने कहा कि अतीत में हुए जघन्य हमलों से यह साबित होता है कि दक्षिणी राज्य आतंकवादियों के लिए संवेदनशील लक्ष्य हैं। कोयंबटूर और हैदराबाद में हुए आतंकवादी हमले आज भी दिल की धड़कन बढ़ा देते हैं। उन्होंने तेलंगाना और आंध्र प्रदेश पुलिस द्वारा चलाए गए संयुक्त अभियान का हवाला देते हुए कहा कि उन्होंने राज्य में कथित तौर पर आतंकवादियों से जुड़े एक व्यक्ति का पता चलने के बाद पुलिस को अतिरिक्त सतर्कता बरतने के लिए लिखा था।

कल्याण ने कहा कि मैंने सुझाव दिया कि प्रशासनिक मशीनरी के साथ कोऑर्डिनेशन करके आतंकवाद का समर्थन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। अगर उचित निगरानी रखी जाए, खासकर प्रवासियों के मामले में तो भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सकता है।तटीय क्षेत्र में निरंतर निगरानी और निगरानी बढ़ाने की भी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों काकीनाडा में नावों पर बाहर से लोगों के आने की कुछ खबरें आई थीं। हमारे तटों पर कौन उतर रहा है, इस पर नजर रखें। जन सेना पार्टी चीफ ने कहा कि रोहिंग्या प्रवास पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अतीत में, रोहिंग्या प्रवासी पश्चिम बंगाल से आंध्र प्रदेश के कई हिस्सों में आए थे। खासकर 2017-18 में बड़ी संख्या में लोग सुनार के रूप में काम करने के लिए कोलकाता से राज्य के विभिन्न हिस्सों में आए थे। रोहिंग्या की जड़ें म्यांमार में हैं। उनके पलायन के साथ, स्थानीय युवाओं को बेरोजगारी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। मुख्य मांग तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में स्थानीय लोगों के लिए नौकरियों की है। हालांकि, रोहिंग्या देश भर से आने के बाद यहां स्थायी निवास स्थापित करने के लिए राशन, आधार और मतदाता कार्ड प्राप्त कर रहे हैं। वे ऐसी नौकरियां और व्यवसाय कर रहे हैं जो हमारे युवाओं का होना चाहिए।

कल्याण ने कहा कि रोहिंग्याओं के लिए स्थायी निवास स्थापित करने में हमारी व्यवस्था लापरवाह है। उन्हें आधार, वोटर और राशन कार्ड कैसे मिल रहे हैं? यह स्पष्ट है कि उन्हें कौन दे रहा है। यह समझा जाता है कि हमारी व्यवस्था में कुछ लोग उनके साथ सहयोग कर रहे हैं। सभी को इस बात से अवगत कराया जाना चाहिए कि कैसे रोहिंग्या इस देश के नागरिक बन रहे हैं और हमारे अवसरों को छीन रहे हैं।

अमृत स्टेशनों से ...

और शिलान्यास का भी सुअवसर मिलेगा। इनमें अनेक सड़क परियोजनाएं भी शामिल हैं। इनसे जहां आवाजाही की सुविधाएं बढ़ेंगी, वहीं सीमावर्ती क्षेत्रों में हमारे डिफेंस इंफ्रास्ट्रक्चर को भी और मजबूती मिलेगी।

कैश वाले जज...

बेंच ने कहा कि याचिकाकर्ताओं ने कार्रवाई की मांग करते हुए राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के सामने कोई भी प्रतिवेदन दायर नहीं किया है, इसलिए परमादेश की मांग करने वाली रिट याचिका पर विचार करने का कोई मतलब नहीं है। जैसे ही इस मामले की सुनवाई शुरू हुई जस्टिस ओका ने वरिष्ठ वकील नेदुंपरा से कहा, एक इंटरनल इंक्वायरी रिपोर्ट थी। इसे भारत के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भेज दिया गया है। इसलिए मूल नियम का पालन करें। अगर आप परमादेश रिट की मांग कर रहे हैं, तो आपको पहले उन अधिकारियों के सामने अभिवेदन करना होगा जिनके सामने यह मुद्दा पेंडिंग है। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री द्वारा कार्रवाई की जानी है।

जस्टिस ओका ने कहा, हम यह नहीं कह रहे हैं कि आप रिपोर्ट दाखिल नहीं कर सकते। आपको रिपोर्ट की विषय-वस्तु नहीं पता है। हमें भी उस रिपोर्ट की विषय-वस्तु नहीं पता है। आप उन्हें कार्रवाई करने के लिए कहते हुए एक प्रतिवेदन दें। यदि वे कार्रवाई नहीं करते हैं, तो आप यहां आ सकते हैं। इसके बाद नेदुंपरा ने वीरास्वामी फैसले पर सवाल उठाया जिसके आधार पर इन-हाउस इंक्वायरी की गई थी और कहा कि फैसले पर फिर से विचार किया जाना चाहिए। जस्टिस ओका ने कहा कि आखिरकार आपकी मुख्य प्रार्थना यह है कि संबंधित जज के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

उल्लेखनीय है कि जज यशवंत वर्मा 14 मार्च को अपने आधिकारिक आवास के स्टोर रूम में आग लगने की रिपोर्ट के बाद जांच के दायरे में आए। उनके आवास से बड़ी मात्रा में नकदी बरामद की गई थी। 21 मार्च को भारत के चीफ जस्टिस ने दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय की रिपोर्ट के बाद मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया। इसमें आगे की जांच की सिफारिश की गई थी। जज के घर पर कैश मिलने का मामला उपराष्ट्रपति धनखड़ भी कई बार उठा चुके हैं। पीठ ने याचिकाकर्ता मैथ्यूज नेद-ुम्परा और अन्य को पहले उचित कार्यकारी प्राधिकरण से सम्पर्क करने की सलाह दी। यह दूसरी बार था जब याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उनका पिछला प्रयास भी खारिज कर दिया गया था।

एक करोड़ का...

मारे गए 27 खूंखार माओवादियों में सीपीआई-माओवादी का महासचिव, शीर्ष नेता और नक्सल आंदोलन की रीढ़ नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजू भी शामिल हैं। नक्सलवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई के तीन दशकों में यह पहली बार है कि सुरक्षाबलों द्वारा महासचिव स्तर का नेता मारा गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस उपलब्धि पर खुशी जताई और सुरक्षाबलों को उनकी बहादुरी के लिए बधाई दी है। अमित शाह ने कहा, मैं इस बड़ी सफलता के लिए हमारे बहादुर सुरक्षा बलों और एजेंसियों की सराहना करता हूं। यह बताते हुए भी खुशी हो रही है कि ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट के पूरा होने के बाद, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और महाराष्ट्र में 54 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है और 84 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। मोदी सरकार 31 मार्च 2026 से पहले नक्सलवाद को खत्म करने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

बसव राजू ने 2018 में गणपति की जगह सीपीआई (माओवादी) के महासचिव का पद संभाला। गणपति या मुप्पला लक्ष्मण राव 2004 में पीपुल्स वार और एमसीसी के विलय के बाद सीपीआई (माओवादी) के पहले महासचिव थे। माना जाता है कि वह फिलीपींस भाग गया। आरईसी वारंगल से बसवा राजू ने बीएससी और बीटेक की डिग्री भी हासिल की। अभी उसकी उम्र लगभग 70 साल है। बसवा राजू को चिंतलनार में सीआरपीएफ के 76 जवानों को मारने वाले माओवादियों का नेतृत्वकर्ता माना जाता है। इतना ही नहीं झीरम घाटी में कांग्रेस के काफिले पर घात लगाकर हमला करने के लिए भी उसे जाना जाता है। इसमें राज्य के पार्टी नेताओं को चाकू घोंप दिया था और गोली मार दी गई थी।

वह आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले से है और बचपन से ही सीपीआई (एमएल) पीपुल्स वार ग्रुप की तरफ उसका ज्यादा आकर्षण रहा है। 1980 के दशक की शुरुआत में वह इसमें शामिल हो गया।

माओवादी विचारधारा की तरफ आने से पहले बसवा राजू स्कूल और जूनियर कॉलेज में कबड्डी खिलाड़ी था। उसने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वारंगल से बीटेक की डिग्री हासिल की थी। बसव राजू सीपीआई (माओवादी) सैन्य आयोग का नेतृत्व कर रहा था। केशव राव ने ऐसे समय में अपनी ग्रेजुएशन पूरी की थी, जब एनआईटी माओवादी विचारधारा का केंद्र बन गया था। इतना ही नहीं इंस्टीट्यूट में पढ़ने वाले कई छात्र माओवादी आंदोलन में शामिल हो गए थे। उसे लिट्टे जैसे अन्य गुरिल्ला आंदोलनों के साथ मेलजोल रखने और आंध्र प्रदेश, ओड़ीशा और छत्तीसगढ़ में बड़े पैमाने पर काम करने के लिए जाना जाता है।

बसवा राजू को एक्सप्लोसिव एक्सपर्ट के तौर पर भी जाना जाता है। वह सुरक्षाबलों पर घात लगाने के लिए घातक आईईडी तैयार करता था। एनआईए ने उस पर करीब 1 करोड़ रुपए का इनाम भी रखा था। 23 सितंबर 2018 को माओवादियों ने अराकू तेलुगु देशम पार्टी के विधायक किदारी सर्वेश्वर राव और पूर्व विधायक सिवेरी सोमा की हत्या कर दी थी। यह सब कुछ बसवराज की प्लानिंग का ही नतीजा मान रहे थे।

मासिक शिवरात्रि के दिन करें ये उपाय, घर में जल्द बजेगी शहनाई

मासिक शिवरात्रि के दिन विधिपूर्वक भगवान शिव और मां पार्वती की विशेष पूजा-अर्चना होती है। साथ ही अन्न और कपड़े समेत आदि चीजों का दान किया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, मासिक शिवरात्रि व्रत और पूजा करने से साधक को महादेव की कृपा प्राप्त होती है। साथ ही जीवन में खुशियों का आगमन होता है।

अगर आप भी महादेव को प्रसन्न करना चाहते हैं, तो मासिक शिवरात्रि के दिन पूजा के साथ उपाय जरूर करें। ऐसा माना जाता है कि मासिक शिवरात्रि के दिन उपाय करने से विवाह में आ रही बाधा से छुटकारा मिलता है। साथ ही सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है।

वैदिक पंचांग के अनुसार, 25 मई को दोपहर में 03 बजकर 51 मिनट पर ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि शुरू होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 26 मई को दोपहर में 12 बजकर 11 मिनट पर होगा। ऐसे में मासिक शिवरात्रि व्रत 25 मई को किया जाएगा।

इस दिन शिव जी की पूजा करने का शुभ मुहूर्त दोपहर में रात 11 बजकर 58 मिनट से 12 बजकर 38 मिनट तक। इस दौरान किसी भी समय पूजा कर सकते हैं।

मंगल दोष को ऐसे करें दूर

मंगल दोष की समस्या से छुटकारा पाने के लिए मासिक शिवरात्रि का दिन शुभ माना जाता है। इस दिन

सुबह स्नान करने के बाद महादेव के संग मां पार्वती की पूजा-अर्चना करें। गंगाजल में लाल फूल, लाल चंदन डालकर शिवलिंग का अभिषेक करें। इस दौरान महादेव के मंत्रों का जप करें। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस उपाय को करने से कुंडली में मंगल दोष दूर होता है। साथ ही साधक को जीवन में सभी सुख मिलते हैं।

मिलेगा मनचाहा वर

अगर आप मनचाहा वर पाना चाहते हैं, तो मासिक शिवरात्रि के दिन गंगाजल और शहद से शिवलिंग का अभिषेक करें। साथ ही मनचाहा वर की प्राप्ति के लिए प्रार्थना करें। आखिरी में आरती करने के बाद भोग लगाएं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस टोटके को करने से मनचाहा वर मिलता है।

शादी में आ रही बाधा होगी दूर

शादी में आ रही बाधा को दूर करने के लिए मासिक शिवरात्रि के दिन शिवलिंग का केसर और दूध से अभिषेक करें। इस उपाय को करने से शादी में आ रही बाधा दूर होती है। साथ ही जल्द ही विवाह के योग बनते हैं।

प्रदोष व्रत के दिन इन जगहों पर जलाएं दीपक, घर में बनी रहेगी सुख-शांति

हर महीने में दो बार प्रदोष व्रत किया जाता है। इस खास तिथि पर देवों के देव महादेव और मां पार्वती की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। साथ ही कुछ जगहों पर दीपक जलाने का विधान है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस उपाय को करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का आगमन होता है और सुख-शांति बनी रहती है। प्रदोष व्रत करने से भगवान शिव की कृपा से साधक को कारोबार में सफलता मिलती है। ऐसे जानते हैं कि प्रदोष के दिन किन जगहों पर दीपक जाना शुभ माना जाता है।

महादेव की कृपा होगी प्राप्त

सनातन धर्म में रोजाना घर के मुख्य द्वार दीपक जलाना शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, घर के मुख्य द्वार पर दीपक जलाने से नकारात्मक ऊर्जा से छुटकारा मिलता है। साथ ही घर में सुख-शांति बनी रहती है। ऐसे में आप प्रदोष व्रत के दिन संध्याकाल में घर के मेन गेट पर तेल या देसी घी का दीपक जरूर जलाएं। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय को करने से महादेव साधक को महादेव की कृपा प्राप्त होगी।

कभी खाली नहीं होगी तिजोरी

धार्मिक मान्यता के अनुसार, तुलसी के पौधे में मां लक्ष्मी का वास माना जाता है। इस पौधे को अधिकतर हिंदुओं के घरों में देखने को मिलता है। ऐसा माना जाता है कि इस पौधे को घर में लगाने से मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है। साथ ही तिजोरी कभी खाली नहीं होती है, तो ऐसे में आप भी प्रदोष व्रत के दिन तुलसी के पास देसी घी का दीपक जलाएं। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय करने से मां लक्ष्मी की कृपा से रुके हुए काम पूरे होंगे और धन लाभ के योग बनेंगे।

जरूर करें दीपदान

प्रदोष व्रत के दिन सुबह पवित्र नदी में स्नान करें और सूर्य देव को अर्घ्य देने के बाद दीपदान जरूर करें। धार्मिक मान्यता के अनुसार, प्रदोष व्रत के दिन दीपदान करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। साथ ही उनकी कृपा से जीवन में खुशियों का आगमन होता है।

प्रदोष व्रत शुभ मुहूर्त

ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि की शुरुआत- 24 मई को सुबह 07 बजकर 20 मिनट पर ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि का समापन- 25 मई को दोपहर 03 बजकर 51 मिनट पर ऐसे में 24 मई को प्रदोष व्रत किया जाएगा।

राहु कर चुके हैं कुंभ राशि में गोचर
जानिए किन दो राशियों को मिलेगा लाभ

वर्तमान में राहु देव मीन राशि में गोचर कर रहे हैं तथा पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र में स्थित हैं। यह नक्षत्र बृहस्पति देव के आधिपत्य में आता है। 18 मई 2025 को राहु देव कुम्भ राशि में प्रवेश किया, किंतु तब भी वे पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र में ही स्थित रहेंगे।

इसके बाद, 25 नवम्बर 2025 को राहु देव शतभिषा नक्षत्र में प्रवेश करेंगे, जो स्वयं राहु देव के ही स्वामित्व वाला नक्षत्र है। इस समय के दौरान राहु देव की शक्ति अत्यंत प्रबल रहेगी और वे अपने कारकत्वों के अनुसार परिणाम देने में सक्षम होंगे।

मिलेंगे ये परिणाम

राहु देव यहां लगभग 9 माह तक स्थित रहेंगे, इसके उपरांत वे धनिष्ठा नक्षत्र में प्रवेश करेंगे, जिसका स्वामी मंगल देव हैं। चूंकि राहु और मंगल देव के बीच शत्रुता मानी जाती है, इसलिए इस काल में राहु देव की स्थिति से उत्पन्न विपरीत परिणाम, शुभताओं पर हावी हो सकते हैं। वहीं दूसरी ओर, केतु देव इस समय कन्या राशि में उत्तर फाल्गुनी नक्षत्र में स्थित हैं।

इस राशि पर होगा प्रभाव

18 मई 2025 को केतु देव सिंह राशि में प्रवेश किया, किंतु वे 20 जुलाई 2025 को पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र में प्रवेश करेंगे, जिसका स्वामी शुक्र देव हैं। इसके पश्चात अगले वर्ष, 29 मार्च 2026 को केतु देव मघा नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। यह नक्षत्र स्वयं केतु देव के अधीन होता है, जिससे यह समय उनके लिए आत्मबल और परिणाम देने की दृष्टि से अत्यंत प्रभावकारी हो सकता है।

कुंभ राशि में राहु देव

राहु देव को कुंभ राशि में अत्यंत स्वाभाविक और अनुकूल अनुभव होता है। इस राशि के सह-स्वामी स्वयं राहु देव माने जाते हैं। राहु देव मोह, भ्रांतियों, सीमाओं को तोड़ने, भविष्यवादी सोच, विदेशी तत्वों तथा विद्रोही प्रवृत्तियों के प्रतीक माने जाते हैं। कुंभ राशि स्वयं अपारंपरिक चिंतन, सामूहिकता (जैसे समूह में कार्य करना), नवाचार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे भविष्यमुखी विषयों एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़ी होती है।

जैसे ही राहु देव इस वर्ष के अंत में अपने ही नक्षत्र शतभिषा में प्रवेश करेंगे, कृत्रिम बुद्धिमत्ता या ऐसी किसी अन्य तकनीकी क्रांति से संबंधित कुछ महत्व-पूर्ण वैश्विक घटनाएं घट सकती हैं।

सिंह राशि में केतु देव

यह स्थिति अत्यंत तीव्र और उग्र मानी जाती है, क्योंकि केतु देव स्वयं एक अग्नितत्व प्रधान ग्रह हैं और सिंह राशि भी अग्नि तत्व की ही एक प्रमुख राशि है। हालाँकि, यह स्थान एक आंतरिक विरोधाभास भी उत्पन्न करता है। केतु देव का स्वरूप वैराग्य, त्याग, अहं के विसर्जन और आत्म-निवृत्ति से जुड़ा है, जबकि सिंह राशि आत्म-प्रदर्शन, अहंभाव, नेतृत्व और पहचान के उत्कर्ष की प्रतीक मानी जाती है।

ऐसे में सिंह राशि में केतु देव का गोचर आत्मविश्वास में किसी प्रकार की गिरावट ला सकता है, किन्तु यह अवस्था व्यक्ति को अपने जीवन का उद्देश्य, नेतृत्व की शैली और पहचान को बिना बाहरी मान्यता या प्रशंसा के पुनर्परिभाषित करने की ओर भी प्रेरित कर सकती है।

इन उपायों से कुंडली में मजबूत हो सकता है शुक्र
सुख-सुविधाओं की नहीं होती कोई कमी

माना जाता है कि जिस जातक की कुंडली में शुक्र ग्रह की स्थिति ठीक होती है, उसके जीवन में भौतिक सुखों की कोई कमी नहीं होती। साथ ही प्रेम संबंध भी मजबूत बने रहते हैं। ऐसे में अगर आप भी अपनी कुंडली में शुक्र ग्रह की स्थिति मजबूत करना चाहते हैं, तो इसके लिए ये उपाय कर सकते हैं।

अगर किसी जातक की कुंडली में शुक्र की स्थिति कमजोर होती है, तो इससे व्यक्ति के दांपत्य जीवन पर बुरा प्रभाव पड़ता है और जातक सुख नहीं रहता। साथ ही व्यक्ति को कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं भी घर लेती हैं। इसके साथ ही कुंडली में शुक्र कमजोर होने पर जातक का आत्मविश्वास कमजोर होता है और उसे मान-सम्मान की प्राप्ति नहीं होती।

इस दिन करें व्रत

शुक्र ग्रह को प्रसन्न करने के लिए शुक्रवार का दिन सबसे उत्तम माना जाता है। ऐसे में आपको इस दिन पर व्रत जरूर करना चाहिए। इससे भी कुंडली में शुक्र ग्रह को मजबूत किया

जा सकता है। लगातार इस व्रत को करने से व्यक्ति को सुख, सौभाग्य और समृद्धि का आशीर्वाद मिलता है।

करें इन मंत्र का जप

शुक्र ग्रह की स्थिति मजबूत करने के लिए शुक्रवार के दिन सफेद रंग के कपड़े पहनने और शुक्र मंत्र ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः का 108 बार जप करें। इसके सथ ही आप शुक्रवार की पूजा के बाद किसी गरीब ब्राह्मण को सफेद रंग के कपड़े, सुगंधित वस्तुएं, सौदर्य की सामग्री और इत्र आदि का दान कर सकते हैं। ऐसा करने से जातक की कुंडली में शुक्र की स्थिति मजबूत हो सकती है।

करें इन चीजों का दान

कुंडली में शुक्र ग्रह की स्थिति मजबूत करने के लिए सफेद रंग वस्तुओं का दान जैसे सफेद वस्त्र, दूध, दही, चीनी, चावल, घी, मिश्री, कपूर और सफेद मिठाई आदि का दान कर सकते हैं। इससे आपको अपनी स्थिति में लाभ देखने को मिल सकता है।

रात में सोने से पहले अपनाएं ये वास्तु टिप्स नींद से जुड़ी समस्याएं होगी दूर

कहा जाता है कि अगर घर में वास्तु नियमों का ध्यान रखा जाए, तो इससे घर में सुख-समृद्धि का माहौल बना रहता है। आज हम आपको कुछ ऐसे वास्तु टिप्स बताने जा रहे हैं, जिनका पालन करने से आपको नींद न आने की समस्या से छुटकारा मिल सकता है।

सोने की सही दिशा - उत्तर दिशा में सिर करके सोने से बचना चाहिए, क्योंकि ऐसा करने पर आपके पैर दक्षिण दिशा की ओर होंगे जिसे बिल्कुल भी शुभ नहीं माना जाता। इसके साथ ही इस बात का भी ध्यान रखें आपका बिस्तर कभी भी उत्तर-पूर्व दिशा में नहीं होना चाहिए। इससे व्यक्ति को नींद संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

सिरहाने रखकर सोएं ये चीजें - वास्तु शास्त्र के नियमों के अनुसार, सोने से पहले एक तांबे के लोटे में पानी भरकर उसे अपने सिरहाने पर रख लें। सुबह उठकर इस पानी को किसी पौधे में डाल दें। ऐसा करना काफी शुभ माना जाता है। इसके साथ ही आप तकिए के नीचे हरी इलायची रखकर भी सो सकते हैं। ऐसा करने से नींद न आने की समस्या दूर होती है।

सोने से पहले करें ये काम - सोने से पहले अपने इष्ट देव का ध्यान करना चाहिए। इसी के साथ इस बात का भी ध्यान रखें कि सोते समय मन में किसी तरह के नकारात्मक विचार न लाएं, बल्कि हमेशा कुछ सकारात्मक विचारों के साथ ही सोना चाहिए। इसी के साथ हाथ-पैर धोकर सोने से भी अच्छी नींद आती है।

इन चीजों से बनाएं दूरी - अपने बिस्तर के पास कभी भी इलेक्ट्रॉनिक सामान जैसे फॉन, टेब आदि रखकर न सोएं और न ही सोने से पहले ज्यादा देर इनका इस्तेमाल करें। ऐसा करने से आपकी नींद में बाधा उत्पन्न हो सकती है। इसके साथ ही वास्तु शास्त्र में यह बताया गया है कि सोते समय कभी भी अपने सिरहाने के पास चमड़े से बनी चीजें नहीं रखनी चाहिए, यह भी आपके लिए नुकसानदायक साबित हो सकती हैं।

करते हैं शालिग्राम जी की पूजा, तो जरूर रखें इन बातों का ध्यान

आपने कई घरों में शालिग्राम भगवान को विराजते हुए होते हुए देखा होगा। विष्णु पुराण में इस बात का वर्णन किया गया है कि जिस घर में शालिग्राम स्थापित किए जाते हैं, वह घर किसी तीर्थ से कम नहीं होता। माना जाता है कि शालिग्राम जी की पूजा तभी सफल होती है, जब उनके नियमों का ध्यान रखा जाए।

इस तरह करें पूजा

सुबह जल्दी उठकर स्नान आदि से निवृत हो जाएं।

शालिग्राम जी को पंचामृत (दूध, दही, शहद, शक्कर, घी) से स्नान कराएं।

इसके बाद चंदन का तिलक लगाएं और फूल व फल अर्पित करें।

शुद्ध घी का दीपक जलाएं और भगवान विष्णु की आरती करें।

भोग में तुलसी का पत्ता जरूर डालें।

अंत में सभी लोगों में प्रसाद बांटें।

इन बातों का रखें ध्यान

शालिग्राम जी की नियमित रूप से पूजा-अर्चना करने का विधान है। ऐसे में कोशिश करें कि पूजा का क्रम न टूटे। पूजा के दौरान पवित्रता और स्वच्छता का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए। शालिग्राम को तुलसी के पौधे के पास रखना ज्यादा शुभ माना जाता है। शालिग्राम जी भगवान विष्णु के ही स्वरूप हैं, ऐसे में उनके भोग में तुलसी

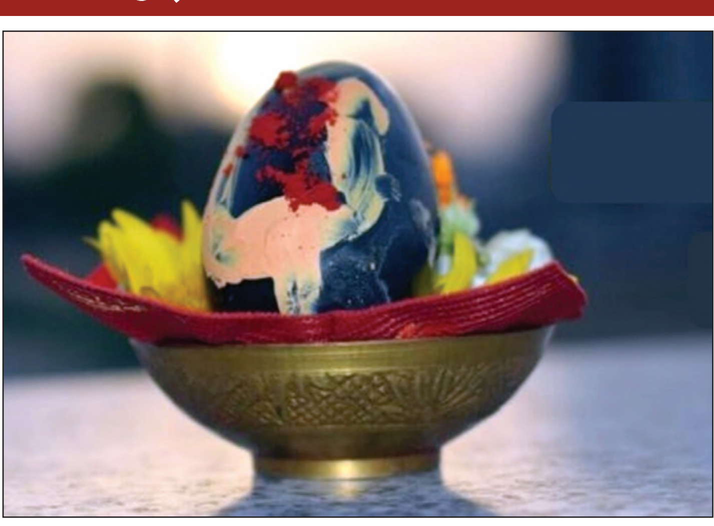

जरूर शामिल करें।

तभी मिलेगा पूर्ण फल

शालिग्राम जी की पूजा में कभी भी उन्हें अक्षत नहीं चढ़ाना चाहिए। जहां भी आपने शालिग्राम जी को स्थापित किया है वहां पर पवित्रता और स्वच्छता का जरूरी रूप से ध्यान रखें। घर में एक से ज्यादा शालिग्राम रखना भी शुभ नहीं माना जाता। शालिग्राम जी पूजा करने वाले साधक को मांस-मदिरा का सेवन नहीं करना चाहिए। इस बातों का ध्यान रखने पर ही आपको पूजा का पूर्ण फल मिल सकता है।

पूजा के मंत्र

आप शालिग्राम की पूजा में इन मंत्रों का जप कर सकते हैं, जिससे आपको प्रभु श्रीहरि की भी कृपा की प्राप्ति होती है -

1. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
2. श्रीकृष्ण गोविन्द हरे मुरारे।
हे नाथ नारायण वासुदेवाय।।
3. ॐ नारायणाय विद्महे। वासुदेवाय धीमहि। तन्नो विष्णु प्रचोदयात्।।
4. ॐ विष्णवे नम:
5. ॐ हूं विष्णवे नम:

फिल्म वॉर 2 के टीजर ने फाइटर और एनिमल को पछाड़ा

अयान मुखर्जी की डायरेक्टेड और आदित्य चोपड़ा की प्रोड्यूस्ड फिल्म वॉर 2 का टीजर 20 मई को जारी किया गया। ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर के एक्शन के बीच कियारा आडवाणी के ग्लैमर ने सबका ध्यान खींचा लेकिन काफी आलोचना का भी शिकार हुईं। हिंदी, तमिल और तेलुगू में आ रही ये पैन इंडिया फिल्म, रिलीज से पहले ही कुछ फ्लॉप फिल्मों से एक मामले में पीछे रह गई है। वह उनका रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाई है। हम बात कर रहे हैं इसके टीजर की। यूट्यूब पर सबसे ज्यादा देखे जाने वाले टॉप 10 टीजर में इस फिल्म की गिनती कहां पर हो रही है, आइए बताते हैं।

दरअसल, कोई भी फिल्म अपनी रिलीज से पहले उसका पोस्टर और टीजर जारी करके दर्शकों के बीच अपनी जगह बनाने की कोशिश करती है। वॉर की अपार सफलता के बाद वॉर 2 को लेकर लंबे समय से हाइप क्रिएट हो रहा था। पहले इस मूवी के एक्शन सीन्स की बातें हो रही थीं और फिर कास्ट एक्साइटमेंट बढ़ा रही थीं। जब पहली झलक देखने को मिली तो कुछ खास कमाल नहीं कर पाई।

ऋतिक रोशन, जूनियर एनटीआर और कियारा आडवाणी स्टारर थरी 2 के टीजर को 24 घंटे के अंदर कुल 25.75 एम व्यूज मिले हैं। इसने तमिल भाषा में 404के, तेलुगू में 3.53एम और हिंदी में 21.81च् व्यूज हासिल किए हैं। जो कि ऋतिक, दीपिका पादुकोण स्टारर फाइटर से ज्यादा हैं। उसके टीजर को 24 घंटे में 23.1 मिलियन व्यूज यूट्यूब पर मिले थे। ऐसे में ऋतिक ने अपनी फिल्म को पीछे छोड़ दिया, मगर प्रभास से लेकर अल्लू अर्जुन और यश को पछाड़ नहीं सके।

अगर टॉप 10 फिल्मों की बात करें तो इसमें पहले नंबर पर है प्रभास और पृथ्वीराज सुकुमारन की फिल्म सालार पार्ट 1-सीजफायर, इसके टीजर को 24 घंटे में 83 मिलियन व्यूज मिले थे। दूसरे नंबर पर भी प्रभास का ही राज है। उनकी और कृति सेनन की फिल्म आदिपुरुष ने भी रिकॉर्ड बनाया था और 68.9 मिलियन व्यूज हासिल किए थे। तीसरे नंबर पर यश और श्रीनिधि शेट्टी स्टारर केजीएफ चैप्टर 2 है, जिसके टीजर को 68.8 मिलियन व्यूज मिले थे।

पांचवे नंबर पर भी प्रभास का कब्जा है। उनकी राधे श्याम भले फ्लॉप हुई। लेकिन टीजर को 42.7 मिलियन व्यूज 24 घंटे के अंदर मिले थे। अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 छठवें नंबर पर है क्योंकि उसके टीजर को 39.3 मिलियन व्यूज मिले और सातवें नंबर पर शाहरुख खान की डंकी है, जिसे 36.8 मिलियन व्यूज मिले थे। इनके अलावा, आठवें पर अजय देवगन की मैदान है, जिसको 29.5 मिलियन व्यूज मिले थे।नौवें पर फाइटर को रिप्लेस करते हुए वॉर 2 आ गई है और दसवें पर रणबीर कपूर की एनिमल आ गई है, जिसे 22.6 मिलियन व्यूज मिले थे। इस लिस्ट में सलमान खान भी शामिल हैं, जिनकी 2019 में आई फिल्म भारत के टीजर को 21.4 मिलियन व्यूज मिले थे।

अदिति राव हैदरी ने कान फिल्म फेस्टिवल में लगाया भारतीय नारी का तड़का

उर्वशी रौतेला, अनुष्का सेन, जान्हवी कपूर समेत अन्य के बाद अब अदिति राव हैदरी भी 78वें कान फिल्म फेस्टिवल पहुंची हैं। उन्होंने इंटरनेट पर अपनी तस्वीरें शेयर की हैं, जिसे देख हर कोई उनकी तारीफ कर रहा है। उनके पति और एक्टर सिद्धार्थ भी उनसे नजरें नहीं हटा पा रहे हैं। हालांकि फोटोज रेड कार्पेट की नहीं हैं, बल्कि समंदर के किनारे की है, जहां वह एकदम भारतीय नारी के रूप में सबका दिल जीत रही हैं।

कान फिल्म फेस्टिवल में हर बार एक्ट्रेसेस को गाउन में देखा जाता है। लेकिन अदिति राव हैदरी ने भारतीय साड़ी को चुना। लाल रंग की साड़ी पहने हुए वह समंदर किनारे पोज दे रही हैं। इसके साथ ही उनकी मांग में लगा सिद्धार्थ के नाम का सिंदूर भी सबको अपनी दीवाना बना रहा है। उन्होंने माथे पर बिंदी भी लगाई हौ और मैचिंग ज्वैलरी भी कैरी की है।

इस पोस्ट पर हर किसी ने प्यार लुटाया है। पति सिद्धार्थ ने तो रेड हार्ट इमोजी से एक्ट्रेस पर प्यार बरसाया है। उनके एक फैन पेज ने भी एक खूबसूरत कमेंट किया है, जिसमें लिखा, 'अदृ ने आपके लिए सिंदूर लगाया है।' एक्टर अभय वर्मा, नितांशी गोयल, अर्पिता चक्रवर्ती समेत अन्य ने एक्ट्रेस की सुंदरता की तारीफ की। एक यूजर ने लिखा, सिंदूर आपकी खूबसूरती को और बढ़ा रहा है। एक ने लिखा, आपने जो सिंदूर लगाया है, वो इस पूरे लुक में जान फूंक रहा है। एक ने हैरानी जताते हुए लिखा, वाह सिंदूर। बहुत सुंदर। एक ने लिखा, इस सिंदूर लुक के साथ आप बहुत खूबसूरत लग रही हैं। अदिति राव हैदरी ने सिद्धार्थ से 2024 में तेलंगाना के वानापार्थी में शादी की थी। दोनों की ये दूसरी शादी थी। इनका पहले पार्टनर से तलाक हो गया था और ये लंबे समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। अदिति राव हैदरी को आखिरी बार हीरामंडी सीरीज में देखा गया था।

टाइगर श्रॉफ की सबसे छोटी और सबसे प्यारी डांस राइवल के साथ धांसू परफ़ॉर्मेंस ने लूटा महफिल

एक अवॉर्ड शो के दौरान सभी की निगाहें एक्शन सुपरस्टार टाइगर श्रॉफ पर टिकी थीं, जब उन्होंने अपने धमाकेदार डांस परफॉर्मेंस से मंच पर धूम मचा दी थी। लेकिन असली सरप्राइज़ तो तब आया जब उनके धमाकेदार डांस से पहले एक नन्ही फैन और उनकी छोटी डांस राइवल स्टेज पर उनके साथ शामिल हुईं। इस प्यारे और अचानक हुए डांस फेस-ऑफ़ ने पूरे दर्शकों का दिल जीत लिया।

अपनी बेजोड़ फुर्ती, दमदार एक्शन और बेहतरीन डांस मूव्स के लिए मशहूर टाइगर ने एक बार फिर से अपने डांस से दर्शकों का दिल जीत लिया। कई लोगों ने इसे रात का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन बताया। हवा में कलाबाज़ियाँ हो या म्यूज़िक पर उनका स्मूद डांस, टाइगर ने स्टेज पर सचमुच धमाका कर दिया।

लेकिन जिस पल ने सबका दिल छू लिया, वह था उस नन्ही डांसर के साथ टाइगर का साझा किया गया मनमोहक पल। टाइगर, जिन्हें हमेशा से बच्चों से लगाव रहा है और जिन्हें अक्सर अपने सबसे छोटे प्रशंसकों के साथ बातचीत करते हुए देखा जाता है, टाइगर ने इस छोटे फैन के साथ मस्तीभरे अंदाज़ में डांस किया-एक ऐसा लम्हा जिसने साबित कर दिया कि वे सिर्फ़ एक्शन के किंग ही नहीं, बल्कि बच्चों के चहेते भी हैं।

मोहम्मद रफी ने मेरे करियर को दिया आकार : सोनू निगम

गायक सोनू निगम ने म्यूजिक इवेंट सौ साल पहले 2.0 - एक बार फिर से के साथ मोहम्मद रफी को श्रद्धांजलि दी। मशहूर गायक ने दिवंगत रफी साहब को अपना गुरु बताया और उन्हें अपनी सफलता का श्रेय दिया। शो में सोनू निगम ने अपने जज्बात साझा किए। उन्होंने कहा, मैं अपने पहले गुरु मोहम्मद रफी साहब और अपने माता-पिता का बहुत आभारी हूं। मेरे पिता ने ही मुझे रफी साहब की गायकी और संगीत से परिचित कराया, फिर रफी साहब ने मेरे करियर को आकार दिया, मुझे वह बनाया जो मैं आज हूं।

उन्होंने आगे कहा, रफी साहब की वजह से मैं हूं, मेरा वजूद है। इसलिए, यह संगीत कार्यक्रम मेरे दिल में खास जगह रखता है। क्योंकि यह अपने गुरु के प्रति भक्ति या श्रद्धा व्यक्त करने का भी एक शानदार मौका है।

एनआर टैलेंट ने इस संगीत कार्यक्रम का आयोजन मोहम्मद रफी के सम्मान में रखा था, जिसमें सोनू ने अपने माता-पिता के साथ मोहम्मद रफी को श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में मोहम्मद रफी के कई गानों को शामिल किया गया।

सोनू निगम ने तू कहां ये बता, तुम मिल गए हो, मैं जिंदगी का साथ, रंग और नूर की बारात, परदा है परदा, पुकारता चला हूं मैं, दर्द-ए-दिल, सुहानी रात, क्या हुआ तेरा वादा जैसे क्लासिक गाने पेश किए। सोनू ने रफी के क्लासिक फिर मिलोगे कभी, एहसान तेरा होगा मुझ पर, अभी ना जाओ छोड़कर, जाने क्या ढूंढती रहती हैं, जो वादा किया वो, चौदहवीं का चांद समेत अन्य गाने गाए। कॉन्सर्ट में सोनू ने अपने दोनों गुरुओं - मोहम्मद रफी और उस्ताद गुलाम मुस्तफा खान के बच्चों को मंच पर आमंत्रित किया।

मोहम्मद रफी के बेटे शाहिद रफी के साथ उनकी पत्नी फिरदौस भी थीं, उस्ताद गुलाम मुस्तफा खान के बेटे रब्बानी मुस्तफा खान के साथ उनकी पत्नी नम्रता गुप्ता खान भी थीं। भावुक शाहिद रफी ने जब चांद मेरा दिल और गुलाबी आंखें गाने गाए तो दर्शकों ने खड़े होकर तालियां बजाईं। एनआर टैलेंट एंड इवेंट मैनेजमेंट के होस्ट रब्बानी मुस्तफा खान और नम्रता गुप्ता खान ने संयुक्त रूप से कहा, हम सम्मानित महसूस करते हैं कि ईश्वर ने हमें इस तरह का कार्यक्रम आयोजित करने के लिए चुना। 24 दिसंबर, 2024 को रफी साहब की 100वीं जयंती पर सौ साल पहले की शानदार सफलता को देखते हुए हमने यह फैसला लिया।

सोफी चौधरी ने बांधे ऋतिक रोशन की तारीफों के पुल, कहा

ग्रीक गॉड जैसा है उनका लुक

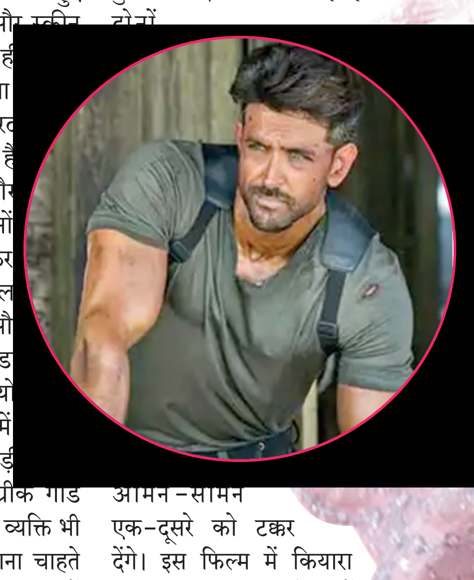

मशहूर सिंगर और एक्ट्रेस सोफी चौधरी इन दिनों ऋतिक रोशन की फिल्म वॉर 2 के रिलीज होने का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। इस कड़ी में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें वह ऋतिक की तारीफ करते हुए कह रही हैं कि उन्हें एक्टर की एक्टिंग औ[...] पर उनकी मौजूदगी काफी पसंद है। साथ ह[...] ऋतिक के लुक को ग्रीक गॉड जैसा बताया [...] ने कहा कि वह वॉर 2 में ऋतिक का जबर[...] एक्शन देखने के लिए बेहद उत्साहित है[...] शेयर किए गए वीडियो में सोफी औ[...] ऋतिक एक साथ नजर आ रहे हैं। दोनों[...] फिल्म बैंग बैंग के गाने तू मेरी पर डांस कर[...] रहे हैं। बता दें कि इस गाने को विशाल[...] ददलानी ने गाया है।वीडियो में सोफी औ[...] ऋतिक की जोड़ी के अलग-अलग ड[...] परफॉर्मेंस का कंपाइलेशन है।इस वीडियो[...] शेयर करते हुए सोफी चौधरी ने कैप्शन में[...] वह प्रेरणादायक हैं। उनके अंदर टैलेंट, कड़[...] और सादगी का बेहतरीन संतुलन है। ग्रीक गॉड जैसी खूबसूरत लुक के साथ, वह मजेदार व्यक्ति भी हैं। वह हर दिन खुद को और बेहतर बनाना चाहते हैं। इन खास लम्हों को संजो रही हूं। मैं वॉर 2 में उन्हें शानदार प्रदर्शन करते हुए देखने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।इससे पहले सोफी ने अपने एक लाइव परफॉर्मेंस का वीडियो शेयर किया था। इस वीडियो में उन्होंने अपनी खुशी और उत्साह को दिखाया। वीडियो के कैप्शन में उन्होंने लिखा - हंगामाज् यह एनर्जी मैं इस वीकेंड और हर बार स्टेज पर लाती हूं। क्या शानदार रात थी। इसके साथ ही मैं उन सभी सिक्योरिटी टीम्स का धन्यवाद करना चाहती हूं जो हमेशा हमें इवेंट्स में सुरक्षित रखते हैं।फिल्म वॉर 2 की बात करें तो इसमें एनटीआर खलनायक की भूमिका निभा रहे हैं। वहीं ऋतिक रॉ एजेंट मेजर कबीर धालीवाल के अपने पुराने किरदार में लौट रहे हैं। दोनों [...] आमने-सामने एक-दूसरे को टक्कर देंगे। इस फिल्म में कियारा आडवाणी भी अहम भूमिका में नजर आएंगी।फिल्म का निर्देशन अयान मुखर्जी कर रहे हैं, जो ब्रह्मास्त्र जैसी फिल्म के लिए जाने जाते हैं। यह 14 अगस्त को हिंदी, तमिल, तेलुगू, मलयालम और कन्नड़ में सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी।यह फिल्म यशराज स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा है, जिसमें पहले एक था टाइगर, टाइगर जिंदा है, वॉर और पठान जैसी दमदार फिल्में आ चुकी हैं।

सैनिकों ने आतंकी ठिकानों को उनकी सर जमीन पर ही मिट्टी में मिलने का किया काम : नायब सैनी

चंडीगढ़, 21 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार भेंट कर ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की बधाई दी और सेना का आभार जताया। इसके उपरांत हरियाणा भवन नई दिल्ली में पत्रकारों को संबोधित करते हुए नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के जांबाज सैनिकों ने आतंकी ठिकानों को उनकी सर जमीन पर ही मिट्टी में मिलने का काम किया है। ऐसा ऐतिहासिक निर्णय प्रधानमंत्री ही ले सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहलगाम में आतंकवादियों ने कायराना हरकत कर निर्दोष लोगों को मौत के घाट उतारा। इस घटना से देश के लोग आहत थे और उनमें रोष था। देश के नागरिक आतंकवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई चाहते थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ कड़े कदम उठाते हुए ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया और हमारे सैनिकों ने आतंकियों को उन्हीं की सर जमीन पर जाकर धूल में मिलाने का काम किया।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले आतंकवादी देश में घुसकर घटनाओं को अंजाम देते थे। पूरे देश में भय का माहौल था कोई भी सुरक्षित नहीं था। लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ सख्त कदम उठाने का काम किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि अब समय आ गया है आतंकवाद की बची हुई जमीन को मिट्टी में मिलाने का। जहां से

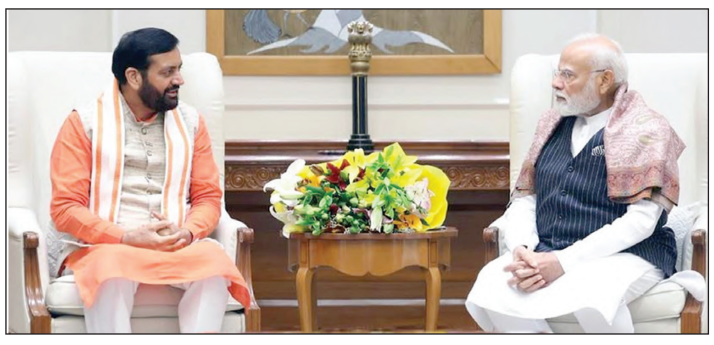

आतंकवादी जन्म लेते थे और पाक उन्हें संरक्षण देता था उसी पाक की भूमि पर जाकर हमारे सैनिकों ने आतंकियों को मिट्टी में मिलाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश सुरक्षित है। प्रधानमंत्री ने ऐसी कार्यवाही करके देश को मजबूत, सुरक्षित और सशक्त बनाने की दिशा में काम किया है। अब देश में संतुष्टि का भाव है और आतंकियों में भय का माहौल बना है।

एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर से पाक का असली चेहरा पूरे विश्व के सामने आ गया है। पाक भारत को बदनाम कर रहा था और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाक का आतंकी चेहरा पूरी दुनिया के सामने लाकर खड़ा कर दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कर दिया है कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री को हरियाणा में चल रही विकास योजनाओं के बारे में भी अवगत करवाया गया है। प्रधानमंत्री ने डा. भीमराव अम्बेडकर जयंती पर कई विकास परियोजनाओं को अमलीजामा पहनाने का काम किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब-जब प्रधानमंत्री का हरियाणा का दौरा होता है तो जनता को नई ऊर्जा और स्फूर्ति मिलती है। एक अन्य सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में जासूसी के मामलों की पुलिस गहनता से जांच कर रही है। ऐसे लोगों की गहनता से जांच के निर्देश दिए गए हैं।

धनखड़ परिवार से मिले पीएम मोदी

ओम प्रकाश धनखड़ ने कहा- अत्यंत स्नेह, ममत्व व परिवार से भरे पल : हम हृदय से कृतज्ञ

चंडीगढ़, 21 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्नेहभाव के साथ अपने निवास पर भाजपा के राष्ट्रीय सचिव व पूर्व मंत्री औमप्रकाश धनखड़ के परिवार से मुलाकात की। पीएम मोदी ने औमप्रकाश धनखड़ के पौत्र तेजस को स्नेह व नवविवाहित छोटे बेटे एडवोकेट आशुतोष व पुत्रवधु एडवोकेट रिया को शादी की शुभकामनाएं देते हुए धनखड़ व राठी परिवार को बधाई दी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरी आत्मीयता के साथ पूर्व मंत्री धनखड़ के पिताजी वैद्य मोहोबत सिंह और माता जी छोटो देवी से कुशलक्षेम पूछा। लम्बी गपशप की । उनके स्वस्थ रहने और दीर्घायु की कामना की। पुत्र वधु जीना व पुत्र आदित्य को जीवन परिश्रम व पुरुषार्थ के महत्त्व पर प्रेरित किया ।

इस अवसर पर पूर्व मंत्री की धर्म पत्नी निरूपा धनखड़ , समधी , जज सुरेंद्र राठी, समधन प्रो अंजू रतन राठी उनके सुपुत्र और पुत्र वधु, एडवोकेट दिव्यांश हनु राठी और एडवोकेट सुमेधा सिंधु राठी।धनखड़ ने कहा कि परिवार की खुशियों के पलों में देश के प्रधानमंत्री का आशीर्वाद प्राप्त होना हमारे लिए अत्यंत गौरव का विषय है। यह अविस्मरणीय क्षण ताउम्र हमारी स्मृतियों में अंकित रहेंगे । प्रधानमंत्री ने तेजस को अत्यंत स्नेह और आशीर्वाद से अभिभूत किया - इसके लिए हम हृदय से कृतज्ञ हैं।

फतेहाबाद लघु सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी, तलाशी में नहीं मिला कुछ भी संदिग्ध

फतेहाबाद, 21 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के फतेहाबाद जिले में स्थित लघु सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल मिलने से प्रशासन में हड़कंप मच गया। धमकी भरे ईमेल के बाद प्रशासन तुरंत हरकत में आया और लघु सचिवालय की इमारत को सील कर तलाशी अभियान शुरू किया गया।

करीब एक घंटे तक स्थानीय पुलिस और प्रशासन ने स्वयं तलाशी अभियान चलाया। इसके बाद हिसार से बम निरोधक दस्ता (बम स्क्वायड) और सीआईडी हरियाणा की टीम फतेहाबाद पहुंची। टीम ने लघु सचिवालय की इमारत और आसपास के क्षेत्र में गहन तलाशी अभियान चलाया, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु या सामग्री नहीं मिली।

फतेहाबाद के पुलिस अधीक्षक (एसपी) सिद्धांत जैन ने बताया कि बुधवार सुबह करीब सात बजे लघु सचिवालय के सरकारी ईमेल पते पर बम से इमारत को उड़ाने की धमकी दी गई थी। ईमेल में कुछ दक्षिण भारतीय व्यक्तियों के नाम भी थे, जिनका फतेहाबाद क्षेत्र से कोई संबंध प्रतीत नहीं होता। एसपी जैन ने बताया कि धमकी मिलने के बाद पुलिस और प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। लघु सचिवालय और उसके आसपास के क्षेत्र में गहन तलाशी अभियान चलाया गया, जिसमें कोई संदिग्ध वस्तु नहीं पाई गई।

उन्होंने कहा कि इस मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी गई है। ईमेल के स्रोत का पता लगाने के लिए जीमेल अधिकारियों से संपर्क किया गया है, ताकि इस शरारतपूर्ण कृत्य के पीछे शामिल तत्वों की पहचान की जा सके और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। एसपी ने आश्वासन दिया कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और आम जनता को घबराने की आवश्यकता नहीं है।पुलिस प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। साथ ही, अफवाहों पर ध्यान न देने की सलाह दी गई है। इस घटना के बाद लघु सचिवालय और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा-व्यवस्था को और सख्त कर दिया गया है। प्रशासन इस मामले को गंभीरता से ले रहा है और शरारती तत्वों को पकड़ने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है।

पीएम मोदी के बीकानेर दौरे पर अर्जुनराम मेघवाल बोले

वह जहां जाते हैं, विकास के द्वार खोलते हैं

बीकानेर, 21 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 मई को राजस्थान के बीकानेर दौरे पर रहेंगे। इस दौरान पीएम मोदी सुबह करीब 11:30 बजे अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित देशनोक स्टेशन का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री के बीकानेर दौरे से पहले केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने बुधवार को मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जहां जाते हैं, वहां विकास के द्वार खोलते हैं।

केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने मीडिया से बात करते हुए कहा, पीएम मोदी कल (गुरुवार) बीकानेर आ रहे हैं। यहां वह देशनोक स्थित करणी माता मंदिर में दर्शन और पूजा-अर्चना करेंगे। इसके बाद वह 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत पुनर्विकसित देशनोक स्टेशन का उद्घाटन करेंगे। इस योजना के तहत देशभर में 103 स्टेशनों को पुनर्विकसित किया गया है।

उन्होंने कहा, पीएम मोदी अपने दौरे के दौरान बीकानेर-मुंबई एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। इसके बाद वह पलाना आएंगे और यहां एक सार्वजनिक समारोह को भी संबोधित करेंगे। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पीएम मोदी की यह पहली यात्रा है। उनके कार्यक्रम को लेकर आधिकारिक जानकारी नहीं है। लेकिन, मैं बताना चाहूंगा कि प्रधानमंत्री जहां भी जाते हैं, वहां विकास के द्वार खोलते हैं। अर्जुनराम मेघवाल ने कहा कि 8 जुलाई 2023 को जब प्रधानमंत्री नौरंगदेसर आए थे, तब भी विकास पर बात हुई थी। उसके बाद सोलर का विकास कार्य बहुत तेजी से हुआ।

आरएमएससीएल की बड़ी कार्रवाई

42 दवाएं अमानक कंपनियों पर प्रतिबंध

जयपुर, 21 मई (एजेंसियां)। राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन ने विभिन्न 42 दवाओं के सैम्पल अमानक पाए जाने पर कम्पनियों को इनकी आपूर्ति के लिए प्रतिबंधित किया है। जिन फर्मों के उत्पाद जाँच में अमानक पाए गए हैं, ये कंपनियां इन दवाओं के आगामी एक, दो अथवा तीन वर्ष तक टेंडर में भाग नहीं ले सकेंगी। आरएमएससी की प्रबंध निदेशक नेहा गिरि ने बताया कि दवाओं की गुणवत्ता एवं समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि फर्मों के उत्पाद जाँच में फेल पाए जाने पर दवाओं की आपूर्ति के लिए 32 फर्मों को एक वर्ष, 8 फर्मों को 2 वर्ष एवं 2 फर्मों को 3 वर्ष की अवधि के लिए प्रतिबंधित किया गया है। निगम की गुणवत्ता नीति के अनुसार प्रत्येक आपूर्तित दवा के प्रत्येक बैच की गुणवत्ता जाँच निगम की अनुमोदित लैब में कराई जाती है एवं जाँच में खरा पाए जाने पर ही अस्पतालों में वितरण हेतु सप्लाई की जाती हैं। ये सभी दवाएं निगम की प्रारम्भिक जाँच में अमानक पायी गयी थी, जिनके आगे जाँच में पुष्टि होने पर सम्बंधित सप्लायर कंपनियों के विरुद्ध यह कार्रवाई की गयी है।

राज्यवर्धन के नेतृत्व में शुरू हुए 12 ट्यूबवेल के कार्य

जयपुर, 21 मई (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री एवं झोटवाड़ा के लोकप्रिय विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के अथक प्रयासों से झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में 12 नए ट्यूबवेल का कार्य आरंभ हो चुका है। यह कार्य क्षेत्र में पीने के पानी की समस्या को दूर करने और जनता को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कैबिनेट मंत्री, राजस्थान सरकार कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि इन नए ट्यूबवेल के निर्माण से न केवल झोटवाड़ा क्षेत्र के हजारों परिवारों को शुद्ध पेयजल सुलभ होगा, बल्कि यह आने वाले समय में जल संकट से स्थायी समाधान की दिशा में भी मील का पत्थर साबित होगा।

कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रदेश के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने की नीति ने राजस्थान में बुनियादी सुविधाओं को गति दी है। राजस्थान में भाजपा की डबल इंजन सरकार प्रधानमंत्री के विकासवादी दृष्टिकोण और सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के मंत्र को तेजी से साकार कर रही है। झोटवाड़ा की जनता ने इस कार्य के लिए कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ जी का आभार जताया है।

जयपुर मेट्रो फेज-2 को हरी झंडी

भजनलाल शर्मा ने किया डीपीआर का अनुमोदन

जयपुर, 21 मई (एजेंसियां)। एक दूरदर्शी और महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर मेट्रो फेज-2 की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) का अनुमोदन किया है। इस निर्णय के उपरांत डीपीआर को मेट्रो रेल नीति, 2017 के तहत केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय से अनुमोदन के लिए भिजवाया गया है। केन्द्र सरकार की मंजूरी मिलते ही इस परियोजना का निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2025-26 के राज्य बजट में जयपुर मेट्रो के फेज-2 का कार्य हाथ में लिए जाने की घोषणा की गई थी।

इस परियोजना के साथ ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार शहरी परिवहन के क्षेत्र में एक नया मील का पत्थर स्थापित करने जा रही है। यह परियोजना न केवल जयपुरवासियों के सफर को सुगम बनाएगी, बल्कि शहर की अर्थव्यवस्था और निवेश की संभावनाओं को भी नई ऊंचाई देगी। इस परियोजना का क्रियान्वयन राज्य एवं केंद्र सरकार की नई 50:50 संयुक्त उद्यम कंपनी राजस्थान मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन द्वारा किया जाएगा। यह कंपनी जयपुर शहर की सभी वर्तमान और भविष्य की मेट्रो परियोजनाओं की जिम्मेदारी निभाएगी। लगभग 12 हजार 260 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली इस परियोजना के लिए एडीबी और एआईआईबी ने वित्तीय ऋण प्रदान करने की सहमति दी है।

यह परियोजना जयपुर शहर के उत्तर-दक्षिण मुख्य ट्रांजिट कॉरिडोर टोडी मोड से प्रह्लादपुरा तक प्रस्तावित है, जिसकी लंबाई लगभग 42.80 किलोमीटर होगी। इसमें कुल 36 स्टेशन प्रस्तावित हैं जिनमें से 34 एलीवेटेड और 2 अंडरग्राउंड होंगे।

कृषक हित में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कई महत्वपूर्ण निर्णय

प्रदेश की कृषि उपज मंडियों में विकास कार्यों को दी मंजूरी

जयपुर, 21 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार कृषकों के कल्याण एवं कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। अन्नदाता किसानों की आय बढ़ाने और उनका जीवन खुशहाल बनाने के लिए सरकार द्वारा निरंतर महत्व-पूर्ण फैसले किए जा रहे हैं। सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री शर्मा ने एक और महत्व-पूर्ण निर्णय करते हुए राज्य बजट वर्ष 2025-26 में घोषित सभी नवीन मंडियों, गौण मंडियों एवं फूड पार्क के लिए निःशुल्क भूमि आवंटन की स्वीकृति प्रदान की है।

राज्य बजट वर्ष 2025-26 में बीदासर (सुजानगढ़-चूरू), भिनाय, रूपनगढ़ (अजमेर), टपूकड़ा (खैरथल तिजारा), रामगढ़ (पचवारा-दौसा), नावां, खाटू खुर्द (डीडवाना-कुचामन), सीमलवाड़ा (डूंगरपुर), राजाखेड़ा (धौलपुर), रियाबड़ी (मेड़ता-नागौर) में कृषि उपज मंडी, सिरोही, माखूपुरा (अजमेर), बर (जैतारण-ब्यावर) में फल सब्जी मंडी, बनेठा (टोंक), मण्डार (सिरोही), बहरावण्डा कलां (सवाईमाधोपुर), नासिरदा (टोंक) व सेखाला (जोधपुर) में गौण कृषि मंडी की घोषणा की गई थी। साथ ही भरतपुर की अनाज एवं सरसों मंडी को शहर से बाहर स्थानांतरित किए जाने, अनूपगढ़ (श्रीगंगानगर) में मिनी फूड पार्क एवं सांचौर (जालौर) में एग्रो फूड पार्क की घो-षणा भी की गई थी।

मुख्यमंत्री ने सरकारी के साथ-साथ स्थानीय निकाय क्षेत्रों में भी इन मंडियों, गौण मंडियों एवं फूड पार्क के लिए निःशुल्क भूमि आवंटन किए जाने की सहमति प्रदान की। इस निर्णय के अन्तर्गत संबंधित निकायों द्वारा 25 प्रतिशत डीएलसी दर पर मंडियों के लिए भूमि आवंटन किया जाएगा तथा यह 25 प्रतिशत डीएलसी राशि भी राज्य सरकार द्वारा संबंधित निकायों को उपलब्ध कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश की विभिन्न कृषि उपज मंडियों में नवीन निर्माण, चार दिवारी निर्माण एवं मरम्मत और नवीन सम्पर्क सड़कों के निर्माण के लिए 13 करोड़ 87 लाख रुपये से अधिक की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी की है। इससे सूरजपोल अनाज मंडी जयपुर की 25, कृषि उपज मंडी बूंदी की 2 एवं कृषि उपज मंडी सीकर की 1 नवीन सम्पर्क सड़क के कार्य करवाए जा सकेंगे। साथ ही खातोली (कोटा) कृषि उपज मंडी में नवीन निर्माण कार्य, केशोरायपाटन (बूंदी) गौण मंडी कापरेन में चार दिवारी मरम्मत, उप मंडी बापिणी (ओसियां-मथानिया) में चार दिवारी निर्माण के कार्य भी करवाए जा सकेंगे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका आकर्षक बर्ताव दूसरों का ध्यान आपकी तरफ़ खींचेगा। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आप इस दिन को अपनी ज़िन्दगी में कभी नहीं भूलेंगे, अगर आप प्यार में डूबने के मौक़े को आज यूँ ही न गवाएँ तो। अगर आपका साथी अपना वादा न निभाए तो बुरा महसूस न करें- आपको बैठकर बातचीत के ज़रिए मामला सुलझाने की ज़रूरत है। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर धार्मिक स्थल पर अपना खाली समय बिता सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपको ख़ुद पर नियंत्रण रखना चाहिए, क्योंकि नाराज़गी सभी के लिए नुक़सानदेह है और यह सोचने-समझने की ताक़त को ख़त्म कर देती है। इससे सिर्फ़ मुश्किल बढ़ती है। आपके पिता की कोई सलाह आज कार्यक्षेत्र में आपको धन लाभ करा सकती है. जो अपने प्रिय के साथ छुट्टियाँ बिता रहे हैं, ये उनकी ज़िन्दगी के सबसे यादगार लम्हों में से होंगे। नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज कार्यक्षेत्र में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आप न चाहते हुए भी कोई गलती कर बैठेंगे जिसकी वजह से आपको अपने सीनियर्स की डांट सहनी पड़ सकती है। कारोबारियों के लिए दिन सामान्य रहने की उम्मीद है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

पैसे की अहमियत को आप अच्छे से जानते हैं इसलिए आज के दिन आपके द्वारा बचाया गया धन आपके बहुत काम आ सकता है और आप किसी बड़ी मुश्किल से निकल सकते हैं। पारिवारिक तनावों को अपनी एकाग्रता भंग न करने दें। बुरा दौर ज़्यादा सिखाता है। आपके प्रिय का मूड ठीक नहीं है, इसलिए सोच-समझ कर कोई भी काम करें। आप लम्बे समय से दफ़्तर में किसी से बात करना चाह रहे थे। आज ऐसा होना मुमकिन है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज के दिन अपने धन का संचय करने का विचार बनाएं। पढ़ाई की क़ीमत पर घर से ज़्यादा देर तक बाहर रहना आपको माता-पिता के गुस्से का शिकार बना सकता है। करिअर के लिए योजना बनाना उतना ही आवश्यक है, जितना कि खेलना-कूदना। इसलिए माता-पिता को ख़ुश करने के लिए दोनों में संतुलन बनाना ज़रूरी है। प्यार के मामले में आज आप ग़लत समझे जा सकते हैं। आज जितना हो सके लोगों से दूर रहें। लोगों को वक्त देने से बेहतर है अपने आपको वक्त दें। लेकिन आज सारी शिकायतें दूर हो जाएंगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका ऊर्जा-स्तर ऊँचा रहेगा। करीबी रिश्तेदारों के घर जाना आज आपकी आर्थिक स्थिति को बिगाड़ सकता है। वैवाहिक बंधन में बंधने के लिए अच्छा समय है। आपके प्यार को न सुनना पड़ सकता है। यदि आप नई जानकारी और क्षमताएँ विकसित करने की थोड़ी ज़्यादा कोशिश करेंगे, तो आपको बहुत लाभ होगा। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। लंबे समय से कामकाज का दबाव आपके वैवाहिक जीवन के लिए कठिनाई खड़ा कर रहा है। लेकिन आज सारी शिकायतें दूर हो जाएंगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस-पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। बाहरी चीज़ों का अब कोई ख़ास मायने आपके लिए नहीं बचा है, क्योंकि आप ख़ुद को हमेशा प्यार की ख़ुमारी में महसूस करते हैं। कार्यक्षेत्र में आपके प्रतिद्वन्द्वियों को अपने ग़लत कामों का फल मिलेगा। वैवाहिक जीवन के लिहाज़ से यह बढ़िया दिन है। साथ में एक अच्छी शाम गुज़ारने की योजना बनाएँ।

तुला – र,री,रु,रे,रो,ता,ति,तू,ते

ठूंस-ठूंस कर खाने और ज़्यादा कैलोरी की चीज़ें खाने से बचिए। माली सुधार की वजह से ज़रूरी ख़रीदारी करना आसान रहेगा। ऐसे दोस्तों के पास जाएँ, जिन्हें आपकी ज़रूरत है। आज आप कोई दिल टूटने से बचा सकते हैं। पेशेवर तौर पर अपने अच्छे काम की पहचान आपको मिल सकती है। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है। यदि आपको लगता है कि आप दुनिया की भीड़ में कहीं खो गये हैं तो अपने लिए वक्त निकालें और अपने व्यक्तित्व का आकलन करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपने पैसे को संचय करने के लिए आज अपने घर के लोगों से आपको बात करने की जरुरत है। उनकी सलाह आपकी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मददगार होगी। आम परिचितों से व्यक्तिगत बातों को बांटने से बचें। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को खुश रखने में कामयाब होंगे। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली-भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। लंबे अरसे के बाद जीवनसाथी के साथ काफ़ी वक़्त गुज़ारने का मौक़ा मिल सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

ध्यान और योग न केवल आध्यात्मिक तौर पर, बल्कि शारीरिक तौर पर भी आपके लिए फ़ायदेमन्द साबित होंगे। आज आपके माता-पिता में से कोई आप-को धन की बचत करने को लेकर लेक्चर दे सकता है, आपको उनकी बातों को बहुत गौर से सुनने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में परेशानी आपको ही उठानी पड़ेगी। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा। कोई आपको दिल से सराहेगा। कार्यक्षेत्र में परिस्थितियाँ आपके पक्ष में लगती हैं। जीवनसाथी से अच्छी बातचीत हो सकती है; आप महसूस करेंगे कि आप-दोनों में कितना प्यार है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

बैंक से जुड़े लेन-देन में काफ़ी सावधानी बरतने की ज़रूरत है। घर में और आस-पास छोटे-मोटे बदलाव घर की सजावट में चार चांद लगा देंगे। आज आपको निराशा हाथ लग सकती है, क्योंकि मुमकिन है कि आप अपने प्रिय के साथ सैर-सपाटे पर न जा पाएँ। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। कोई व्यक्ति आपके जीवनसाथी में काफ़ी दिलचस्पी दिखा सकता है, लेकिन दिन के आख़िर तक आपको एहसास होगा कि इसमें कुछ ग़लत नहीं है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। घर पर आपके बच्चे आपके सामने किसी समस्या को तिल का ताड़ बनाकर पेश करेंगे- कोई भी क़दम उठाने से पहले तथ्यों की भली-भांति पड़ताल कर लें। जॉब करने वाले जातकों को आज कार्यक्षेत्र में सोच-समझकर चलने की जरुरत है। आपके जीवनसाथी का मिज़ाज आज बढ़िया है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. घरेलू काम थका देने वाला होगा और इसलिए मानसिक तनाव की वजह भी बन सकता है। आपको अपने प्रिय के साथ समय बिताने की ज़रूरत है, ताकि आप दोनों एक-दूसरे को अच्छी तरह से जान व समझ सकेगें। आपका खाली समय आज मोबाइल या टीवी देखने में बर्बाद हो सकता है। इससे आपके जीवनसाथी को आपसे खिन्नता भी होगी क्योंकि आप उनसे बात करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाएँगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 22 मई 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : ज्येष्ठ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : दशमी रात्रि 01:15 तक
नक्षत्र : पूर्वाभाद्रपद सायं 05:48 तक
योग : विष्कुंभ रात्रि 09:48 तक
करण : वणिज दोपहर 02:24 तक
चन्द्रराशि : कुंभ दोपहर 12:09 तक
सूर्योदय : 05:42, सूर्यास्त 06:43 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:39 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:33 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:35 , सूर्यास्त 06:35 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा दोपहर 02:22 से रात्रि 01:33 तक, पंचक चालू है।

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

शुभ लाभ DAILY

स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई से मचा हड़कंप

51 प्रकार की दवाओं के साथ अवैध मेडिकल स्टोर सील

सहरसा (एजेंसियां)। सहरसा जिले में अवैध रूप से संचालित दवा दुकानों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई तेज हो गई है। मंगलवार को ड्रग इंस्पेक्टर सत्येंद्र कुमार सिंह ने सोनबरसा कचहरी ओपी क्षेत्र के भगवानपुर अमरपुर में संचालित एक अवैध मेडिकल स्टोर पर छापेमारी कर 51 प्रकार की दवाएं जब्त कीं। मौके पर मेडिकल स्टोर को सील कर दिया गया।

कार्रवाई के दौरान ड्रग इंस्पेक्टर के साथ स्थानीय थाना की पुलिस टीम भी मौजूद थी। निरीक्षक सत्येंद्र कुमार सिंह ने बताया कि यह कार्रवाई औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के तहत की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिले में अवैध रूप से संचालित सभी मेडिकल स्टोर्स के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है और आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

औषधि निरीक्षक ने बताया कि कोसी प्रमंडल के औषधि नियंत्रण अधिकारियों और सहरसा केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन के साथ हाल ही में एक संयुक्त बैठक की गई थी, जिसमें दवा दुकानों के संचालन को लेकर विभाग के कड़े रुख से सभी को अवगत कराया गया। उन्होंने कहा कि नकली दवाओं की आपूर्ति आमतौर पर बिना बिल के लेन-देन के माध्यम से होती है, इसलिए अब बिना क्रय बिल के दवा की खरीद-बिक्री पर सख्त प्रतिबंध लगाया गया है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि ऐसे मामलों में ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी, जिसमें लाइसेंस रद्दीकरण से लेकर अभियोजन तक की प्रक्रिया शामिल है।

सत्येंद्र कुमार सिंह ने बताया कि नकली दवाओं की पहचान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने 300 से अधिक दवा ब्रांड्स पर क्यूआर कोड को अनिवार्य कर दिया है। यह क्यूआर कोड प्राथमिक पैक पर होना चाहिए, और यदि स्थान की कमी हो तो द्वितीयक पैक पर भी स्वीकार्य होगा। निरीक्षण के दौरान क्यूआर कोड की अनुपस्थिति में संबंधित दवा विक्रेताओं पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

औषधि निरीक्षक ने कोडीन युक्त कफ सिरप और अन्य नशीली दवाओं के दुरुपयोग पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि इस तरह की दवाओं के अवैध कारोबार में संलिप्त पाए जाने पर ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट तथा एनडीपीएस एक्ट के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी। सत्येंद्र कुमार सिंह ने कहा कि कुछ व्यापारी थोक लाइसेंस लेकर खुदरा व्यापार कर रहे हैं, जो नियमों का उल्लंघन है। ऐसे सभी व्यवसायियों को चेतावनी दी गई है कि यदि वे खुदरा बिक्री करना चाहते हैं, तो उन्हें खुदरा लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों का लाइसेंस रद्द किया जाएगा और उनके विरुद्ध अभियोजन की कार्रवाई की जाएगी।

स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि बिना लाइसेंस वाले गोदामों में किसी भी प्रकार की दवाओं का भंडारण गैरकानूनी है। पकड़े जाने की स्थिति में सभी दवाएं जब्त की जाएंगी, फर्म का लाइसेंस रद्द किया जाएगा और दोषियों पर अभियोजन चलाया जाएगा।

ड्रग इंस्पेक्टर ने स्पष्ट किया कि किसी भी चिकित्सक को दवा आपूर्ति केवल उनके लिखित आदेश और वैध पंजीकरण संख्या के साथ ही की जाए। केवल पंजीकरण संख्या बताकर दवा देना नियमों का उल्लंघन माना जाएगा।

अंत में, सत्येंद्र कुमार सिंह ने कहा कि औषधि कानूनों का पालन न केवल कानूनी रूप से आवश्यक है, बल्कि यह जनस्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी दवा विक्रेताओं से नियमों का पालन करने की अपील की और चेताया कि किसी भी प्रकार की अनियमितता अथवा लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

डकैती की सनसनीखेज वारदात

बंधक बनाकर 10 लाख से अधिक की संपत्ति लूटकर बदमाश फरार

गया (एजेंसियां)। बेलागंज थाना क्षेत्र अंतर्गत लोदीपुर पंचायत के एनएच किनारे बसे लालगंज गांव में डकैती की एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। मंगलवार की देर रात लगभग एक बजे पुलिस की वर्दी में पहुंचे दस हथियारबंद अपराधी एक घर में घुस गए और खुद को बेलागंज थाना की पुलिस बताकर परिवार को उठाया। पूछताछ के बहाने सभी सदस्यों को एक कमरे में ले जाकर हाथ-पैर बांध दिए और उन्हें बंधक बना लिया।

इसके बाद डकैतों ने पूरे घर और दुकान को खंगालते हुए अलमारी, बक्सा, ट्रंक और अटैची में रखी नकदी व जेवरात समेत दस लाख रुपये से अधिक की संपत्ति लूट ली। घटना के बाद अपराधी मौके से फरार हो गए।

पीड़ित प्रवीण कुमार ने बेलागंज थाना में लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने बताया कि घटना के समय वह अपने परिवार के साथ घर में सो रहे थे। तभी अपराधियों ने सीढ़ी के सहारे छत से घर में प्रवेश किया और खुद को पुलिसकर्मी बताते हुए इंक्वायरी की बात कहकर दरवाजा खुलवाया। जब परिवार ने शक जाहिर किया तो उन्होंने हथियार निकाल लिए और जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित के अनुसार, अपराधियों ने पूरे परिवार को बंधक बनाकर एक कमरे में बंद कर दिया और फिर इत्मीनान से घर और दुकान की तलाशी लेकर लाखों की संपत्ति समेट ली।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। थानाध्यक्ष धनंजय कुमार ने बताया कि पीड़ित के आवेदन पर अज्ञात अपराधियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि जल्द ही अपराधी पुलिस की गिरफ्त में होंगे। इस वारदात के बाद से गांव में भय और असुरक्षा का माहौल है। खासकर पुलिस के नाम पर हुई इस घटना ने ग्रामीणों को दहशत में डाल दिया है। लोगों की मांग है कि पुलिस गश्ती को बढ़ाया जाए और जल्द से जल्द अपराधियों को पकड़कर कड़ी सजा दी जाए।

ट्रैक्टर की चपेट में आकर मजदूर की हुई मौत

मुंगेर (एजेंसियां)। मुंगेर के कासिम बाजार थाना क्षेत्र के हेरुदियारा निवासी गोपाल यादव के पुत्र वेंकटेश कुमार की बुधवार को ट्रैक्टर की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने ट्रैक्टर चालक पर जानबूझकर हत्या करने का आरोप लगाया है।

वेंकटेश कुमार आरपीएम ईंट भट्ठा में मजदूरी करता था। बुधवार को अन्य दिनों की तरह वह ट्रैक्टर पर ईंट लादकर धरहरा गया था। ईंटों की आपूर्ति के बाद जब वह उसी ट्रैक्टर से वापस लौट रहा था, तभी सिंघिया-मानगढ़ मुख्य पथ पर अचानक ट्रैक्टर से नीचे गिर गया। इसी दौरान ट्रैक्टर का पहिया उसके शरीर पर चढ़ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना के बाद ट्रैक्टर चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। हादसे की जानकारी मिलते ही वेंकटेश के परिजन घटनास्थल पर पहुंचे और शव को सदर अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने आरोप लगाया कि ट्रैक्टर चालक ने वेंकटेश को जानबूझकर कुचलकर मार डाला।

वैशाली पुलिस को मिली बड़ी सफलता

टॉप-10 अपराधी चन्द्रशेखर उर्फ झंडू को किया गिरफ्तार

वैशाली (एजेंसियां)। वैशाली के बिदुपुर थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए जिले के टॉप-10 कुख्यात अपराधियों में शामिल लूट, डकैती और आर्म्स एक्ट के वांछित आरोपी चन्द्रशेखर कुमार उर्फ झंडू को गिरफ्तार कर लिया है। उसकी गिरफ्तारी थाना क्षेत्र के गोपालपुर पेठिया के निकट से की गई। गिरफ्तार अपराधी की पहचान गोपालपुर चकनाई निवासी स्वर्गीय विष्णुदेव कुमार के पुत्र चन्द्रशेखर कुमार उर्फ झंडू के रूप में हुई है।

इस संबंध में सदर एसडीपीओ वन ओमप्रकाश ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वैशाली पुलिस की ओर से जिले के वांछित एवं कुख्यात अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत पुलिस को यह बड़ी सफलता मिली है।

एसडीपीओ ने बताया कि चन्द्रशेखर कुमार उर्फ झंडू कई संगीन मामलों में वांछित था। 14 जनवरी को इसने सारण जिले के एक फाइनेंस कर्मी से कंचनपुर (बिदुपुर) के समीप लूट की घटना को अंजाम दिया था। वहीं, 16 जनवरी को यह अपने साथियों के साथ बिदुपुर थाना क्षेत्र स्थित गोपालपुर मिडिल स्कूल के पास केला बागान में किसी बड़ी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहा था। उस समय पुलिस की कार्रवाई में एक बदमाश को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया था, लेकिन चन्द्रशेखर उर्फ झंडू पुलिस पर फायरिंग करते हुए अपने अन्य साथियों के साथ फरार हो गया था।

बिदुपुर थाना पुलिस ने लगातार उसका पीछा करते हुए अंततः मंगलवार को उसे गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस उसकी आपराधिक गतिविधियों का और भी विस्तृत खाका तैयार कर रही है। साथ ही, यह भी जांच की जा रही है कि उसने आसपास के जिलों में किन-किन आपराधिक घटनाओं को अंजाम दिया है। एसडीपीओ ने बताया कि चन्द्रशेखर उर्फ झंडू वैशाली जिले के टॉप-10 अपराधियों में शामिल था और उसकी गिरफ्तारी से जिले में अपराध पर लगाम लगाने में काफी मदद मिलेगी।

पहली बार मधुबनी पहुंचे पंडित धीरेंद्र शास्त्री देखने के लिए उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

पटना (एजेंसियां)। बागेश्वर धाम सरकार पंडित धीरेंद्र शास्त्री मधुबनी के अंधराठाढ़ी प्रखंड के नवटोली पस्तान गांव पहुंचे। उन्हें देखने के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। मिथिला रीति-रिवाज के अनुसार, उनका भव्य स्वागत किया गया। पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने श्रद्धालुओं का अभिनंदन किया। इसके बाद उन्होंने शिव मंदिर के पुनर्निर्माण की आधारशिला रखी। इधर, बाबा के कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा गया है।

पंडित धीरेंद्र शास्त्री के आगमन के लिए विशेष रूट की व्यवस्था जिला प्रशासन द्वारा की गई है। जानकारी के अनुसार, पंडित धीरेंद्र शास्त्री अपने शिष्य आचार्य लक्ष्मीकांत झा के पुत्र शिवांश कुमार के यज्ञोपवीत संस्कार में नहीं पहुंच पाए थे, लेकिन आज उन्हें आशीर्वाद देने के लिए पहुंचे हैं।

आचार्य लक्ष्मीकांत झा ने बताया कि फरवरी माह में अपने पुत्र का यज्ञोपवीत संस्कार किया गया था, जिसमें पंडित धीरेंद्र शास्त्री उपस्थित नहीं हो पाए थे। उन्होंने यह भी बताया कि बस स्टैंड नवटोली गांव में शिव मंदिर के पुनर्निर्माण का आधारशिला उनके करकमलों द्वारा संपन्न हुआ।

इससे पहले पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने मुजफ्फरपुर में दरबार लगाया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि हमारा दुश्मन देश पाकिस्तान एक तरह से बिगड़ैल औलाद है। वह सुधरना नहीं चाहता, इसलिए हमारी सेना उसे सुधारने में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने पाक के अंदर घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक किया है और हम सभी को भारतीय सेना के पराक्रम पर गर्व है।

उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान चीन के मिसाइल पर भरोसा करता है, जबकि भारत के लोग चीन के चार्जर पर भी भरोसा नहीं करते।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने हमारी बहनों का सुहाग सिंदूर उजाड़ा, तो हमने सिंदूर ऑपरेशन चलाया। अभी तो हमने सिंदूर ऑपरेशन किया है, जबकि हल्दी, मेहंदी और मंगलसूत्र का ऑपरेशन बाकी है।

आगामी विधानसभा चुनाव 2025

एनडीए गठबंधन 225 सीटें जीतेगा: जदयू

सहरसा (एजेंसियां)। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय महासचिव मनीष कुमार वर्मा ने कहा है कि आगामी 2025 के विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन 225 सीटें जीतने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। उन्होंने दावा किया कि सहरसा जिले की चारों विधानसभा सीटों पर इस बार एनडीए उम्मीदवारों की जीत तय है। उन्होंने कहा कि कोसी क्षेत्र पहले से ही एनडीए का गढ़ रहा है और इस बार भी यहां से गठबंधन को शानदार सफलता मिलेगी।

मनीष कुमार वर्मा दो दिवसीय दौरे पर सहरसा पहुंचे। जिले की सीमा में प्रवेश करते ही जदयू नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से सामूहिक और व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर संवाद किया। बैठकों के दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं से सुझाव और शिकायतें सुनीं और सभी को आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट जाने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस बार एनडीए गठबंधन जिले की सभी चारों विधानसभा सीटों पर जीत दर्ज करेगा।

बातचीत के दौरान मनीष वर्मा ने कहा कि एनडीए ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए 225 सीटों का लक्ष्य तय किया है। कार्यकर्ता और नेता अभी से पूरी ताकत के साथ चुनावी तैयारियों में जुट जाएं। बिहार में एक बार फिर एनडीए की सरकार बनेगी। उन्होंने यह भी कहा कि जदयू और एनडीए का सहरसा में मजबूत जनाधार रहा है और संगठन की जमीनी मजबूती के दम पर यहां सभी सीटों पर जीत संभव है। अपने दौरे के दौरान राष्ट्रीय महासचिव मनीष वर्मा सहरसा जिले की चारों विधानसभा सीटें सहरसा, सोनवर्षा, महिषी और सिमरी बख्तियारपुर में पार्टी और गठबंधन नेताओं के साथ बैठक करेंगे। इन बैठकों में वे सभी कार्यकर्ताओं से संवाद कर विधानसभा चुनाव की रणनीति तैयार करेंगे।

मानदेय भुगतान की मांग को लेकर सफाई कर्मी गए हड़ताल पर

अस्पताल में सफाई व्यवस्था ठप

सहरसा (एजेंसियां)। सहरसा जिले के सदर अस्पताल में सफाई कार्य के लिए नियुक्त एजेंसी के सफाई कर्मियों ने वेतन भुगतान की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दिया है। सफाई कर्मियों ने एजेंसी पर दो माह से मानदेय भुगतान नहीं करने का आरोप लगाते हुए कहा कि मानदेय भुगतान पर टालमटोल किया जा रहा है। सफाई कर्मियों के हड़ताल पर जाने से अस्पताल में सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गया है। यदि सफाई कर्मियों का हड़ताल जारी रहा तो मरीजों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

बता दें कि सदर अस्पताल में आउटसोर्सिंग के साफ-सफाई का जिम्मा ज्ञान भारती एनजीओ को है। जिनके अधीन सदर अस्पताल के साफ सफाई के लिए 40 सफाई कर्मी रखे गए है। लेकिन सफाई कर्मियों को मार्च और अप्रैल महीने का मासिक भुगतान नहीं किया गया है। जिसको लेकर बुधवार को सहरसा सदर अस्पताल के ओपीडी के सामने तमाम सफाई कर्मीयों ने हड़ताल शुरू कर दिया। सफाई कर्मियों ने कहा कि मानदेय नहीं मिलने से भुखमरी की स्थिति हो गई है।

बिना वेतन के तीसरा महीना चल रहा है। दुकानदार को पैसा नहीं देने पर अब वह भी उधार देना बंद कर दिया गया है। बिगत दो महीने का बकाया भुगतान की राशि को लेकर एनजीओ के कर्मी के द्वारा यह कहा जा रहा है कि जल्द ही आप लोगों का भुगतान हो जाएगा। सिर्फ आश्वासन के भरोसे दो महीने से अब तीसरे महीने का 21 दिन गुजर रहा है। लेकिन वेतन का भुगतान नहीं किया गया। थक हार कर हम लोग हड़ताल करने को मजबूर हैं। उन लोगों ने कहा कि जब तक हम लोगों की मांगे पूरी नहीं होगी तब तक हड़ताल जारी रहेगा। सिविल सर्जन डॉ केके मिश्रा ने कहा सफाई कर्मियों की हड़ताल पर चले जाने जाने से सफाई बाधित होगी। अस्पताल प्रबंधन को आउटसोर्सिंग के एनजीओ से बात कर समस्या का समाधान निकालने का निर्देश दिया गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला, हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com